# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 30 अगस्त 2026



KALINGA UNIVERSITY
RAIPUR | INDIA

FACULTY OF LAW

*Ankita Shrivastava*

She Didn't Stop After LLB. She Specialised.

**LLM Alumna**
**Highest Package – INR 33 LPA**

**LLM (Dual Specialisation)**

**Select Any Two**

- Cyber Law
- Business & Corporate Law
- Intellectual Property Rights (IPR)
- Constitutional & Administrative Law
- Crime & Torts
- Labour Law




**31st AUGUST 2026 IS THE LAST DATE TO GET ADMISSION**

- Intra Moot Court & Moot Court
- Lecture Series from Eminent Jurists
- Chhattisgarh Youth Parliament
- Paid Internship Opportunities
- POSH & Gender Justice Training
- Global Conferences & Academic Events

**Other Programs: BA LLB | BBA LLB | LLB**

## Why Choose Law?

**The legal profession is one of the most reputed and rewarding careers in the world.**

## Your Career Options:

**Litigation & Advocacy**
Fight for justice in courts. Argue cases. Defend rights.

**Judiciary & Public Service**
Become a Judge, Magistrate, or Public Prosecutor.

**Corporate Law**
Advise MNCs. Draft contracts. Handle mergers & acquisitions.

**Legal Advisor & Compliance**
Work with governments, NGOs, and international organisations.

**Civil Services**
Constitutional understanding gives you an edge in UPSC.

## Why Study at Kalinga University?

**Because we provide the BEST Education.**

- Practice in Our Moot Court
- Legal Aid & Pro Bono Club
- Expert Faculty
- Intellectual Development
- Supreme Court & High Court Internships
- Job Security & Financial Stability

**We are Ranked as**
**"Top Leading Law School of Super Excellence in India 2026" by**
competition success review



LEARN TODAY LEAD TOMORROW

**CLAT and LSAT scorecards are accepted**

**Our Top Law Recruiting Partners**

zepto | cornerstone | BAJAJ FINSERV | Star | ICICI Bank | Uber | DSK Legal | ACC | PHOENIX LEGAL | KHAITAN & CO ADVOCATES SINCE 1911

and many more...

**+91-9907252100**

**Campus:** Kalinga University, Kotni, Near Mantralaya, Naya Raipur - 492101, Chhattisgarh
**City Office:** 2nd Floor, Aditya Heights, Opp. Telibandha Talab, Raipur - 492001, Chhattisgarh
**Bhilai Office:** 111, Khichariya Complex, Opp. Domino's Pizza, Near Hotel Grand Dhillon, Bhilai

SCAN THE **QR CODE**
To Register for our **Entrance Examinations**
**KALSEE/KAL-MAT**

#Rajiv49963308899



राष्ट्रीय अभियान

# एक पेड़ माँ के नाम

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रीय अभियान में
आरती ग्रुप की सहभागिता 3 वर्षों से

दिनांक : रविवार, 30 अगस्त 2026
समय : प्रातः 10:00 — शाम 5:00
स्थान : अशोका पाम मेडोज़, डुंडा, रायपुर

AARTI GROUP 'ASHOKA' SINCE 1991 | 36 YEARS

PROPERTY FEST
27th AUGUST ONWARDS

ASHOKA PALM MEADOWS
APARTMENTS • PLOTS

## ऑफर सीमित समय के लिए।
## जल्दी कीजिए।

सिर्फ



20% दीजिए।
और आज ही चाबी लीजिए।

अगले 18 महीने, कोई PAYMENT नहीं।






#BlueBanyan ATUL

पहली 100 बुकिंग्स पर लकी ड्रॉ

1st PRIZE EV कार ₹30 लाख
2nd PRIZE EV कार ₹20 लाख
3rd PRIZE EV कार ₹10 लाख

हर बुकिंग पर एक लकी ड्रॉ कूपन

4TH, 5TH, 6TH PRIZE EV टू-व्हीलर

3 BHK • 2,000 SQ.FT
READY TO MOVE • CLUB HOUSE
SWIMMING POOL & 15+ AMENITIES

PICKUP & DROP FACILITY AVAILABLE

WELCOME TO
THE GREEN SIDE OF RAIPUR

Near **Kamal Vihar**, Dunda, Raipur
**CALL 91 94 03 03 03**

*नियम व शर्तें लागू।
PCGRERA280525001934
PCGRERA280818000726

GOOGLE LOCATION

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

# चित्रकोट में प्रति सेकंड गिर रहा 20 लाख लीटर पानी

*जगदलपुर।* *इंद्रावती नदी के उफान ने ऐतिहासिक चित्रकोट जल प्रपात की तस्वीर पूरी तरह बदल दी है। जलप्रपात के 500 मीटर चौड़े मुहाने से हर सेकंड लगभग 20 लाख लीटर (2000 क्यूमेक्स) पानी नीचे गिर रहा है। इसे यदि समय के हिसाब से समझें तो जलप्रपात से प्रति मिनट 12 करोड़ लीटर पानी का विशाल प्रवाह नीचे की ओर टकरा रहा है।आमतौर पर अपनी 150 फीट ऊंचाई और 500 मीटर चौड़ाई के लिए पहचाना जाने वाला चित्रकोट जलप्रपात इन दिनों पानी के अति-प्रवाह से बिल्कुल अलग और रौद्र रूप में नजर आ रहा है। जल स्तर इतना अधिक बढ़ चुका है कि प्रपात की मूल ऊंचाई छिप गई है और अब पानी महज 7 फीट की ऊंचाई से ही छलांग लगाता दिख रहा है।* ▶▶|शेष पेज 5 पर

- **जल स्तर बढ़ा तो छिप गई 150 फीट की ऊंचाई, अब सिर्फ 7 फीट से छलांग लगा रहा पानी**

## सामान्य दिनों से 40 गुना अधिक पानी

जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता वेद पांडे ने बताया कि चित्रकोट जलप्रपात में बारिश के मौसम में औसत जल प्रवाह 2000 क्यूमेक्स (20 लाख लीटर/सेकंड) तक पहुंच जाता है, जबकि गैर-बारिश के दिनों में यह घटकर 50 से 500 क्यूमेक्स (50 हजार से 5 लाख लीटर/सेकंड) के बीच रह जाता है।

- **प्रति मिनट 12 करोड़ लीटर का प्रहार**
- **500 मीटर चौड़े मुहाने से गरज रही इंद्रावती**

फोटो : संतोष पांडेय

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹118715/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹144990/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹158270/-
Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।
anand Jewels Pandri, Raipur
*Conditions apply

# खपरगंज में बवाल : 100 से अधिक के खिलाफ हत्या के प्रयास, दंगा, तोड़फोड़ का जुर्म दर्ज

*बीती रात पुरानी रंजिश में दो युवकों के विवाद के बाद जमकर हुए पथराव और हंगामे के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर 100 से अधिक हमलावरों के खिलाफ हत्या के प्रयास, दंगा, तोड़फोड़ का जुर्म दर्ज कर लिया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।*



**कलेक्टर, एसएसपी सहित अधिकारियों ने पूरे इलाके में किया पैदल मार्च**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस की टीम हमलावरों की गिरफ्तारी में जुटी हुई है। विवाद के बाद दूसरे दिन पूरा इलाका पुलिस छावनी बना रहा, वहीं कलेक्टर, एसएसपी सहित अन्य अधिकारियों ने पूरे इलाके में पैदल मार्च कर हालात का जायजा लिया और शांति की अपील की। सिटी कोतवाली थाने में यदुनंदन नगर गौर कालोनी निवासी अक्षय सिंह ने रिपोर्ट लिखाई। 28 अगस्त की रात वह अपने दोस्त के साथ राखी बंधवाकर खपरगंज की ओर से जा ▶▶|शेष पेज 5 पर

हरिभूमि फॉलोअप



### दूसरे जिलों से आई 300 बल

रात में बवाल के बाद रायपुर माना से 150 पुरूष, 50 महिला, छठवीं वाहनी रायगढ़ से 25, 11वहीं वाहनी जांजगीर से 25, 13 बटालियन बांगो कोरबा से 25, दूसरी वाहनी सकरी से 40, जांजगीर से 20, मुंगेली से 25 सहित साढ़े तीन बल शहर पहुंच गया था। इसके अलावा 250 जिले का बल कोतवाली थाना पहुंच गया था।

### 8 वाहनों में तोड़फोड़

दो गुटों के बीच विवाद के बाद उपद्रवी लोगों ने क्षेत्र में जमकर दहशतगर्दी मचाई। खपरगंज मरवाड़ी लाइन व गोलबाजार गली में लोगों के घरों के बाहर खड़ी 6 चार पहिया, 1 ई रिक्शा, दो बाइक में पथराव कर तोड़फोड़ की गई है। वहीं एक मकान में पत्थर मारकर खिड़की के ▶▶|शेष पेज 5 पर

### शांति व्यवस्था बनाए रखें

*बीती रात दो गुटों के बीच मारपीट हुई। जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के द्वारा क्षेत्र में फ्लैग मार्च किया गया है। कानून को हाथ में लेने वालों पर कड़ाई से कार्रवाई की जाएगी। गिरफ्तारी की प्रक्रिया चल रही है। लोगों से अपील है शांति व्यवस्था बनाए रखें।*

*-रामगोपाल गर्ग आईजी*

### दो लोगों का विवाद

*दो लोगों का व्यक्तिगत विवाद है। अनावश्यक गुटबाजी में परवर्तित किया गया है। प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है। शनिवार की सुबह से पूरी दुकानें व मार्केट खुले हुए हैं, आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।*

*-सुनील जैन संभागायुक्त*

## खबर संक्षेप

### प्रधानमंत्री मोदी पहुंचे उज्बेकिस्तान

**ताशकंद।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को उज्बेकिस्तान पहुंचे।



अपने दौरे के दौरान वह दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के उद्देश्य से उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे। राष्ट्रपति मिर्जियोयेव ने ताशकंद हवाई अड्डे पर पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। यह प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान की चौथी यात्रा है।

**देवभोग पनीर 430 तो वचन और अमूल 400 रुपए किलो / इधर, मक्का और कनकी के दाम बढ़े**

# एनालॉग पर पाबंदी का असर, पनीर के दाम बढ़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मिल्क पावडर वाले एनालॉग पर लगे प्रतिबंध का असर अब दूध से बनने वाले पनीर की डिमांड और कीमत पर होने लगा है। पूछपरख बढ़ने की वजह से दुग्ध उत्पादक कंपनियों समेत लोकल डेयरी संचालकों ने इसके दाम बढ़ा दिए हैं। देवभोग का पनीर अब 430 रुपए हो चुका है, वहीं अमूल और वचन के पनीर की कीमत 400 रुपए प्रतिकिलो हो गई है। स्थानीय स्तर पर बनाए जाने वाले पनीर की कीमत में भी 40 से 50 रुपए प्रतिकिलो तक बढ़ोतरी हुई है।

- **स्थानीय स्तर पर बनाए जाने वाले पनीर की कीमत भी 40 से 50 रुपए तक बढ़ी**

शासन ने एनालॉग पनीर पर 31 जुलाई को प्रतिबंध लगाया था, जिसके बाद दूध से बनाए जाने वाले पनीर की डिमांड बढ़ गई है। एनालॉग पनीर को सेहत के लिए नुकसान दायक माना गया था। पाबंदी के बाद स्थानीय कंपनियों में निर्माण के साथ अन्य राज्यों से सप्लाई बाधित हो गई थी। एनालॉग की आपूर्ति जरूरत के हिसाब से थोक में बिना किसी परेशानी के होती थी। दूसरी ओर राज्य में दूध का उत्पादन सीमित मात्रा में होता है, इसलिए पनीर बनाने बनाने का काम भी सीमित मात्रा में सिमटकर रह गया। डिमांड बनी रही, जिसकी वजह मि ल क मे ड पनीर की कीमतों में भी इजाफा हो गया। देवभोग ने अपने पनीर का दाम किलो में 30 और चिल्हर में 50 रुपए तक बढ़ा दिया। वहीं वचन और अमूल के पनीर 380 से करीब चार सौ रुपए किलो तक हो गए। डेयरी के माध्यम से दूध का व्यापार करने वाले व्यापारियों ने भी इसकी कीमत में इजाफा कर दिया। राजधानी के टिकरापारा इलाके के ▶▶|शेष पेज 5 पर

# मुर्गी दाना महंगा, अंडों की लागत बढ़ी 25 फीसदी

**चार रुपए से उत्पादन लागत हो गई पांच रुपए**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

एथेनाल के उपयोग के कारण कनकी और मक्के के दाम में भारी इजाफा हुआ है। इसका असर सीधे तौर पर पोल्ट्री कारोबार पर पड़ा है। इसके चलते मुर्गी दाने के दाम में भी 40 फीसदी से ज्यादा का इजाफा हो गया है। ऐसे में अंडों की उत्पादन लागत 25 फीसदी तक बढ़ गई है। पहले एक अंडे के उत्पादन की लागत करीब चार रुपए पड़ती थी, लेकिन अब इसकी लागत पांच रुपए तक पहुंच गई है। ऐसा होने से अब कभी भी अंडा चिल्हर में छह रुपए से कम में नहीं मिल पाएगा। पहले गर्मी में अंडों के दाम तीन से चार रुपए हो जाते थे, लेकिन अब यह संभव नहीं होगा।

एथेनाल के उपयोग के कारण गन्ना, शक्कर, कनकी और मक्के के दाम आसमान पर चले गए है। एथेनाल बनाने में आमतौर पर कनकी का उपयोग होता है। कनकी खाने वाले अब बहुत कम हो गए हैं, ▶▶|शेष पेज 5 पर

महंगाई की मार

### मुर्गी दाना 32 से हो गया 46 रुपए

*कनकी और मक्के के दाम बढ़ने के कारण मुर्गी दाना महंगा हो गया है। जो मुर्गी दाना पहले 32 रुपए किलो मिलता था, उसके दाम अब 46 रुपए हो गए हैं। मुर्गी दाना में 60 फीसदी कनकी और मक्के का उपयोग होता है, यही वजह है कि मुर्गी दाना महंगा हो गया है। पोल्ट्री कारोबारियों के मुताबिक मुर्गी दाना के साथ ही विटामिन के दाम में भी इजाफा हुआ है। जो विटामिन पहले 500 से 600 रुपए किलो मिलता था, उसके दाम डबल होकर 11 से 12 सौ रुपए हो गए हैं। यह विटामिन विदेशों से आता है। युद्ध के कारण इसके दाम बढ़े हैं।*

ANJANEYA UNIVERSITY
Why Waste a Year?
Start Now.
Make this year count
Choose from career-focused programmes, industry exposure, scholarships and strong placement opportunities at Anjaneya University.
ADMISSIONS OPEN 2026-27
COMPUTER SCIENCE | ENGINEERING | LAW
ARTS & HUMANITIES | EDUCATION | FORENSIC SCIENCE
PHARMACY | SCIENCE | FILM MAKING
HOTEL MANAGEMENT | RESEARCH | JOURNALISM & MASS COM.
COMMERCE & MANAGEMENT | FASHION & INTERIOR DESIGNING
Students placed at DELL HCL JINDAL STEEL & POWER IBM
Highest Package ₹17.5 LPA
Students Placed 1,000+
Scholarships UP TO 100%
88967 96788 | 88897 22225 | anjaneyauniversity.ac.in

**बॉम्बे हाईकोर्ट ने एफडीए को लगाई फटकार**

# अफसर खुद को भगवान समझते हैं...?

एजेंसी ▶▶| मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने अधिकारियों को अवमानना की कार्रवाई की चेतावनी भी दी। कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए पूछा कि क्या अफसर खुद को कोई भगवान समझते हैं, जो अपनी मर्जी से कुछ भी करने लगेंगे। जजों ने कहा कि मच्छर को मारने के लिए तलवार चलाने की कोई जरूरत नहीं होती है। कोर्ट ने कहा कि हम बार-बार अफसरों को समझाकर थक चुके हैं और अब कड़े फैसले सुनाने का वक्त



आ गया है। कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि वे अदालत को संतुष्ट करें या फिर जेल जाने के लिए तैयार रहें। मामला मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन परिसर में मौजूद पांच रेस्टोरेंट के फूड लाइसेंस निलंबित करने से जुड़ा है। अदालत ने कहा कि विभाग ▶▶|शेष पेज 5 पर

### क्या है मामला

यह विवाद पिछले सप्ताह एफडीए द्वारा पांच लाइसेंस निलंबित किए जाने के बाद शुरू हुआ था। मंगलवार को हुई सुनवाई में हाईकोर्ट ने एफडीए कमिश्नर तुकाराम मुंढे की स्वच्छता संबंधी खामियों के खिलाफ कार्रवाई की सराहना की थी। हालांकि, अदालत ने विभाग से कहा था कि उसे लगातार और एक समान तरीके से ▶▶|शेष पेज 5 पर

### सिप्ला के आदेश को लिया वापस

*बंबई हाईकोर्ट की फटकार के बाद महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने सिप्ला फार्मा एंड लाइफ साइंसेज लिमिटेड की पुणे स्थित कैरी एंड फॉरवर्डिंग इकाई का दवा बिक्री लाइसेंस निरस्त करने का आदेश शनिवार को वापस ले लिया। कोर्ट ने नियामक से कहा कि उसने मामले में हद पार कर दी और मनमाने तरीके से कार्रवाई की। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ ने कहा कि एफडीए की कार्रवाई 'प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों' के खिलाफ है। एफडीए ने कहा कि वह लाइसेंस रद्द करने का आदेश तत्काल वापस लेगा और कंपनी को नया कारण बताओ नोटिस जारी करेगा।* ▶▶|शेष पेज 5 पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

# अब पैकेट देखते ही पता चलेगा कितना 'खराब' है खाना

खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने सुप्रीम कोर्ट के 13 अगस्त 2026 के आदेश के अनुपालन में एक हलफनामा दाखिल किया है। इसमें पैकेटबंद खाद्य उत्पादों के सामने की तरफ लाल रंग के षट्भुज (रेड हेक्सागन) चेतावनी लेबल लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को यह बताना है कि किसी उत्पाद में चीनी, नमक या फैट की मात्रा अधिक है। प्रस्ताव के अनुसार पहले चरण में ऐसे उत्पादों पर चेतावनी लेबल लगाया जाएगा जिनमें एडेड फैट, एडेड शुगर और नमक में से दो या उससे अधिक तत्व तय सीमा से ज्यादा हों. ऐसे उत्पादों पर 'हाई फैट, 'हाई शूगर' और 'हाई साल्ट' जैसी चेतावनियां लिखी जाएंगी। वहीं अधिक मीठे पेय पदार्थों पर 'हाइली स्वीटेंड बेवरेज' की चेतावनी लगाने का भी प्रस्ताव है।

## पैकेट पर ज्यादा साफ दिखेगी चेतावनी

एफएसएसएआई ने सुझाव दिया है कि पैकेट के सामने लिखी जाने वाली चेतावनी का फॉन्ट साइज पीछे दिए गए न्यूट्रिशन इंफॉर्मेशन टेबल के फॉन्ट से एक प्वाइंट बड़ा रखा जाए, ताकि उपभोक्ता इसे आसानी से पढ़ सकें. पोषक तत्वों की सीमा तय करने के लिए आईसीएमआर-एनआईएन की 'डाइटरी गाइडेंस फॉर इंडियन्स2024' को आधार बनाया जाएगा।

## एफएसएसएआई ने सुप्रीम कोर्ट में दिया नया प्रस्ताव

### यह है मामला

पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर साफ और आसान चेतावनी देने की मांग को लेकर मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। अदालत ने 13 अगस्त 2026 कोएफएसएसएआई से इस दिशा में उठाए गए कदमों की जानकारी मांगी थी। अब एफएसएसएआई ने अदालत को बताया है कि वह नियमों में संशोधन कर सही तरीके से फ्रंट-ऑफ-पैक चेतावनी लेबल लागू करने की तैयारी कर रहा है। दूसरे चरण में ऐसे उत्पाद भी इस दायरे में लाए जा सकते हैं जिनमें किसी एक पोषक तत्व की मात्रा तय सीमा से अधिक हो।

## ज्यादा शक्कर-तेल वाली खाने-पीने की चीजों पर लगेगी चेतावनी




**देशभर में चल रहीं ताबड़तोड़ कार्रवाई :** बताते चलें कि इन दिनोंएफएसएसएआई और कई अन्य फूड रेगुलेटर्स खाने-पीने की चीजों के साथ हो रहे नियमों के उल्लंघन को लेकर ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रहे हैं। इन कार्रवाई मेंएफएसएसएआई और महाराष्ट्र एफडीए द्वारा की जा रही कार्रवाई सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोर रही हैं।

## पैकेट पर बनाया जाएगा लाल रंग का षटकोण

### प्रस्ताव का उद्देश्य

सुप्रीम कोर्ट में दायर एक अनुपालन हलफनामे में एफएसएसएआई ने कहा कि इस प्रस्ताव का उद्देश्य उपभोक्ताओं को उन खाद्य उत्पादों के बारे में आसानी से समझ में आने वाली चेतावनी देना है, जिनमें चिंताजनक बताए गए इन पोषक तत्वों की मात्रा ज्यादा है। हलफनामे में कहा गया है, 'आईसीएमआर-एनआईएन द्वारा जारी 'भारतीयों के लिए खानपान के दिशानिर्देश, 2024' के तहत तय सीमाओं के आधार पर, उन खाद्य उत्पादों के पैकेट के फ्रंट पर लाल रंग के बॉक्स में एक प्रमुख चेतावनी लेबल लगाने का प्रस्ताव है।

### कुछ उत्पादों को मिलेगी छूट

प्रस्ताव में एकल-सामग्री वाले खाद्य पदार्थों को इस व्यवस्था से बाहर रखने की बात कही गई है। इसके अलावा घी, खाद्य तेल, नमक, चीनी, गुड़ और शहद जैसे उत्पादों को भी छूट देने का सुझाव दिया गया है क्योंकि इनमें संबंधित तत्व स्वाभाविक रूप से अधिक मात्रा में पाए जाते हैं।

## एफएसएसएआई को लगाई गई थी फटकार

इस मामले की सुनवाई करते हुए 13 अगस्त को जस्टिस जे. बी. पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों पर चेतावनी लेबल लगाने में देरी को लेकर फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया को कड़ी फटकार लगाई थी और पूछा था कि क्या सरकार 'नहीं चाहती कि देश के नागरिक स्वस्थ रहें।' सुप्रीम कोर्ट में दायर अपने अनुपालन हलफनामे में फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने कहा कि उसने पैकेट के फ्रंट पर चित्र के साथ ज्यादा चीनी, ज्यादा फैट और ज्यादा नमक से जुड़ी हुई जानकारी देने का प्रस्ताव तैयार किया है।

## खबर संक्षेप

### सोनिया वोटर लिस्ट सितंबर में सुनवाई

**नई दिल्ली।** कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के मतदाता सूची में नाम



शामिल किए जाने के मामले में विशेष न्यायाधीश ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ दायर पुनरीक्षण याचिका पर आदेश टाल दिया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 21 सितंबर को होगी। आरोप है कि सोनिया गांधी के भारतीय नागरिक बनने से पहले ही उनका नाम मतदाता सूची में शामिल कर लिया गया था। शिकायतकर्ता विकास त्रिपाठी ने सोनिया गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी।

### छात्र परिषद कार्यक्रम- ममता के खिलाफ किया गया केस दर्ज

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के



खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मामला 28 अगस्त को तृणमूल छात्र परिषद (टीएमसीपी) के कार्यक्रम से जुड़ा है। आरोप है कि कोर्ट ने कार्यक्रम के लिए दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक का समय दिया था। लेकिन आयोजकों ने तय समय के बाद भी कार्यक्रम जारी रखा। शिकायत के मुताबिक, टीएमसी समर्थकों ने बैरिकेड हटाए,। पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की की। कैथेड्रल रोड पर ट्रैफिक ब्लॉक किया। यह मामला टीएमसीपी के दो गुटों के कार्यक्रम की अनुमति से जुड़ा था।

### जी-20 बैठक : अमेरिका पहुंचीं मंत्री सीतारमण

**वाशिंगटन।** वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अमेरिका की छह



दिवसीय यात्रा पर पहुंची। इस दौरान वह जी20 वित्त मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगी और निवेश के अवसरों पर चर्चा के लिए प्रमुख कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) तथा कारोबारियों के साथ बैठकें करेंगी। सीतारमण कनाडा की तीन दिवसीय यात्रा के बाद बृहस्पतिवार को शिकागो के ओहारे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचीं। कनाडा में उन्होंने पहले 'भारत-कनाडा आर्थिक एवं वित्तीय संवाद' में भाग लिया था।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का आरोप, प्रोजेक्टर पर दिखाया हल्द्वानी का भाषण

# 'खड़गे की सभा के बाद मंच का शुद्धिकरण हुआ, प्रधानमंत्री दोषियों पर एक्शन लें'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर केंद्र सरकार और आरएसएस पर निशाना साधा। साथ ही, कांग्रेस सांसद ने मल्लिकार्जुन खड़गे की हल्द्वानी वाली जनसभा का जिक्र कर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, 'राजस्थान में हमारे दलित सांसद एक मंदिर जाते हैं और बीजेपी नेता वहां 'शुद्धिकरण' की रस्म अदा करते हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे जी, जिन्होंने अपना पूरा जीवन देश और संविधान को समर्पित कर दिया है, हल्द्वानी के रामलीला मैदान में भाषण देने जाते हैं और वहां भी शुद्धिकरण की रस्म अदा की जाती है। ऐसा कौन करता है? ये बीजेपी और आरएसएस के लोग करते हैं। सिर्फ भाजपा और आरएसएस के सदस्य ही ऐसा करते हैं और यह एक अपराध है।' गांधी ने इसे अपराध बताया। उन्होंने कहा, 'भारत के संविधान के तहत, यह एक अपराध है, एक आपराधिक गतिविधि है। 'शुद्धिकरण' वास्तव में अस्पृश्यता का ही दूसरा नाम है। अस्पृश्यता को गैरकानूनी घोषित कर दिया गया है, फिर भी बीजेपी सदस्य खुलेआम इसका पालन करते हैं। जब वे यह शुद्धिकरण करते हैं, तो वे प्रभावी रूप से यह कह रहे होते हैं कि दलितों को छुआ नहीं जाना चाहिए, दलित अपवित्र हैं और यह भारतीय संविधान के तहत एक अपराध है।'

## प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकार और आरएसएस पर साधा निशाना




### एफआईआर दर्ज करने की मांग

राहुल ने एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने कहा, 'यह कृत्य अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति अधिनियम का उल्लंघन है। फिर भी, कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इसलिए, हम मांग करते हैं कि उत्तराखंड में यह शुद्धिकरण हवन करने वालों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए। प्रधानमंत्री हर जाति से संबंध रखने और पूरे भारत के प्रधानमंत्री होने का दावा करते हैं। हम चाहते हैं कि प्रधानमंत्री इन व्यक्तियों के खिलाफ अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति अधिनियम के तहत तत्काल एफआईआर दर्ज करने का आदेश दें। उत्तराखंड में खड़गे जी को न्याय दिलाना राज्य सरकार और केंद्र सरकार दोनों का कर्तव्य है।'

### हर दलित के लिए उठा रहे यह मुद्दा

गांधी ने कहा, 'अगर हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ ऐसा किया जा सकता है, तो खुलेआम, बिना किसी झिझक के किया जा सकता है। सोचिए स्कूल में चार साल के बच्चे के साथ क्या हो रहा होगा। इसलिए, हम यह मुद्दा खड़गे जी के लिए उठा रहे हैं, जो हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। लेकिन हम इसे भारत के हर दलित व्यक्ति, हर महिला के लिए उठा रहे हैं। यह हमें स्वीकार्य नहीं है। और यह एक प्रतीक है; यह उनकी विचारधारा है और हमारी लड़ाई उनकी विचारधारा के खिलाफ है।'

## शुद्धिकरण गंदगी के कारण हुआ, जात-पात के कारण नहीं : सीएम धामी



इस पूरे विवाद पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में खड़गे की जाति के बारे में शायद ही कोई जानता है। उन्होंने साफ किया कि कार्यक्रम स्थल का शुद्धिकरण जात-पात के कारण नहीं हुआ था। कार्यक्रम के बाद स्थल पर गंदगी और धर्म विशेष के नारे लगाए जाने को लेकर धार्मिक संगठनों ने आपत्ति जताई थी। इसके बाद साफ-सफाई के साथ शुद्धिकरण किया गया। धामी ने कहा कि जिन लोगों ने शुद्धिकरण किया, उनका भाजपा से कोई संबंध नहीं है। यह कार्यक्रम जिस जगह हुआ था, वह धार्मिक स्थल है। वहां रामलीला का मंचन भी होता है। धामी ने कहा कि खड़गे जी के कार्यक्रम के दौरान वहां कुछ ऐसे नारे लगाए गए, जिन पर धार्मिक संगठनों ने आपत्ति जताई। धामी ने कांग्रेस पर इस मामले को जातीय रंग देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास अब कोई मुद्दा नहीं बचा है। इसलिए वह इस मामले को बेवजह तूल दे रही है।

# 4 हजार से ज्यादा छात्र ने किया जेआरएफ के लिए क्वालिफाई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने यूजीसी नेट का रिजल्ट जारी कर दिया है। एजेंसी ने बताया कि 84 विषयों के लिए विश्व-विद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। इस परीक्षा में शामिल होने वाले 4,000 से ज्यादा अभ्यर्थियों ने जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) के लिए क्वालिफाई कर लिया है। एनटीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, '84 विषयों की परीक्षा में शामिल हुए 6.07 लाख अभ्यर्थियों में से 97,000 से अधिक ने पीएचडी में दाखिले के लिए और 4,000 से अधिक ने जेआरएफ के लिए अर्हता हासिल की है।'

उम्मीदवार अपने एप्लीकेशन नंबर के जरिए आधिकारिक वेबसाइट https://ugc-net.nta.nic.in पर लॉग इन कर सकते हैं और अपना स्कोरकार्ड हासिल कर सकते हैं।

## एनटीए ने जारी किया यूजीसी-नेट का रिजल्ट




### 9 और 10 सितंबर को होगा रीएग्जाम

एनटीए ने अपने पोस्ट में यह भी बताया है कि जिन तीन विषयों का रिजल्ट जारी नहीं किया गया है, उनकी परीक्षा सितंबर के दूसरे सप्ताह में होगी। एजेंसी ने लिखा, 'इंग्लिश, कॉमर्स और सोशियोलॉजी सब्जेक्ट्स के कैंडिडेट्स, जिनके एग्जाम 09 और 10 सितंबर 2026 को दोबारा होने वाले हैं, अगर वे यूजीसी-नेट जून 2026 स्कोरकार्ड एक्सेस करने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें 'इनवैलिड एप्लीकेशन नंबर/पासवर्ड' मैसेज मिल सकता है। इन कैंडिडेट्स का स्कोरकार्ड/रिजल्ट उनके एग्जाम के दोबारा होने के बाद ही उपलब्ध कराया जाएगा।'

### जून में हुई थी परीक्षा

एनटीए ने इस साल जून में अंग्रेजी, वाणिज्य और समाजशास्त्र की परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों के लिए दोबारा परीक्षा कराने का आदेश दिया था। यह फैसला एक विशेषज्ञ समिति को प्रश्नपत्रों में तथ्यात्मक, टाइपिंग, अनुवाद और भाषा संबंधी गलतियां मिलने के बाद किया गया था। इन विषयों की परीक्षा सितंबर में होने वाली है। एनटीए ने बताया है कि अगर इन विषयों की परीक्षा देने वाले लोग रिजल्ट चेक करते हैं तो इनवैलिड पासवर्ड का मैसेज आ सकता है।

31 को सुप्रीम कोर्ट करेगा जनहित याचिका पर सुनवाई

# पेट्रोल पंपों पर इथेनॉल मिश्रण की जानकारी देना हो अनिवार्य!

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पेट्रोल में मिलाए जाने वाले इथेनॉल को लेकर सुप्रीम कोर्ट में 31 अगस्त को अहम सुनवाई होने वाली है। याचिका में केंद्र और संबंधित अधिकारियों को निर्देश देने की मांग की गई है कि देश के हर पेट्रोल पंप पर पेट्रोल में मिले इथेनॉल की सटीक मात्रा की जानकारी अनिवार्य और एक समान तरीके से दी जाए।

सुप्रीम कोर्ट की 31 अगस्त की कॉज लिस्ट के मुताबिक, इस मामले की सुनवाई जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की पीठ करेगी। नरेंद्र कुमार गोस्वामी की ओर से दायर याचिका में मांग की गई है कि पेट्रोल पंप के हर डिस्पेंसिंग नोजल पर साफ और आसानी से दिखाई देने वाला लेबल लगाया जाए। इसमें यह बताया जाए कि बेचे जा रहे पेट्रोल में कितने प्रतिशत इथेनॉल मिला हुआ है। याचिका में यह भी कहा गया है कि ग्राहकों को दिए जाने वाले हर फ्यूल बिल पर भी इथेनॉल की मात्रा स्पष्ट रूप से लिखी जाए, ताकि उपभोक्ता को पेट्रोल खरीदते समय इसकी पूरी जानकारी मिल सके।




### कौन सा इथेनॉल ब्लेंड सही?

याचिका में केंद्र से एक आधिकारिक और सार्वजनिक रूप से सर्च की जा सकने वाली व्हीकल-कम्पैटिबिलिटी डेटाबेस तैयार करने की मांग भी की गई है। इसमें वाहन निर्माता, मॉडल, इंजन के प्रकार और निर्माण वर्ष के आधार पर यह जानकारी उपलब्ध हो कि कौन सी गाड़ी किस इथेनॉल ब्लेंड के लिए उपयुक्त है। इससे वाहन मालिकों को यह समझने में मदद मिल सकेगी कि उनकी गाड़ी E20 या दूसरे इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के साथ कितनी अनुकूल है।

**पुराने वाहनों के लिए भी ट्रांजिशन प्लान की मांग :** याचिका में पुराने और E20 के साथ अनुकूल नहीं होने वाले वाहनों के लिए एक समयबद्ध और पारदर्शी ट्रांजिशन फ्रेमवर्क बनाने की मांग की गई है। इसमें जहां तकनीकी, आर्थिक और लॉजिस्टिक रूप से संभव हो, वहां कम इथेनॉल वाले पेट्रोल की उपलब्धता पर भी विचार करने की बात कही गई है।

# मराठा आरक्षण : जरांगे ने फिर शुरू की भूख हड़ताल

**मुंबई।** मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने शनिवार को अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से पहले से चिन्हित 58 लाख कुनबी रिकॉर्ड के आधार पर मराठा समुदाय के लोगों को तुरंत जाति प्रमाणपत्र जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि समुदाय सरकार को इस मामले में अब और समय नहीं देगा। जालना जिले के अंतरवाली सराटी गांव में पत्रकारों से बातचीत में जरांगे ने कहा कि यह उनका अंतिम आंदोलन होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर मराठा समुदाय के प्रति दुश्मनी रखने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उन्हें चुपचाप समर्थन दे रहे हैं। मनोज जरांगे ने जाति सत्यापन समिति को खत्म करने की भी मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि अगर सरकार आरक्षण से जुड़े सभी लंबित मुद्दों का समाधान नहीं करती है तो वह मुंबई में मुख्यमंत्री के सरकारी आवास 'वर्षा' की ओर मार्च करेंगे।



# रूस का यूक्रेन में भीषण हवाई हमला, 27 की मौत

राजधानी कीव में 50 इमारतें तबाह

एजेंसी ▶▶| कीव

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध ने एक बार फिर भयानक रूप ले लिया है। यूक्रेन की राजधानी कीव के पास स्थित बुचा जिले पर शनिवार को हुए भीषण रूसी हवाई हमले में कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई।

स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, शनिवार को किए गए इस हमले से इलाके में भीषण आग भड़क उठी. स्थानीय क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख टिमुर टकाचेंको ने जानकारी दी कि आग इतनी तेजी से फैली कि इसने कई रिहायशी घरों और पास के एक रेस्तरां को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया। भीषण आग लगने के बाद 380 से अधिक लोगों का रेस्क्यू किया गया। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने बताया कि बुचा के मायला गांव में स्थित एक गोदाम पर हमला हुआ, जिसके बाद वहां कई शक्तिशाली धमाके हुए। इस हमले की जद में बुजुर्गों और दिव्यांगों का एक केयर होम भी आ गया। जेलेंस्की ने साफ कहा कि नियमों के मुताबिक रिहायशी इलाकों के पास विस्फोटक या गोला-बारूद जमा नहीं किया जा सकता। अधिकारियों की कथित लापरवाही पर आपराधिक जांच शुरू कर दी गई है।



### साढ़े चार साल से चल रही जंग

टकाचेंको ने आगे बताया कि इस घातक बमबारी में कम से कम 50 रिहायशी इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई हैं। मलबे और आग के कारण इलाके में भारी नुकसान दर्ज किया गया है। कीव और उसके आसपास के इलाकों में यह लगातार तीसरे दिन का हवाई हमला है। यूक्रेन पर रूस के पूर्ण हमले के साढ़े चार साल पूरे होने के बाद भी हमलों का सिलसिला थम नहीं रहा है। इन लगातार हो रहे हवाई हमलों ने यूक्रेनी राजधानी की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह ठप कर दिया है और आम नागरिकों की जिंदगी अस्त-व्यस्त हो चुकी है।

# भारत से भिड़ने वाले चीनी जनरल पर गिरी गाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत और चीन के बीच डोकलाम से लेकर गलवान तक तनाव के दौरान अहम सैन्य जिम्मेदारी संभालने वाले जनरल झाओ जोंगकी पर अब कार्रवाई हुई है।

चीन ने उन्हें अपनी शीर्ष राजनीतिक सलाहकार संस्था से हटा दिया है। उनकी सदस्यता भी खत्म कर दी गई है। इसके अलावा एक अहम समिति की जिम्मेदारी भी उनसे छीन ली गई है। झाओ जोंगकी फरवरी 2016 में चीन की वेस्टर्न थिएटर कमांड के पहले कमांडर बने थे। यह चीन की सेना की ऐसी कमान है, जो तिब्बत, शिनजियांग और भारत से लगी सीमा के बड़े हिस्से में सैन्य गतिविधियों को देखती है। 2017 में डोकलाम में भारत और चीन की सेनाएं 72 दिनों तक आमने-सामने रही थीं. यह विवाद तब शुरू हुआ, जब चीन ने ऐसे इलाके में सड़क बनाने की कोशिश की, जिस पर चीन और भूटान दोनों दावा करते हैं।

## जिनपिंग ने सभी पदों से हटाया



'वन वर्ल्ड, वन ह्यूमैनिटी' को आरएसएस प्रमुख भागवत ने किया संबोधित

# 'भारत में कोई मुस्लिम न रहे, ऐसा सोचने वाला हिंदू नहीं हो सकता'

एजेंसी ▶▶| न्यूयार्क

अमेरिका के न्यूयॉर्क में शनिवार को 'वन वर्ल्ड, वन ह्यूमैनिटी' कार्यक्रम को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'अगर कोई हिंदू यह सोचता है कि भारत में कोई मुस्लिम नहीं होना चाहिए तो वह हिंदू नहीं रह सकता। अगर आप खुद को हिंदू कहना चाहते हैं तो आपको यह मानना होगा कि सभी रास्ते एक ही लक्ष्य की ओर ले जाते हैं और हर इंसान की गरिमा है। इंसानों के बीच कोई भेदभाव नहीं है।' भागवत ने कहा, 'मैं न तो धर्म का विद्वान हूं और न ही आपकी तरह कोई धार्मिक अथॉरिटी हूं, लेकिन मैं ऐसे समाज में काम करता हूं, जो परंपरागत रूप से यह मानता है कि धर्म अलग-अलग हो सकते हैं, मगर मानवता एक है। सत्य एक है और मानवता उसी सत्य की उपज है। इसलिए मानवता एक है। सत्य एक ही है, लेकिन उसे बताने वाला व्यक्ति अपनी समझ के अनुसार उसे अलग-अलग तरीके से व्यक्त करता है। इंसान होने के नाते हम अपने दिमाग में बने उस सॉफ्टवेयर के बंधक हैं, जो हमारे विचारों और समझ को प्रभावित करता है।'

## न्यूयॉर्क, अमेरिका के मैडिसन स्क्वेयर गार्डन में हुआ कार्यक्रम



### टाइम्स स्क्वायर के होर्डिंग पर भागवत की तस्वीरें

अमेरिका के न्यूयार्क में मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आरएसएस प्रमुख भागवत के प्रवासी भारतीयों को संबोधित करने से पहले टाइम्स स्क्वायर के बीचों-बीच लगे होर्डिंग पर उनकी तस्वीरें प्रदर्शित की गईं। भागवत आरएसएस के शताब्दी वर्ष के वैश्विक जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत मंगलवार को अमेरिका पहुंचे थे। यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन नामक इस कार्यक्रम का आयोजन अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग की ओर से किया जा रहा है। संगठन ने इस कार्यक्रम को 'ऐतिहासिक रक्षाबंधन समारोह के रूप में बताया है।

### अलग-अलग धर्मों पर यह बोले

भागवत ने कहा कि कई धर्म हैं और आज की दुनिया में धर्मों को बड़े पैमाने पर उनके कर्मकांडों के आधार पर परिभाषित किया जाता है। उन्होंने कहा, 'किसी धार्मिक अनुशासन में शामिल होने और उस मार्ग के जरिए ईश्वरत्व की ओर बढ़ने के लिए कर्मकांडों से जुड़ा यह अनुशासन भी आवश्यक है।' आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि अगर हम समाज को लगातार शिक्षित नहीं करते हैं, तो उसमें विचलन पैदा होने लगता है और इतिहास के दौरान किसी तरह ऐसा हुआ भी। उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं बता सकता कि वह बदलाव किस समय आया। इसके बाद हमारा समाज और हमारा देश विदेशी आक्रमणों का निशाना बना और हमने बहुत कुछ खो दिया।'

# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी


खेल अलंकरण में 82 खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों को मिला राज्य खेल अलंकरण, पांच टीमों के 43 खिलाड़ियों-प्रशिक्षकों को मुख्यमंत्री ट्रॉफी



## राज्य खेल अलंकरण समारोह में 126 खिलाड़ी-प्रशिक्षक सम्मानित

रायपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शनिवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में राज्य खेल अलंकरण समारोह-2026 का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू के साथ जनप्रतिनिधि एवं खेल जगत से जुड़े लोग भी शामिल हुए। इस अवसर पर वर्ष 2023-24, 2024-25 एवं 2025-26 के लिए प्रदेश के 126 उत्कृष्ट खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को राज्य खेल अलंकरण से सम्मानित किया गया। समारोह में सम्मानित खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। वक्ताओं ने कहा कि इन खिलाड़ियों की मेहनत और उपलब्धियों ने छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश के 540 खिलाड़ियों के खातों में नकद पुरस्कार राशि का अंतरण भी किया। इस अवसर पर कहा गया कि राज्य सरकार प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए बेहतर अवसर और सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार काम कर रही है।

एक खिलाड़ी के भीतर जब त्याग, समर्पण और लक्ष्य के प्रति जुनून पैदा हो जाता है, तो सफलता की राह अपने आप बनने लगती है। फिर परिस्थितियां कितनी भी विपरीत क्यों न हों आर्थिक तंगी हो या खेल सुविधाओं का अभाव, हौसले के आगे हर चुनौती छोटी पड़ जाती है। छत्तीसगढ़ के विभिन्न खेलों में प्रदेश और देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों की कहानी भी कुछ ऐसी ही है।

## 18 किमी साइकिल, रस्सी का सहारा और उधारी का बल्ला...फिर भी चमके छत्तीसगढ़ के लाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अलंकृत खिलाड़ियों ने हरिभूमि से बातचीत में अपने संघर्ष, चुनौतियों और सफलता के सफर के अनुभव साझा किया। इन खिलाड़ियों ने बताया कि कहीं संसाधनों की कमी आड़े आई तो कहीं आर्थिक चुनौतियों ने रास्ता रोका। बावजूद इसके खिलाड़ियों ⏭शेष पेज 5 पर



### गाइड रनर की कमी बनी चुनौती, आज एशियन गेम्स के ट्रायल तक पहुंचा

महासमुंद जिले के रहने वाले सुखदेव को पैरा एथलेटिक्स में शहीद कौशल यादव पुरस्कार मिला है। सुखदेव ने वर्ष 2022 में तैयारी शुरू की। आज वह बेंगलुरु के साई में रहकर ट्रेनिंग कर रहे हैं। उनका सपना सिर्फ दौड़ना नहीं, बल्कि भारत के लिए मेडल जीतकर देश का नाम रोशन करना है। सुखदेव ने बताया कि वे टी-11 कैटेगरी के पैरा-एथलीट हैं। इस कैटेगरी में खिलाड़ी पूरी तरह ⏭शेष पेज 5 पर

## पैसे की कमी आई आड़े तो माता-पिता ने संभाला मोर्चा अब सम्मान ने बढ़ाया हौसला



### खेलने के लिए पैसे जुटाना हुआ था मुश्किल

भूपेन्द्र के खेल जीवन का सबसे खास पड़ाव 2022 रहा, जब उन्हें भारत के लिए खेलने का मौका मिला। लेकिन देश के लिए खेलने की खुशी के साथ आर्थिक चुनौती भी सामने थी। बाहर जाकर खेलने के लिए पर्याप्त पैसे जुटाना उनके लिए मुश्किल हो रहा था। ऐसे समय में परिवार उनके साथ मजबूती से खड़ा रहा। उनकी मां और पिता ने परिवार के अन्य सदस्यों के सहयोग से उनके लिए जरूरी आर्थिक व्यवस्था की। परिवार के इस सहयोग ने उन्हें भारत के लिए खेलने के अपने सपने को पूरा करने में मदद की। करीब 17 वर्षों से सॉफ्टबॉल को समय देने वाले भूपेन्द्र को शहीद राजीव पाण्डेय पुरस्कार दिया गया है।

भूपेन्द्र कुमार गढ़े की कहानी भी संघर्ष, परिवार के सहयोग और खेल के प्रति समर्पण की ऐसी ही कहानी है। वे पिछले करीब 17 वर्षों से सॉफ्टबॉल खेल रहे हैं। भूपेन्द्र ने बताया कि सॉफ्टबॉल की शुरुआत के दिनों में सबसे बड़ी चुनौती खेल के उपकरण जुटाने की थी। सॉफ्टबॉल के बैट और ग्लव्स महंगे होने के कारण उन्हें खरीदना आसान नहीं था। ऐसे में मैदान पर खेलने वाले खिलाड़ी मिलकर पैसे जमा करते थे और जरूरत के उपकरण खरीदते थे। उनके अनुसार ⏭शेष पेज 5 पर


inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366


## चाय पीने के लिए रुके और बच गई छत्तीसगढ़ के पांच दोस्तों की जान

**हरिभूमि न्यूज/ रायपुर।** अगर चाय पीने के लिए वे पांच दोस्त कुछ देर के लिए नहीं रुकते तो नेपाल में बुधवार को भोटे कोशी और त्रिशूली नदी घाटियों में आई अचानक बाढ़ में बह सकते थे। हालांकि, वे सुरक्षित बच गए लेकिन इसके बाद उन्हें दो दिन तक एक ऊंची जगह से उफनती त्रिशूली नदी का भयावह रूप देखते हुए चिंता में बिताने पड़े। रायपुर के माना कैंप क्षेत्र के रहने वाले नारायण सेन, दिनेश ओझा, प्रेम सिंह जगत, यतेंद्र प्रकाश और दिनेश सिंह ठाकुर (सभी की उम्र 50 से 60 वर्ष के बीच) शनिवार को अपने घर लौटे। सैलून चलाने वाले 53 वर्षीय नारायण सेन ने बताया, हम भाग्यशाली थे कि 26 अगस्त को अचानक बाढ़ आने के समय हम चाय पीने के लिए रुक गए थे। अगर हम 10-15 मिनट पहले निकल गए होते तो शायद फंस गए होते।

### नेपाल से लौटे युवकों की जुबानी, बाढ़ की कहानी

उन्होंने कहा, अगर हम वहां नहीं रुकते तो पता नहीं क्या होता। पांच दोस्तों का ये समूह 21 अगस्त को रायपुर से रवाना हुआ था और अगले दिन नेपाल पहुंचा था। उन्होंने एक कार किराये पर ली थी और पशुपतिनाथ मंदिर, मनोकामना मंदिर तथा अन्य पर्यटन स्थलों की यात्रा की योजना बनाई थी। 26 अगस्त को पूर्वाह्न करीब 9:30 से 10 बजे के बीच वे धादिंग जिले के मलेखू कस्बे के एक होटल में चाय पीने के लिए रुके। सेन ने बताया, वहां हमें पता चला कि आगे एक पुल बाढ़ में बह गया है। होटल एक भारतीय व्यक्ति का था, जिसने हमारी काफी मदद की और हमें भोजन भी उपलब्ध कराया। इसके बाद ये दोस्त वहां सामने आ रही भयावह आपदा के प्रत्यक्षदर्शी बन गए। सेन ने कहा, हमने देखा कि कारें त्रिशूली नदी में ⏭शेष पेज 5 पर

## घर से 18 किलोमीटर साइकिल चलाकर पहुंचती थीं ट्रेनिंग सेंटर

दुर्ग की मोनिका साहू को तलवारबाजी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शहीद राजीव पांडेय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मोनिका ने वर्ष 2014 में तलवारबाजी की शुरुआत की थी। खेल के प्रति जुनून तो था, लेकिन प्रशिक्षण केंद्र घर से करीब 18 किलोमीटर दूर था। यह दूरी उनके लिए बड़ी चुनौती थी, लेकिन उन्होंने इसे अपने सपने के रास्ते में बाधा नहीं बनने दिया। मोनिका ने बताया कि उन्होंने उसी समय तय कर लिया था कि तलवारबाजी में आगे बढ़ना है। इसके बाद कई वर्षों तक वह साइकिल चलाकर 18 किलोमीटर दूर स्थित ट्रेनिंग सेंटर जाती रहीं और नियमित रूप से अभ्यास करती रहीं। आर्थिक और पारिवारिक परिस्थितियां भी आसान नहीं थीं। उनकी मां आंगनबाड़ी में कार्य करती हैं, जबकि उनके पिता का निधन हो चुका है। ऐसे में परिवार की जिम्मेदारियों के बीच खेल के लिए समय और संसाधन जुटाना उनके लिए किसी चुनौती से कम नहीं था। मोनिका का सपना देश के लिए तलवारबाजी में खेलना था। वह कहती हैं, जितना मैंने अपने खेल को दिया, उससे कहीं ज्यादा सफलता मुझे मिली है। इसलिए 18 किलोमीटर साइकिल चलाकर ट्रेनिंग के लिए जाना मेरे जीवन का सही निर्णय था।



## खबर संक्षेप

### मरने के बाद भी नहीं मिटा रिश्वतखोरी का दाग

**बिलासपुर।** हाईकोर्ट के जस्टिस एनके व्यास के सिंगलबेंच ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के लगभग 24 साल पुराने एक मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने रिश्वत लेने के मामले में दोषी ठहराए गए लोकसेवक की अपील को खारिज करते हुए निचली अदालत के सजा के आदेश को सही ठहराया है। कर्मचारी पर नौकरी के दौरान लगा रिश्वतखोरी का दाग उसके मरने के बाद भी नहीं मिट पाया।

### भाजपा अध्यक्ष ने बुलाई दिग्गजों की बैठक

**नई दिल्ली।** भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने नई दिल्ली में पार्टी के शीर्ष नेताओं और रणनीतिकारों के साथ एक बेहद अहम और बंद कमरे में बैठक की। इस बैठक का मुख्य एजेंडा युवाओं से जुड़ने के लिए विशेष 'युवा आउटरीच प्लान' तैयार करना और उत्तर प्रदेश, पंजाब तथा गुजरात समेत सात राज्यों में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा करना था।

## अब तक 675 मौतें, 2400 लापता

एजेंसी ⏭ काठमांडू/नई दिल्ली

मध्य नेपाल में और शव बरामद होने के बाद अचानक आई बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 675 हो गई है, जबकि आपदा के बाद लगभग 2400 लोग अब भी लापता हैं। राहत और बचाव अभियान के बीच भारत ने चार और भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बचाया है। इस बीच, कई लोग मलबे के नीचे अपने परिजनों की तलाश कर रहे हैं। तलाश एवं बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी रहने के दौरान, प्रभावित सभी आठ जिलों से शव बरामद किए गए। नेपाल में बचाव दलों ने शनिवार को अभियान के चौथे दिन लगभग 2,500 फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकाल लिया।

### कैलाश मानसरोवर यात्रा पूरी कर लौटे 28 श्रद्धालु

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल गए आंध्र प्रदेश के 28 श्रद्धालु यात्रा पूरी करने के बाद सुरक्षित लौट आए हैं। यात्रा के दौरान वे अचानक आई बाढ़ में फंस गए थे। तिरुपति स्थित एक निजी ट्रेवल एजेंसी के प्रबंध निदेशक पी. वेंकटरमण ने बताया कि समूह भारत से काठमांडू पहुंचा था और चीनी वीजा मिलने में देरी के कारण उन्हें करीब तीन दिन इंतजार करना पड़ा। सुरक्षित तिरुपति पहुंच गया हूं। हमारी कुशलता के बारे में पूछने और हमारी सुरक्षा को लेकर चिंता जताने वाले सभी लोगों का धन्यवाद।

*30 देशों के लापता नागरिकों की तलाश कर रहीं कई टीमें*

*भारत के कई पर्यटकों ने सुरक्षित स्वदेश वापसी के बाद राहत की*



### इधर, बाढ़ में बहकर आए बैंक के सेफ पर डाका, 29 गिरफ्तार

बाढ़ में बहकर आए बैंक के सेफ को तोड़कर उसमें से रकम निकालने के आरोप में नेपाल पुलिस ने 29 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह घटना धादिंग जिले के त्रिशूली नदी क्षेत्र में हुई, जहां भीषण बाढ़ के दौरान एक बैंक का सेफ पानी में बहकर आ गया था। गिरफ्तार किए गए लोगों के पास से 92 लाख 68 हजार 505 नेपाली रुपये नकद बरामद किए गए हैं। यह पूरी कार्रवाई नेपाल पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल की संयुक्त टीम ने मिलकर की।

### 163 विदेशियों समेत 2,500 को निकाला

नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद जारी तलाश एवं राहत अभियानों के तहत बचाव टीम ने फंसे 163 विदेशियों सहित लगभग 2,500 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया है। इस आपदा में 500 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। बुधवार को रसुवा और मध्य नेपाल के अन्य हिस्सों में आई भीषण बाढ़ के कारण जनहानि के साथ-साथ मानव बस्तियों, सड़कों, पुलों और जलविद्युत बुनियादी ढांचों को भारी नुकसान हुआ है, जबकि लगभग 2400 लोग अब भी लापता हैं। खोज एवं बचाव अभियानों के लिए नेपाल सेना के 5,000 से अधिक जवानों सहित 11,000 से अधिक सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। 163 विदेशी नागरिक समेत 2,465 लोगों को सुरक्षित निकाला।

## नक्सलवाद खत्म, नेताओं की घट सकती है सुरक्षा

### गृहमंत्री ने कहा-हम समीक्षा करेंगे



विजय शर्मा | केदार कश्यप | किरण देव | महेश गागड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर-जगदलपुर

छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद को खत्म हुए करीब पांच महीने हो चुके हैं। अभी भी 100 से अधिक जन प्रतिनिधियों की सुरक्षा में सैकड़ों जवान लगे हुए हैं। इनमें से 40 जन प्रतिनिधि ऐसे हैं जिनकी सुरक्षा में भारी-भरकम जवान तैनात हैं। अब नेताओं की सुरक्षा हटाने या कम करने पर विचार किया जा रहा है। गृहमंत्री विजय शर्मा ने भी कहा कि नक्सलवाद खत्म हो चुका है तो अब सुरक्षा को लेकर समीक्षा की जाएगी। हटाने या कम करने या यथावत रखने का निर्णय समीक्षा के बाद ही लिया जाएगा। इस मामले को लेकर अधिकारियों ने कहा कि नक्सल विरोधी ऑपरेशन के लिए जरूरी बल बस्तर में बना रहेगा, लेकिन नेताओं को मिले अतिरिक्त सुरक्षा घेरे की अलग से समीक्षा होगी। सुरक्षा समीक्षा का अर्थ सभी नेताओं से सुरक्षा वापस लेना नहीं होगा। जिन जनप्रतिनिधियों के खिलाफ अभी भी गंभीर ⏭शेष पेज 5 पर

### इन नेताओं को मिली है सुरक्षा

नक्सलवाद के समाप्त होने से पूर्व तक कई नेताओं को विभिन्न श्रेणियों की सुरक्षा मिली थी जो वर्तमान में भी बरकरार है। नेताओं के इस लिस्ट में सुकमा जिले से धनीराम बारसे जिलाध्यक्ष, कोरसा सन्नू जिला महामंत्री भाजपा सुकमा, संजय शोरी जिला अध्यक्ष, युवा मोर्चा सुकमा, विश्वराज सिंह, जिला सुकमा, हुंगाराम मरकाम प्रदेश भाजपा विशेष आमंत्रित सदस्य सुकमा, श्रीनिवास मुदलियार जिला अध्यक्ष भाजपा बीजापुर, कमलेश मण्डावी, जिला उपाध्यक्ष भाजपा बीजापुर, लव कुमार रायडू, जिला उपाध्यक्ष भाजपा बीजापुर, फूलचंद गागड़ा राज्य युवा मोर्चा सदस्य भाजपा बीजापुर, घासीराम नाग जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा, भाजपा बीजापुर, जगर लक्ष्मैया, जिला सचिव, भाजपा बीजापुर, संजय लुक्कड़ जिला कोषाध्यक्ष, भाजपा बीजापुर, सुधीर पाण्डेय प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भाजपा बस्तर जिला, मनीष सुराना पूर्व जिला उपाध्यक्ष भाजपा दंतेवाड़ा रामू नेताम, जिला पंचायत सदस्य भाजपा दंतेवाड़ा, श्रीमती कमला नाग पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष, भाजपा दंतेवाड़ा, जशवीर नेगी मण्डल ⏭ शेष पेज 5 पर

### समीक्षा के बाद निर्णय

बस्तर में नक्सल गतिविधियों लगभग खत्म होने के बाद वहां के नेताओं की सुरक्षा को लेकर समीक्षा की जाएगी। उसके बाद ही सरकार कोई फैसला लेगी।
- विजय शर्मा, उप मुख्यमंत्री, गृहमंत्री

### सुरक्षा की जरूरत के हिसाब से होगा पुनर्मूल्यांकन

सूत्रों के अनुसार, बस्तर संभाग के विभिन्न जिलों में राजनीतिक नेताओं, पूर्व जनप्रतिनिधियों और अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों को उपलब्ध कराई जा रही सुरक्षा का नए सिरे से आकलन किया जा रहा है। जिन नेताओं को नक्सली खतरे के कारण लंबे समय से अतिरिक्त सुरक्षा उपलब्ध कराई गई थी, उनके खतरे का वर्तमान स्तर देखा जाएगा। सुरक्षा समीक्षा में खतरे की प्रकृति, क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों की स्थिति, संबंधित व्यक्ति की वर्तमान राजनीतिक भूमिका और उसकी आवाजाही जैसे पहलुओं को आधार बनाया जा सकता है। सुरक्षा कम होने की स्थिति में जवानों को पुलिस की नियमित ड्यूटी, कानून-व्यवस्था और अन्य सुरक्षा अभियानों में लगाया जा सकेगा।

## तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक ने टक्कर मार दी

## तीन युवकों को ट्रक ने कुचला, तीनों की मौत

### रक्षाबंधन पर बुआ को गांव छोड़कर लौट रहे थे युवक

हरिभूमि न्यूज ⏭ तखतपुर

रक्षाबंधन पर बुआ को उसके गांव छोड़कर लौट रहे तीन युवकों के दोपहिया वाहन को तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। घटना तखतपुर थाना क्षेत्र की जूनापारा चौकी अंतर्गत ग्राम जूनापारा में लोरमी-कोटा मुख्य मार्ग पर हुई। पुलिस ने मामले को विवेचना में लिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम कठमूड़ामाल निवासी पंकज गोंड़ (25) की बुआ रक्षाबंधन पर लोरमी के पास ग्राम भारतपुर से उसके पिता लाल सिंह गोंड़ को राखी बांधने आई थीं। रक्षाबंधन ⏭शेष पेज 5 पर




### घर से एक किमी पहले हुआ हादसा

बताया गया कि बुआ को भारतपुर छोड़कर लौट रहे युवकों का घर हादसा स्थल से महज एक किलोमीटर दूर था। घर पहुंचने से कुछ ही दूरी पहले तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी जिंदगी छीन ली।

### हेलमेट नहीं पहना था

हादसे के समय तीनों युवकों ने हेलमेट नहीं पहना था। दुर्घटना में उनके शरीर गंभीर रूप से क्षत-विक्षत हो गए। पुलिस और प्रशासन की ओर से लगातार हेलमेट पहनने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं, लेकिन इसके बावजूद लोग यातायात नियमों को गंभीरता से नहीं लेते। यदि दोपहिया वाहन सवारों में से किसी ने हेलमेट पहना होता तो संभव है कि उसकी जान बच जाती।

## एफएसएसएआई ने की बड़ी कार्रवाई

## एवरेस्ट और लालजी के हींग पाउडर बैन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने मानकों के उल्लंघन पाए जाने के बाद एवरेस्ट फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और लालजी गोधू एंड कंपनी के हींग पाउडर बेचने पर रोक लगा दी है। नियामक ने शनिवार को यह जानकारी दी। खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि एवरेस्ट फूड प्रोडक्ट्स और लालजी गोधू एंड कंपनी के हींग पाउडर उत्पाद घटिया गुणवत्ता के पाए गए थे। इसके बाद इनकी हींग पाउडर बिक्री पर रोक लगाने के आदेश जारी किए हैं। एफएसएसएआई ने एवरेस्ट के मामले में ⏭शेष पेज 5 पर




### मानकों पर नहीं उतरे खरे

एफएसएसएआई ने कहा कि लालजी गोधू को भी हींग पाउडर बेचने से रोक दिया गया है। नियामक ने कहा, मिश्रित हींग (पाउडर और टुकड़े) के नमूने निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरे। ये नमूने गलत ब्रांडिंग वाले और घटिया गुणवत्ता के भी पाए गए। एफएसएसएआई ने कहा कि मिश्रित हींग बनाने में इस्तेमाल की जाने वाली कच्ची हींग की किस्मों में अधिक मात्रा में स्टार्च पाया गया।

## एक घंटे तक खदान की सड़कों पर घूमने के बाद जंगल की ओर गया

## परसा-केते कोयला खदान में घुसा दंतैल, मची अफरा-तफरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबिकापुर

विकासखंड उदयपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत परसा-केते में संचालित राजस्थान विद्युत मंडल की कोयला खदान में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक दंतैल खदान क्षेत्र में पहुंच गया। करीब एक घंटे तक दंतैल खदान की सड़कों पर घूमता रहा। वन अमले की कड़ी मशक्कत के बाद दंतैल खदान से निकलकर जंगल की ओर चला गया। इसके बाद खदान में काम कर रहे कर्मचारियों ने राहत की सांस ली। दल से भटका एक दंतैल लंबे समय से उदयपुर क्षेत्र के जंगलों में विचरण कर रहा है। बीती रात दंतैल कोयला खदान से लगे पगोरिया जंगल में मौजूद था। दंतैल की मौजूदगी



की सूचना मिलने पर वन विभाग और एलिफेंट ट्रैकर टीम के सदस्य उसकी निगरानी कर रहे थे। रात करीब 2 बजे बारिश के दौरान दंतैल अचानक नजरों से ओझल हो गया। उसके घने जंगल की ओर जाने की आशंका को देखते हुए वनकर्मी गजराज वाहन से उसकी तलाश में जुटे थे।

### लोगों को किया गया अलर्ट

वन अमले ने प्रवेश द्वार से ही लाउडस्पीकर के माध्यम से कामगारों को दंतैल के खदान क्षेत्र में पहुंचने की सूचना दी और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा। इसके साथ ही गजराज वाहन का हूटर बजाया गया। वाहन की रंगीन रोशनी, हूटर और लाउडस्पीकर की तेज आवाज से दंतैल खदान की सड़क पर तेजी से आगे बढ़ता रहा। बाद में वन अमला गजराज वाहन के साथ खदान क्षेत्र में पहुंचा और काफी मशक्कत के बाद दंतैल को जंगल की ओर खदेड़ने में सफल रहा।




**हिमालय पर बढ़ता दबाव आपदाओं को आमंत्रण दे रहा है। जलवायु परिवर्तन ने इस आग में घी का काम किया है। लगातार बढ़ते वैश्विक तापमान की वजह से ग्लेशियर बहुत तेजी से पिघल रहे हैं। ग्लेशियरों के पिघलने से पहाड़ों के ऊपर बर्फ की झीलों में पानी का दबाव अचानक बढ़ जाता है। जब ये प्राकृतिक झीलें टूटती हैं तो नीचे की घाटियों में तबाही का भयानक मंजर देखने को मिलता है। कभी पहाड़ों पर विनाशकारी भूस्खलन, कभी मैदानी इलाकों में भयानक बाढ़, कभी आग उगलती गर्म हवाएं और कभी अकाल जैसा सूखा; यह सब भीतर तक डराने वाला है। यदि प्राकृतिक जल निकासी और वर्षाजल प्रबंधन विकास की गति के साथ नहीं चलते, तो महंगा बुनियादी ढांचा भी बारिश के सामने असहाय दिखाई दे सकता है। हिमालयी शहरों में मैदानों के शहरी विकास मॉडल को ज्यों का त्यों लागू नहीं किया जा सकता। पहाड़ों की अपनी भूगर्भीय और पारिस्थितिक सीमाएं हैं। अनियंत्रित निर्माण, बढ़ता यातायात और प्राकृतिक ढलानों पर दबाव आपदा के जोखिम को बढ़ा सकते हैं। पहाड़ों के लिए विकास का एक अलग मॉडल बनाने की सख्त जरूरत है। पर्यटन को भी तुरंत नियंत्रित करने की आवश्यकता है ताकि पहाड़ों पर उतनी ही भीड़ जाए, जितनी वह आसानी से सहन कर सके। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

# फड़फड़ाने लगा है भोले का तीसरा नेत्र



**विश्लेषण**

डॉ. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

हम हिमालय की नहीं सुनते। हमने प्राकृतिक आपदा, अल-नीनो, 'ग्लोबल वार्मिंग' आदि कितने ही कवच समय-समय पर पहने हैं, मगर हिमालय की नाराजगी को कभी भी समझने का प्रयास नहीं किया। हिमालय साफ-साफ चेतावनी दे रहा है कि अगर हमने विकास के नाम पर उसकी अस्मिता से, उसकी पहचान से छेड़छाड़ बंद नहीं की तो पूरे परिवेश के लिए भयावह त्रासदियों से मुक्ति का प्रश्न ही नहीं उठता। पुल बनाने, रेल मार्ग बिछाने, पर्यटन के नए-नए आयाम एवं नई-नई संभावनाएं तलाश करने के लोभ में हमने निरंतर हिमालय की पहचान पर संकट खड़े किए हैं। चीन को सीमा क्षेत्रों में नए रेलमार्ग बिछाने, नए पुल बनाने, हवाई पट्टियां बनाने की कोई विशेष आवश्यकता नहीं थी। सिर्फ सीमा-सुरक्षा के नाम पर पहाड़ों को घाव देने की कोई ऐसी जरूरत नहीं थी जिसके लिए डायनामाइट एवं बारूदी सुरंगों के जाल बिछाए जाते। चीन की सीमावर्ती-चुनौतियों का सामना करने के लिए उसी क्षेत्र में सड़कों, रेलों व अन्य यातायात साधनों के जाल बिछाने की आपातकालीन जरूरत हमें भी महसूस होने लगी। स्थितियां इतनी भयावह हो चुकी हैं कि तथ्यों का सही-सही आकलन कर पाना भी संभव नहीं रहा। चेतावनियां पिछले साढ़े तीन दशकों से चेता रही हैं। वर्ष 1998 में उत्तराखण्ड के मालया क्षेत्र में हुई तबाही, वर्ष 2000 में तिब्बत में आई विनाशकारी बाढ़, वर्ष 2005 में पाञ्चू-नदी की विभीषिका, जून 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2021 की चमोली त्रासदी, इन सबकी खुली अपेक्षा करते हुए चीन, नेपाल, भारत और तिब्बत आदि में बड़ी-बड़ी योजनाएं बनती रही। अब नई सूचना यह है कि 189 नई झीलें बन चुकी हैं। स्थिति यह है कि अब तिब्बत-नेपाल क्षेत्रों में सैकड़ों की संख्या में झीलें बन चुकी हैं। सभी में ग्लेशियरों के पिछलाव का जल ठाठें मारने लगा है। एक झील में आए प्रकोप ने इतना हिला दिया तो आने वाले ऐसे अनेक संकटों का सामना कैसे होगा, इसके लिए सांझा प्रयास करने की दिशा में सोचा भी नहीं जा रहा है। अभी तो लाशें ढोने, घायलों को बचाने, लापता लोगों की तलाश करने से भी फुर्सत नहीं मिल पा रही।

**हिमालय साफ-साफ चेतावनी दे रहा है कि अगर हमने विकास के नाम पर उसकी अस्मिता से, उसकी पहचान से छेड़छाड़ बंद नहीं की तो पूरे परिवेश के लिए भयावह त्रासदियों से मुक्ति का प्रश्न ही नहीं उठता। पुल बनाने, रेल मार्ग बिछाने, पर्यटन के नए-नए आयाम एवं नई-नई संभावनाएं तलाश करने के लोभ में हमने निरंतर हिमालय की पहचान पर संकट खड़े किए हैं। एक झील में आए प्रकोप ने इतना हिला दिया तो आने वाले ऐसे अनेक संकटों का सामना कैसे होगा, इसके लिए सांझा प्रयास करने बारे सोचा भी नहीं जा रहा है। हिमालय को बचाना सिर्फ बर्फ के एक पहाड़ को बचाना नहीं है बल्कि यह अपनी जीवनदायिनी नदियों, अपनी जलवायु और अंततः अपने खुद के अस्तित्व को बचाने की अंतिम लड़ाई है।**



## विकास का अलग मॉडल बनाने की सख्त जरूरत

हमने उस पारंपरिक ज्ञान को पिछड़ापन मानकर खारिज कर दिया और कंक्रीट के उस विकास को अपना लिया जो मैदानी इलाकों के लिए बना था। पहाड़ों की अपनी एक अलग तासीर होती है जिसे समझे बिना वहां किसी भी तरह का निर्माण सीधा मौत को बुलावा देना है। हमें यह समझना होगा कि हम प्रकृति से लड़कर कभी जीत नहीं सकते। विकास जरूरी है, इसमें कोई संदेह नहीं है क्योंकि पहाड़ों के लोगों को भी शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर चाहिए। लेकिन यह विकास विनाश की शर्त पर कतई नहीं होना चाहिए। पहाड़ों के लिए विकास का एक अलग मॉडल बनाने की सख्त जरूरत है। पर्यटन को भी तुरंत नियंत्रित करने की आवश्यकता है ताकि पहाड़ों पर उतनी ही भीड़ जाए जितनी वह आसानी से सहन कर सके। इको टूरिज्म को बढ़ावा देना होगा जहां पर्यटक प्रकृति का सम्मान करना सीखें। जब हम पहाड़ पर जाते हैं तो हमें एक विनम्र मेहमान की तरह बर्ताव करना चाहिए, न कि किसी मालिक या विजेता की तरह। अगर हमने समय रहते हिमालय की चीख को अनसुना करना बंद नहीं किया और उस पर यह अनियंत्रित दबाव कम नहीं किया तो आने वाले समय में ये प्राकृतिक आपदाएं और भी भयावह रूप ले लेंगी। हिमालय को बचाना सिर्फ बर्फ के एक पहाड़ को बचाना नहीं है बल्कि यह अपनी जीवनदायिनी नदियों, अपनी जलवायु और अंततः अपने खुद के अस्तित्व को बचाने की अंतिम लड़ाई है। हमें पहाड़ों के मिजाज को समझना होगा। हमें यह संकल्प लेना ही होगा कि हम विकास की राह पर जरूर चलेंगे लेकिन प्रकृति का हाथ पकड़कर, उसकी छाती पर पैर रखकर नहीं।

## विकास की अंधी दौड़

जब अमरनाथ का शिवलिंग पिघलने लगा तो कैलाश पर विराजमान भोले शंकर का भी तीसरा नेत्र फड़फड़ाने लगा, इधर नेपाल में विराजे भोले पाशुपतिनाथ भी नाराज होने लगे। सवाल यह है कि इस प्रकोप से बचा कैसे जाए? हिमालय केवल पत्थरों और बर्फ से बना कोई निर्जीव ढांचा नहीं है, बल्कि यह इस उपमहाद्वीप की धड़कन है। सदियों से यह हमारा रक्षक रहा है, जीवनदायिनी नदियों का उद्गम और हमारी आस्थाओं का केंद्र रहा है।आज आए दिन पहाड़ों के दरकने, बादल फटने, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ की खबरें हमारी दिनचर्या का हिस्सा बन गई हैं। प्रकृति का यह रौद्र रूप अकारण नहीं है। सच तो यह है कि हमने अपने ही रक्षक पर इतना भार लाद दिया है कि अब वह हांफने लगा है। हिमालय पर बढ़ता यह दबाव अब सीधे तौर पर विनाशकारी आपदाओं को आमंत्रण दे रहा है। अगर हम गहराई से सोचें तो समझ आएगा कि पहाड़ों के साथ हमारा रिश्ता अब श्रद्धा का नहीं बल्कि उपभोग का हो गया है। विकास की अंधी दौड़ में हमने यह भुला दिया कि हिमालय दुनिया की सबसे युवा पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। जब हम इन नाजुक पहाड़ों का सीना चीरकर चौड़ी सडकें बनाते हैं, रेलवे के लिए लंबी सुरंगें खोदते हैं और बिजली के लिए विशालकाय बांध बनाते हैं तो हम अनजाने में पहाड़ की नींव को खोखला कर रहे होते हैं।

## इंसानों ने रची यह त्रासदी

डायनामाइट के धमाके सिर्फ चट्टानों को नहीं तोड़ते बल्कि वे पहाड़ के उस प्राकृतिक संतुलन को भी चकनाचूर कर देते हैं जो लाखों सालों की खामोशी में बना है। पहाड़ों के सीने में सुराख करके जो मलबा निकाला जाता है, उसे अक्सर बिना किसी योजना के नदियों के किनारे डाल दिया जाता है। बरसात के दिनों में यही मलबा नदियों के प्रवाह को रोकता है और फिर नदियां अपना रास्ता बदलकर बस्तियों की ओर रुख कर लेती हैं। यह कोई प्राकृतिक आपदा नहीं है, यह पूरी तरह से इंसानों द्वारा रची गई एक त्रासदी है जिसमें हमने खुद ही विनाश के बीज बोए हैं। इसके साथ ही पर्यटन के नाम पर जो भीड़ हम पहाड़ों की तरफ धकेल रहे हैं, वह भी इस समस्या का एक बहुत बड़ा कारण है। छुट्टियां मनाने के लिए पहाड़ों का रुख करना कोई बुरी बात नहीं है, लेकिन हर जगह की अपनी एक वहन क्षमता होती है जिसे हम 'कैरिंग कैपेसिटी' कहते हैं। आज पहाड़ों के छोटे-छोटे कस्बों में कंक्रीट के विशाल होटलों का जंगल उग आया है। जहां कभी ढलान पर देवदार और बुरांश के पेड़ हुआ करते थे, वहां आज बहुमंजिला इमारतें खड़ी हैं। ये भारी भरकम इमारतें पहाड़ की ढलान पर एक ऐसा बोझ हैं जिसे उठाने के लिए वह बना ही नहीं है। इसके अलावा पर्यटकों की भीड़ अपने साथ जो प्रदूषण और प्लास्टिक का कचरा लाती है, वह नदियों और प्राकृतिक जल स्रोतों का गला घोंट रहा है। जलवायु परिवर्तन ने इस आग में घी का काम किया है। लगातार बढ़ते वैश्विक तापमान की वजह से हिमालय के ग्लेशियर बहुत तेजी से पिघल रहे हैं। ग्लेशियरों के पिघलने से पहाड़ों के ऊपर बर्फ की झीलों में पानी का दबाव अचानक बढ़ जाता है। जब ये प्राकृतिक झीलें टूटती हैं तो नीचे की घाटियों में तबाही का ऐसा मंजर देखने को मिलता है जिसकी कल्पना भी इंसान की रूह कंपा देती है। बारिश के पैटर्न में भी भयानक बदलाव आया है। अब हफ्तों तक रिमझिम बारिश होने के बजाय कुछ ही घंटों में इतना पानी बरस जाता है कि पहाड़ उसे सोख नहीं पाते और मिट्टी कटकर नीचे बहने लगती है। यही वजह है कि बादल फटने और अचानक भयानक बाढ़ आने की घटनाएं आम हो गई हैं। जोशीमठ जैसी घटनाएं कोई अचानक हुआ हादसा नहीं थी बल्कि ये दशकों से पहाड़ों पर किए जा रहे अत्याचार का दुखद परिणाम हैं। जब जमीन धंसती है, पुराने घरों में दरारें आती हैं और लोगों को अपने पुरखों के घर छोड़कर रातों-रात राहत शिविरों में जाना पड़ता है तो वह सिर्फ एक भौगोलिक घटना नहीं होती। वह एक गहरा मानवीय संकट होता है। लोग अपनी आंखों के सामने अपनी जीवन भर की पूंजी, अपनी यादें और अपना भविष्य मिटते हुए देखते हैं। पहाड़ों में रहने वाले सीधे-सादे लोग विकास की इस मनमानी कीमत को सबसे ज्यादा चुका रहे हैं।

## हिमालय के पिघलते ग्लेशियर

# प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर चलना जरूरी



**चुनौती**

डॉ. विजेंद्र कुमार

स्वतंत्र स्तंभकार

जलवायु परिवर्तन की समस्या एक गंभीर वैश्विक संकट है। यह संकट अभी हमें चाहे ना दिखाई दे लेकिन मानव सभ्यता के लिए यह एक गंभीर चुनौती है। प्रकृति हमेशा से मनुष्य की सबसे अच्छी मित्र और पालक रही है, लेकिन हाल के वर्षों में हमने इसका रौद्र रूप भी बार-बार देखा है। कभी जंगलों में धधकती आग बेजुबान जानवरों को लील जाती है तो कभी समुद्र में उठने वाले भयंकर तूफान पल भर में तटीय बस्तियों को उजाड़ देते हैं। यह सब देखकर मन में एक सहज सा सवाल उठता है कि क्या यह सब बस यूं ही हो रहा है या इसके पीछे हमारी अपनी कोई भूल है। इससे भी बड़ा यह सवाल मन में बार-बार उठता है कि क्या जलवायु परिवर्तन आने वाले समय में हमारे लिए इससे भी बड़ी और भयंकर विपत्तियां ला सकता है। इस सवाल का जवाब ढूंढने के लिए हमें भविष्य के किसी वैज्ञानिक मॉडल को देखने या बहुत दूर जाने की जरूरत नहीं है। हमारे आसपास का बदलता हुआ मौसम खुद इसका जीता जागता गवाह है। जिस जलवायु परिवर्तन को हम कुछ दशक पहले सिर्फ विज्ञान की भारी-भरकम किताबों या वैश्विक सम्मेलनों का विषय मानते थे, वह आज हमारे घर के दरवाजे तक दस्तक दे चुका है। बेमौसम की भारी बारिश, सर्दियों के महीनों में कम होती ठंड, और गर्मियों में झुलसा देने वाली लंबी लू, ये सब प्रकृति की खुली चेतावनी है। जब कोई आपदा आती है तो वह सिर्फ ईंट-पत्थर की इमारतें या कंक्रीट के पुल नहीं तोड़ती, बल्कि वह इंसानों के संजोए हुए सपने, उनकी जीवन भर की गाढ़ी कमाई और उनके बच्चों का भविष्य भी उजाड़ देती है। वैज्ञानिक लगातार पूरी दुनिया को चेता रहे हैं कि पृथ्वी का तापमान जिस तेजी से बढ़ रहा है, वह बहुत ही अस्वाभाविक और खतरनाक है। हमारे द्वारा किए जा रहे अंधाधुंध औद्योगीकरण, बेतहाशा जंगलों की कटाई, पहाड़ों के सीने को चीरकर किए जा रहे अनियोजित निर्माण और लगातार बढ़ते कार्बन उत्सर्जन ने धरती के प्राकृतिक संतुलन को बुरी तरह से बिगाड़ दिया है। अगर यही स्थिति बनी रही तो इसमें कोई संदेह नहीं कि आने वाला समय वाकई बहुत डरावना होगा। जैसे-जैसे पृथ्वी और गर्म होगी, ग्लेशियर बहुत तेजी से पिघलेंगे और समुद्र का जलस्तर बढ़ेगा। इसका सीधा मतलब यह है कि दुनिया भर के कई तटीय शहर, महानगर और छोटे-छोटे द्वीप हमेशा के लिए पानी में समा सकते हैं। जरा सोचिए, जब लाखों-करोड़ों लोग एक साथ बेघर होंगे तो उन्हें हम कहां बसाएंगे। आने वाले समय में प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता और उनकी संख्या दोनों में बेतहाशा वृद्धि होने की पूरी आशंका है। जो चक्रवाती तूफान पहले दस या बीस सालों में एक बार आते थे, वे अब हर साल और भी ज्यादा ताकतवर होकर तटों से टकरा सकते हैं। ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने के कारण शुरुआत में तो नदियों में भयानक बाढ़ आएगी, जो अपने रास्ते में आने वाले हर गांव और शहर को डुबो देगी, लेकिन बाद में जब ये बर्फ के पहाड़ पूरी तरह खत्म हो जाएंगे तो वही सदानीरा नदियां सूख जाएंगी। इससे पीने के पानी और सिंचाई के लिए एक ऐसा भयंकर संकट खड़ा होगा जिसकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। जलवायु परिवर्तन केवल एक पर्यावरण का या विज्ञान का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह एक बहुत बड़ा मानवीय, सामाजिक और आर्थिक संकट है। जब एक जगह का तापमान बढ़ता है तो उसका असर पूरी दुनिया के मौसम चक्र पर पड़ता है। यह एक भयंकर चेन रिएक्शन की तरह है। जंगलों में लगने वाली भीषण आग की घटनाएं इसका एक बड़ा उदाहरण हैं। जब जंगल जलते हैं तो न सिर्फ लाखों बेजुबान जानवर तड़प-तड़प कर मारे जाते हैं, पेड़-पौधों की दुर्लभ प्रजातियां नष्ट हो जाती हैं, बल्कि भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड वापस वातावरण में घुल जाती है, जो धरती की गर्मी को और ज्यादा बढ़ा देती है। इसी तरह, आर्कटिक जैसे ठंडे इलाकों में सदियों से जमी हुई बर्फ के पिघलने से वहां दबी हुई मीथेन जैसी खतरनाक गैसें बाहर आ सकती हैं। अगर ऐसा हुआ तो ग्लोबल वार्मिंग इतनी तेजी से बढ़ेगी कि उसे रोकना फिर इंसान की तकनीक और वश के बाहर हो जाएगा। हमारे देश के लिए तो यह खतरा और भी बड़ा है। एक तरफ हमारे पास विशाल हिमालय है तो दूसरी तरफ एक बहुत लंबी तटरेखा। अगर जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून का चक्र इसी तरह बिगड़ता रहा, कभी बहुत ज्यादा बारिश या कभी बिल्कुल सूखा पड़ा तो हमारी खाद्य सुरक्षा पर सीधा प्रहार होगा। पहाड़ जो कभी अपनी स्थिरता के लिए जाने जाते थे, वे आज दरक रहे हैं। हमने अपने स्वार्थ में अंधी दौड़ लगाते हुए प्रकृति को बहुत गहरे घाव दिए हैं, लेकिन प्रकृति एक मां की तरह है, जिसमें खुद को और अपने बच्चों को ठीक करने की अद्भुत क्षमता होती है, बशर्ते हम उसे ऐसा करने का मौका और समय दें। हमें एक ऐसा रास्ता चुनना होगा जिसमें तरक्की तो हो, लेकिन जंगलों और नदियों की बलि देकर नहीं। जलवायु परिवर्तन कोई ऐसी आसमानी आपदा नहीं है जो किसी दूसरे ग्रह से अचानक हमारे ऊपर आ गिरी हो। यह हमारी अपनी पैदा की हुई विपत्ति है। इसलिए इसका समाधान भी हमें ही करना होगा। हम आज जाग जाएं, अपने लालच को किनारे रखकर प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर चलना सीख लें तो शायद हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित, हरी-भरी और खूबसूरत दुनिया सौंप सकें।

**जब कोई आपदा आती है तो वह सिर्फ ईंट-पत्थर की इमारतें या कंक्रीट के पुल नहीं तोड़ती, बल्कि वह इंसानों के संजोए हुए सपने, उनकी जीवन भर की गाढ़ी कमाई और उनके बच्चों का भविष्य भी उजाड़ देती है। पृथ्वी का बढ़ रहा तापमान बहुत ही अस्वाभाविक और खतरनाक है।**

# पर्यावरण के अनुकूल तकनीक अपनाएं



**मंथन**

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

वरिष्ठ स्तंभकार

प्रकृति और मनुष्य का रिश्ता सदियों पुराना है, किंतु समय के साथ मनुष्य की बदलती जीवन शैली से बदली प्राकृतिक परिस्थितियों से यह रिश्ता एक नाजुक मोड़ पर आकर खड़ा हो गया है। आज मानव और प्रकृति दोनों का ही अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। पिछले कुछ वर्षों में हमने अनेक भयानक प्राकृतिक आपदाओं का सामना किया है। कभी पहाड़ों पर विनाशकारी भूस्खलन, कभी मैदानी इलाकों में भयानक बाढ़, कभी आग उगलती गर्म हवाएं और कभी अकाल जैसा सूखा; यह सब भीतर तक डराने वाला है। यह कोई कुदरती कहर नहीं हैं बल्कि प्रकृति की गंभीर चेतावनी है जो हमें चीख-चीख कर कह रही है कि अब रुक जाओ! इन बढ़ती आपदाओं के पीछे का सबसे बड़ा कारण हमारा अंधा और अनियंत्रित विकास है, जिसने पर्यावरण की कीमत पर सिर्फ कंक्रीट के जंगल खड़े किए हैं। आज समूची मानव जाति के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर विकास और पर्यावरण के बीच एक स्थायी संतुलन कैसे कायम किया जाए।

हम समय के पहिए को नहीं रोक सकते और न ही विकास की प्रक्रिया से मुंह मोड़ सकते हैं। बढ़ती आबादी के लिए घर, स्कूल, अस्पताल, चौड़ी सड़कें और रोजगार के नए साधन मुहैया कराना किसी भी सरकार और समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जब हम विकास की अंधी दौड़ में पहाड़ों को डायनामाइट से उड़ाकर सड़कें बनाते हैं, नदियों के स्वाभाविक रास्तों को रोककर ऊंचे बांध बनाते हैं या हरे-भरे जंगलों को रातों-रात साफ करके कारखाने लगाते हैं तो हम अनजाने में ही अपने विनाश की कहानी लिख रहे होते हैं। विकास का मतलब कभी भी विनाश नहीं हो सकता। हम एक पेड़ काटते हैं तो सिर्फ लकड़ी का एक टुकड़ा नहीं गिरता, बल्कि बेजुबान पक्षियों का घर उजड़ता है, शीतल छांव खत्म होती है और वह जड़ें मर जाती हैं जो मिट्टी को कसकर बांधे रखती हैं। परिणामस्वरूप जरा-सी भारी बारिश में पहाड़ दरकने लगता है और नदियां अपना रास्ता बदलकर बस्तियों को उजाड़ देती हैं। अब समय आ गया है कि हम सतत विकास के रास्ते पर पूरी ईमानदारी से चलें। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाने का सबसे पहला कदम यह स्वीकार करना है कि यह पृथ्वी हमारी बपौती नहीं है, बल्कि हम इस विशाल पारिस्थितिकी तंत्र का एक बहुत छोटा सा हिस्सा मात्र हैं। किसी भी नई परियोजना को शुरू करने से पहले हमें यह गहराई से सोचना होगा कि इसका वहां के स्थानीय पर्यावरण पर क्या असर पड़ेगा। होगी। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाकर हम हवा में घुलने वाले जहर को काफी हद तक कम कर सकते हैं। इसके साथ ही नदियों को बांधने और उनके रास्ते बदलने के बजाय हमें जल संरक्षण के पारंपरिक और प्राकृतिक तरीकों की ओर लौटना होगा। प्राकृतिक जंगलों को बचाना संतुलन का सबसे अहम और जीवंत हिस्सा है।

विकास की नीति वातानुकूलित कमरों में बैठकर सिर्फ नक्शों पर नहीं बननी चाहिए, बल्कि उन लोगों से संवाद करके बननी चाहिए जो वास्तव में उस जमीन और प्रकृति के सबसे करीब रहते हैं। हमें एक ऐसा मार्ग खोजना है जहां नदियां भी अपने स्वच्छ स्वरूप में बहें और कल-कारखाने भी चलें, जहां पहाड़ भी अपनी जगह अडिग रहें और उन तक पहुंचने के सुरक्षित रास्ते भी बनें, जहां सुबह चिड़ियों की चहचहाहट भी गूंजे और तकनीक का सकारात्मक इस्तेमाल भी हो। अगर अब भी हमने प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाना जीना नहीं सीखा तो आने वाले समय में प्राकृतिक आपदाएं हमारा वो सब कुछ निर्दयता से छीन लेंगी जिसे हमने विकास के नाम पर बड़े अहंकार से खड़ा किया है।



**हमें एक ऐसा मार्ग खोजना है, जहां नदियां भी अपने स्वच्छ स्वरूप में बहें और कल-कारखाने भी चलें, जहां पहाड़ भी अपनी जगह अडिग रहें और उन तक पहुंचने के सुरक्षित रास्ते भी बनें, जहां सुबह चिड़ियों की चहचहाहट भी गूंजे और तकनीक का सकारात्मक इस्तेमाल भी हो।**

इसे विज्ञान की भाषा में पर्यावरण की वहन क्षमता कहते हैं। अगर किसी पहाड़ या जंगल की क्षमता सौ लोगों का बोझ उठाने की है और हम अपने लालच में वहां हजार लोगों के लिए बड़े-बड़े होटल और सड़कें बना दें तो कुदरत का संतुलन बिगड़ना और आपदा आना तय है।

हमें पर्यावरण के अनुकूल तकनीक का इस्तेमाल करना चाहिए। उदाहरणतया, भवन निर्माण में ऐसी सामग्री का उपयोग हो जो कम से कम कार्बन उत्सर्जन करे और ऊर्जा की अधिकतम बचत करे। हमें कोयले और पेट्रोलियम जैसे जीवाश्म ईंधनों पर अपनी निर्भरता तेजी से कम करनी

# नियोजित रूप से किया जाए शहरीकरण



**स्वरूप**

विनीत पाण्डेय

वरिष्ठ पत्रकार

शहर केवल इमारतों, सड़कों और बाजारों का समूह नहीं होते, वे किसी देश की आर्थिक गति, सामाजिक परिवर्तन और आधुनिक जीवन की आकांक्षाओं के केंद्र होते हैं। रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और बेहतर सुविधाओं की तलाश में निरंतर बढ़ती आबादी शहरों की ओर आकर्षित हो रही है। परिणामस्वरूप शहरीकरण आज विकास की स्वाभाविक प्रक्रिया बन चुका है। समस्या शहरीकरण से नहीं, बल्कि अनियोजित और प्रकृति-विरोधी शहरीकरण से है। जब शहर अपनी भौगोलिक और पर्यावरणीय क्षमता की अनदेखी कर फैलने लगते हैं, जलाशयों पर निर्माण होने लगता है, हरित क्षेत्र कंक्रीट में बदल जाते हैं और आबादी के अनुपात में नागरिक सुविधाएं विकसित नहीं होतीं, तब विकास स्वयं संकट का कारण बनने लगता है। भारत के कई बड़े शहर इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। देश के प्रमुख कॉरपोरेट केंद्रों में गिना जाने वाला गुरुग्राम अत्याधुनिक कार्यालयों, गगनचुंबी इमारतों और एक्सप्रेस-वे के कारण आधुनिक शहरी विकास का चेहरा दिखाई देता है, लेकिन भारी वर्षा के दौरान सड़कों और अंडरपासों में जलभराव उसकी दूसरी तस्वीर प्रस्तुत करता है। यह विरोधाभास बताता है कि चमकदार निर्माण और वास्तविक शहरी मजबूती दो अलग-अलग बातें हैं। यदि प्राकृतिक जल निकासी और वर्षाजल प्रबंधन विकास की गति के साथ नहीं चलते, तो महंगा बुनियादी ढांचा भी बारिश के सामने असहाय दिखाई दे सकता है।

यही स्थिति अलग-अलग रूपों में दूसरे महानगरों में भी सामने आती रही है। मुंबई ने बार-बार भीषण वर्षा और शहरी बाढ़ का सामना किया है। समुद्र तटीय स्थिति, अत्यधिक वर्षा और घनी आबादी के साथ प्राकृतिक जल निकासी तंत्र पर दबाव इस महानगर की संवेदनशीलता बढ़ाता है। इन उदाहरणों का अर्थ यह नहीं कि प्रत्येक शहरी बाढ़ केवल अतिक्रमण या खराब नियोजन का परिणाम है। जलवायु परिवर्तन के कारण कम अवधि में अत्यधिक वर्षा जैसी घटनाओं की चुनौती भी बढ़ रही है। यही नई जलवायु वास्तविकता शहरों से अधिक मजबूत नियोजन की मांग करती है। यदि बारिश का स्वरूप बदल रहा है तो दशकों पुराने वर्षाजल निकासी मानकों के भरोसे भविष्य के शहर नहीं चलाए जा सकते। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली इस चुनौती का एक दूसरा पक्ष दिखाती है। एक ओर मानसून में जलभराव और यमुना के बढ़ते जलस्तर से बाढ़ का खतरा सामने आता है, तो दूसरी ओर गर्मियों में अत्यधिक तापमान और हीट वेव गंभीर संकट बन जाती है। अर्थात एक ही शहर को बाढ़ और भीषण गर्मी दो विपरीत प्रकार की जलवायु आपदाओं के लिए तैयार रहना पड़ सकता है। इसलिए अब शहरी आपदा प्रबंधन किसी एक संभावित संकट के आधार पर नहीं, बल्कि बहु-आपदा दृष्टिकोण से तैयार किया जाना चाहिए। बढ़ता शहरी तापमान स्वयं एक गंभीर चुनौती है। हरित क्षेत्रों में गिरावट, एयर कंडीशनरों का बढ़ता इस्तेमाल और वाहनों तथा उद्योगों से निकलने वाली ऊष्मा स्थिति को और गंभीर बनाती है। पहाड़ी शहरों की चुनौती इससे अलग, लेकिन उतनी ही गंभीर है। जोशीमठ में भू-धंसाव ने पहाड़ी क्षेत्रों में निर्माण, भूगर्भीय संवेदनशीलता और विकास की वहन क्षमता को लेकर व्यापक बहस को जन्म दिया। हिमालयी शहरों में मैदानों के शहरी विकास मॉडल को ज्यों का त्यों लागू नहीं किया जा सकता। पहाड़ों की अपनी भूगर्भीय और पारिस्थितिक सीमाएं हैं। अनियंत्रित निर्माण, बढ़ता यातायात और प्राकृतिक ढलानों पर दबाव आपदा के जोखिम को बढ़ा सकते हैं। इन समस्याओं का समाधान विकास रोकना नहीं, बल्कि विकास को अधिक समझदार बनाना है। सबसे पहले शहरी मास्टर प्लान में जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम को केंद्रीय स्थान देना होगा। भविष्य में आवश्यकता ऐसे शहर बनाने की है जो केवल बड़े और आधुनिक न दिखें, बल्कि सुरक्षित, समावेशी, पर्यावरण-संवेदी और आपदा-रोधी भी हों। विकास की असली कसौटी गगनचुंबी इमारतों की ऊंचाई नहीं, बल्कि यह होगी कि शहर असाधारण बारिश, बाढ़, भीषण गर्मी और अन्य आपदाओं के बीच अपने नागरिकों को कितना सुरक्षित रख पाता है। शहर यदि प्रकृति के विरुद्ध नहीं, प्रकृति के साथ विकसित होंगे, तभी शहरीकरण वास्तव में सतत विकास का माध्यम बन सकेगा।



**विकास की असली कसौटी गगनचुंबी इमारतों की ऊंचाई नहीं, बल्कि यह होगी कि शहर असाधारण बारिश, बाढ़, भीषण गर्मी और अन्य आपदाओं के बीच अपने नागरिकों को कितना सुरक्षित रख पाता है। शहर यदि प्रकृति के साथ विकसित होंगे, तभी शहरीकरण वास्तव में सतत विकास का माध्यम बन सकेगा।**

हरिभूमि
# रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रायपुर, रविवार 30 अगस्त 2026


विशेषः जन्माष्टमी, 4 सितंबर

## हमारे आराध्य-पथप्रदर्शक
# पूर्णावतार श्रीकृष्ण



जन्माष्टमी केवल श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव नहीं, एक स्मरण है कि कान्हा की हर लीला, हर प्रसंग हमें आचरण के वो पाठ सिखाते हैं, जो आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके युग में थे। यही वजह है कि युगों बाद भी पूर्णावतार श्रीकृष्ण हमारे लिए आराध्य भगवान ही नहीं, शिक्षक की तरह जीवन के पथप्रदर्शक भी बने हुए हैं।

आवरण कथा
यामिनी रामपल्लीवार

भगवान श्रीकृष्ण को हम पूजते हैं, यह सत्य है। मंदिरों में उनकी प्रतिमा सजती है, जन्माष्टमी पर घर-घर दीप जलते हैं और भजनों में उनका नाम गूंजता है। पर यदि कृष्ण केवल पूजा तक सीमित रह जाएं, तो शायद हमने उन्हें आधा ही जाना। उनका अवतारी जीवन कोई कथा-मात्र नहीं, बल्कि ऐसा दर्पण है, जिसमें झांककर हम अपने आचरण को तराश सकते हैं। वे केवल आराध्य नहीं, आचार्य सदृश पथप्रदर्शक भी हैं। आज की दुनिया में हमारे सामने कुरुक्षेत्र जैसा कोई युद्ध नहीं है, फिर भी हमारे भीतर न जाने कितने युद्ध चल रहे हैं! रिश्तों में अविश्वास है, सफलता की होड़ है, अकेलापन है, विफल होने का डर है और हर समय दूसरों से अपनी तुलना करते रहने की बेचैनी है। ऐसे समय में श्रीकृष्ण को केवल मंदिर में पूजने की नहीं, उनके गुणों को आत्मसात करने की भी जरूरत है।





**सच्ची मित्रता की मिसालः** सुदामा और श्रीकृष्ण की मित्रता आज भी मित्रता का सबसे सुंदर उदाहरण है। एक ओर द्वारिकाधीश, दूसरी ओर अभाव में जीवन बिताता उनका बालसखा। जब सुदामा संकोच में लिपटे, साधारण वस्त्र पहने और मुट्ठी भर चिवड़ा लेकर द्वारका पहुंचे, तो श्रीकृष्ण ने अपने मित्र को राजसी औपचारिकताओं के पीछे नहीं छिपने दिया। वे आगे बढ़े, उन्हें गले लगाया और उनके लाए छोटे-से उपहार को उसी प्रेम से स्वीकार किया, जैसे वह कोई अनमोल भेंट हो। न वहां धन का भेद था, न पद का अहंकार। सच्ची मित्रता समय और परिस्थिति की मोहताज नहीं होती। वह यह नहीं पूछती कि आज तुम कितने सफल हो, बल्कि यह याद रखती है कि तुम कभी मेरे अपने थे। आज जब दोस्ती भी कई बार सुविधा, हैसियत और सामाजिक दायरे से तय होती है, श्रीकृष्ण का जीवन एक सवाल करता है कि क्या हमारे पास ऐसा मित्र है, जिसके सामने हमें अपनी सफलता साबित करने की जरूरत नहीं पड़ती? और क्या हम किसी के लिए ऐसे मित्र हैं?

**मित्रता का दूसरा रूप भीः** अर्जुन के साथ श्रीकृष्ण की मित्रता इसका दूसरा रूप दिखाती है। यहां वह मित्र भी हैं, सारथी भी और मार्गदर्शक भी। कुरुक्षेत्र में अर्जुन मोह और दुविधा से घिर गए। श्रीकृष्ण ने उनकी जगह निर्णय नहीं लिया। उन्होंने उनके भीतर के भ्रम को समझा, प्रश्नों का उत्तर दिया और अंततः निर्णय लेने की शक्ति अर्जुन के भीतर ही जगाई। आज के जीवन में भी सच्चा मित्र वही है, जो केवल हमारी हां में हां न मिलाए। जब हम भ्रमित हों, तब सही बात कहने का साहस रखे और फिर निर्णय लेने की स्वतंत्रता भी हमें दे।

**स्त्री सम्मान के रक्षकः** द्रौपदी के अपमान का प्रसंग महाभारत का सबसे पीड़ादायक प्रसंग है। भरी सभा में जब उसकी गरिमा पर आघात हुआ और वह असहाय होकर सहायता की पुकार करती रही, तब श्रीकृष्ण उसके भरोसे का केंद्र बने। पर इस प्रसंग की सबसे बड़ी सीख केवल चमत्कार में नहीं, उस प्रश्न में है जो हमसे पूछता है कि जब किसी स्त्री के सम्मान पर आंच आए, तब हम कहां खड़े होते हैं? श्रीकृष्ण का जीवन बताता है कि सामर्थ्य का अर्थ केवल स्वयं को सुरक्षित रखना नहीं, बल्कि जरूरत के समय किसी दूसरे की गरिमा की रक्षा के लिए खड़ा होना भी है। आज स्त्री-सम्मान की बातें बहुत होती हैं। लेकिन सम्मान केवल अच्छे-बड़े शब्दों से नहीं आता। वह हमारे व्यवहार, हमारी दृष्टि और उस समय लिए गए निर्णयों में दिखाई देता है, जब किसी के साथ अन्याय हो रहा हो। श्रीकृष्ण का यह रूप हमें संवेदनशील होने के साथ साहसी होना भी सिखाता है।



**समर्थ होकर भी विनम्रः** श्रीकृष्ण के पास अपार सामर्थ्य था, फिर भी उन्होंने महाभारत के युद्ध में शस्त्र न उठाने का निर्णय लिया और अर्जुन के सारथी बने। एक योद्धा का सारथी बनना किसी शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि अपनी भूमिका को अहंकार से ऊपर रखने का उदाहरण था। आज की दुनिया में सफलता के साथ अहंकार बहुत आसानी से चला आता है। पद बदलता है तो व्यवहार बदल जाता है, कमाई बढ़ती है तो पुराने रिश्ते छोटे लगने लगते हैं। श्रीकृष्ण इसके ठीक उलट खड़े दिखाई देते हैं। वे सिखाते हैं कि ऊंचाई का असली अर्थ ऊपर उठना नहीं, ऊपर उठकर भी सहज बने रहना है।

**हर परिस्थिति में संतुलनः** श्रीकृष्ण का जीवन संघर्षों से भरा था। जन्म कारागार में हुआ, बाल्यकाल में अनेक संकट आए, मथुरा छोड़कर द्वारका बसानी पड़ी और अंततः अपने ही वंश के विनाश का साक्षी बनना पड़ा। फिर भी उनके व्यक्तित्व में एक अद्भुत संतुलन दिखाई देता है। उनकी मुस्कान समस्याओं से अनजान व्यक्ति की मुस्कान नहीं थी। वह उस व्यक्ति की मुस्कान थी, जो जानता था कि परिस्थितियां हमेशा उसके मन के अनुसार नहीं चलेंगी, फिर भी वह अपना कर्तव्य निभाता रहेगा। गीता में श्रीकृष्ण-अर्जुन को सुख-दुःख, लाभ-हानि और जय-पराजय में संतुलित रहने की बात कहते हैं। यह केवल उपदेश नहीं था। उन्होंने स्वयं अपने जीवन में परिस्थितियों के बीच संतुलन साधा। आज जब एक विफलता से हमें अपना पूरा जीवन निरर्थक लगने लगता है, तब श्रीकृष्ण का यह पाठ बेहद प्रासंगिक हो जाता है कि जीवन में जब सब कुछ अपने अनुसार न हो, तब भी अपना संतुलन बनाए रखना चाहिए।

श्रीकृष्ण का लौकिक जीवन इसलिए कालजयी है, क्योंकि वह हमें केवल यह नहीं बताता कि ईश्वर कैसा हो सकता है, बल्कि यह भी सिखाता है कि मनुष्य भीतर से कितना बेहतर मनुष्य बनने की क्षमता रखता है। *

विशेषः शिक्षक दिवस, 5 सितंबर



भले ही आज दुनिया भर के हर विषय की जानकारी गूगल और एआई के जरिए एक क्लिक पर उपलब्ध है। लेकिन बेहतर मनुष्य बनने के लिए जरूरी सैद्धांतिक, नैतिक और व्यावहारिक ज्ञान शिक्षक ही हमें दे सकता है। तकनीकी क्रांति के दौर में भी शिक्षक की भूमिका कम नहीं हुई है।

# गुरुकुल से गूगल-एआई तक बरकरार है शिक्षक की महत्ता

बदलाव / लोकमित्र गौतम

एक समय था, जब ज्ञान प्राप्त करने का अर्थ किसी गुरु के सान्निध्य में बैठकर जीवन को समझना होता था। शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होती थी बल्कि वह संस्कार, अनुशासन, विवेक और चरित्र निर्माण का माध्यम भी थी। भारतीय परंपरा में गुरु को ईश्वर से भी ऊंचा स्थान दिया गया है, क्योंकि वह अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाने वाला मार्गदर्शक होता है। लेकिन ये सब पुरानी बातें हैं। आज 21वीं सदी में दुनिया बदल चुकी है। ज्ञान हमारी हथेली पर मौजूद है। मोबाइल फोन में समा गया है। गूगल के माध्यम से हम मिनटों में ही सैकड़ों सवालों के उत्तर दे सकते हैं और अब तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बदौलत दुनिया के जटिल से जटिल सवाल का भी सेकेंडों में उत्तर प्रस्तुत कर सकते हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या तकनीक के इस युग में गुरु यानी शिक्षक की भूमिका बदल गई है या फिर उसका महत्व पहले से अधिक बढ़ गया है?



**ज्ञान कम-जानकारियां बेशुमारः** वास्तव में आज तकनीक ने ज्ञान तक हमारी पहुंच बेहद आसान कर दी है। पहले किसी विषय को समझने के लिए पुस्तकालयों की धूलभरी अलमारियां खंगालनी पड़ती थीं। जबकि आज दुनिया के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के दुर्लभ व्याख्यान, शोधपत्र और पाठ्यक्रम महज कुछ क्लिक की दूरी पर उपलब्ध हैं। आज हम किसी भी विषय पर वीडियो देख सकते हैं, चाहे छात्र हों या न हों। वास्तव में इस परिवर्तन ने शिक्षा को बेहद लोकतांत्रिक बनाया है। अब गुणवत्तापूर्ण जानकारी केवल बड़े शहरों या प्रतिष्ठित संस्थानों तक सीमित नहीं है। लेकिन एक महत्वपूर्ण अंतर भी पैदा हुआ है। आज जानकारी और ज्ञान एक-दूसरे के पर्याय नहीं रहे। जानकारियां सिर्फ तथ्यों का संग्रह है, जबकि ज्ञान उन तथ्यों को सही संदर्भ में समझने और उनका विवेकपूर्ण उपयोग करने का माध्यम है। गूगल यह बताता है कि कोई निर्णय कैसे लिया जा सकता है? एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमारे सामने किसी विषय का सार प्रस्तुत कर सकती है। लेकिन वह हमें जीवन के अनुभव, संवेदना और मानवीय मूल्यों का स्थान नहीं ले सकती।

**भारतीय गुरु-शिष्य परंपराः** भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि शिक्षक केवल पाठ नहीं पढ़ाता बल्कि व्यक्तित्व का निर्माण भी करता है। महर्षि वेदव्यास, आचार्य चाणक्य, गुरु वशिष्ठ, गुरु द्रोणाचार्य से लेकर आधुनिक काल में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जैसे अनेक शिक्षकों ने सिर्फ ज्ञान भर नहीं दिया बल्कि अपने शिष्यों में दृष्टि, आत्मविश्वास और उत्तरदायित्व का भाव भी विकसित किया है, जो किसी भी मशीन या सर्च इंजन के बस में नहीं है।

**बदल गई शिक्षक की भूमिकाः** आज के समय में शिक्षक की भूमिका काफी हद तक बदल गई है, लेकिन समाप्त नहीं हुई। पहले शिक्षक ज्ञान का मुख्य स्रोत होता था, अब वह सिर्फ ज्ञान का मार्गदर्शक बनता जा रहा है। पहले छात्र उत्तर जानने के लिए शिक्षक पर निर्भर थे, आज यह काम तो इंटरनेट भी कर देता है। लेकिन सही उत्तर की पहचान करना, उसकी विश्वसनीयता को परखना, विभिन्न विचारों की तुलना करना और उनका विवेकपूर्ण उपयोग करना, अभी भी यह सब भूमिकाएं शिक्षक के पास ही हैं। आज शिक्षक की जिम्मेदारी केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं है बल्कि विद्यार्थियों से प्रश्न पूछने, तर्क करने और स्वतंत्र सोच विकसित करने की क्षमता भी पैदा करना है।

**और महत्वपूर्ण हो गई भूमिकाः** वास्तव में एआई या कोई भी तकनीक चाहे जितनी उन्नत हो, लेकिन है तो एक तकनीक ही। यह शिक्षक को स्थानापन्न नहीं कर पाएगी। एआई के बावजूद शिक्षक का काम रचनात्मक उपयोग, पहले से कहीं ज्यादा जरूरी बना रहेगा। एआई के बावजूद शिक्षक का काम शिक्षा को अधिक रोचक बनाना बना रहेगा और एआई के बावजूद शिक्षक व्यक्तिगत और प्रभावी बना रहेगा, यानी एआई हर किसी को एक जैसी सहूलियत नहीं दे सकता। जो एआई के उपयोग में माहिर नहीं है, उन्हें अभी-भी ज्ञान, जानकारियां और विश्लेषण के लिए शिक्षक की तरफ ही देखना होगा। शिक्षक दिवस के अवसर पर हमें यह भी समझना चाहिए कि गुरु का काम केवल सूचना देना भर नहीं होता। वह जीवन को दिशा देता है। *



दोहे
राजेंद्र श्रीवास्तव

## बरस रहे घनघोर

कल जाने क्या कह गए, इन मेघों से मोर।
आज भोर से ही यहां, बरस रहे घनघोर।।
बरसे मेघा अनवरत, भरे तलैया-ताल।
उड़े पवन के साथ फिर, बेचारे कंगाल।।
इस रिमझिम बरसात में, भीगी-भीगी भोर।
शहरों में सड़कें धुलीं, वन में नाचे मोर।।
सांझ ढले सिर पर पड़ी, शीतल सुखद फुहार।
झन-झन-झन झंकृत हुए, मन-वीणा के तार।।
पावस रितु में छा गए, नभ पर घन भरपूर।
अभिनंदन चातक करें, स्वागत-नृत्य मयूर।।
सुनी पपीहा की कहीं, पिव-पिव करुण पुकार।
आस बंधाने आ गई, यह पावसी फुहार।।
माटी की मनुहार पर, मेघ गया मन हार।
रुककर बरसाने लगा, प्यार और जल-धार।।

लघुकथाएं

## जीवन सारथी

अपनी सहेली दिव्या से पायल ने दुविधा प्रकट करते हुए कहा, 'मुझे समझ में नहीं आ रहा है कि मैं यह शादी करूं या नहीं?' 'क्यों क्या हुआ, अच्छे-खासे घर का बढ़िया कमाने वाला हैंडसम बंदा है।' दिव्या ने समझाया। 'असल में जब से सगाई हुई है, तब से हम दोनों की नियमित बात होने लगी है।' 'हां तो यह तो और अच्छी बात है। मैरिज के पहले ही एक-दूसरे को समझने का मौका मिल रहा है।' दिव्या ने उसकी आशंका को कम करना चाहा। 'यहीं से तो मुश्किल शुरू हुई है।

बात-बात पर वह गुस्सा करने लगते हैं। मैं उनसे कहती कुछ हूं और वह उस बात का कुछ और (मनमाना) अर्थ निकालकर मुझ पर ऐसे दोष मढ़ते हैं कि मैं अपराधबोध से ग्रसित हो जाऊं। बात-बात पर मुझसे झूठ भी बोलते हैं। समझ नहीं आ रहा है कि इस रिश्ते के लिए न करूं तो कैसे? डर है इससे सब घर वाले नाराज हो जाएंगे।' पायल ने चिंतित होते हुए सारी बात बताई। 'पागल हो गई हो तुम। जब तुम्हारा भावी साथी अपने व्यवहार से रेड सिग्नल दे रहा है, तब क्यों सबकी खुशी के लिए खुद को झोंक देने को तुली हुई हो? अगर तुमने अभी दृढ़ता से मनचाहा निर्णय नहीं लिया तो वह शख्स, तुम्हारा जीवनसाथी नहीं जीवन सारथी बन जाएगा। अब डिसाइड तुमको करना है कि तुम्हें जीवनसाथी चाहिए या जीवन सारथी।' दिव्या ने स्पष्ट तौर पर उसे समझाया। उसकी इस समझाइश से पायल की आंखों में दृढ़ निर्णय लेने की चमक साफ नजर आने लगी। *



-आरती आस्था

## ओ हीरो!

राहुल की मोटरसाइकिल का टायर अचानक रास्ते में पंक्चर हो गया। वह पास की एक छोटी-सी ऑटो रिपेयरिंग शॉप पर पहुंचा। वहां लगभग चालीस वर्ष का एक कारीगर बड़ी तन्मयता से अपना काम कर रहा था। चलते समय उसके एक पैर में हल्की-सी लचक साफ दिखाई दे रही थी। राहुल की आदत थी कि वह हर किसी को हंसते हुए 'क्या हाल हैं, हीरो!' या 'कैसे हो, हैंडसम!' कहकर संबोधित करता था। जैसे ही उसने मुस्कराकर कहा, 'क्यों हीरो, मेरी बाइक का टायर ठीक कर दोगे?' इतना सुनना था कि कारीगर का चेहरा उतर गया। उसने धीमे स्वर में कहा, 'साहब, मजाक मत कीजिए ऊपर वाले ने तो मुझे हीरो बनने लायक छोड़ा ही कहां है?' राहुल उसकी पीड़ा समझ गया। उसने तुरंत गंभीर होकर कहा, 'भैया, मैं मजाक नहीं कर रहा। मेरे लिए हीरो वह होता है जो अपने हुनर और मेहनत से लोगों की मुश्किल आसान बनाता है। आपका काम देख रहा हूं। इतनी सफाई और लगन से कम ही लोग करते हैं।' कारीगर ने उसकी ओर गौर से देखा। चेहरे पर जमी संकोच की परत धीरे-धीरे पिघलने लगी। उसने पूरी तन्मयता से टायर का पंक्चर ठीक कर दिया। राहुल इस बीच उसकी सधी हुई अंगुलियों और उसके काम की बार-बार तारीफ करता रहा। बाइक में टायर फिट होने पर पेमेंट करते हुए राहुल ने उसके कंधे पर हाथ फेरते हुए कहा, 'मानना पड़ेगा कि कमाल का काम है तुम्हारा।' कारीगर की आंखों में अब चमक थी। पैसे लेते हुए वह मुस्कराया और बोला, 'भैया, अगली बार बाइक में कोई समस्या हो तो अपने इस हैंडसम हीरो के पास ही आना।' राहुल ने देखा, उस क्षण कारीगर की आखों में शिकायत नहीं, उसका आत्मविश्वास चमचमा रहा था। *



-पावनी

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

## निष्करुण समय में

हम जिस समय-समाज में जी रहे हैं, वह एक बड़े वर्ग के लिए बहुत निर्मम और निष्करुण है। संतोष की बात है कि हाशिए पर निरंतर धकेले जा रहे ऐसे वर्ग की दबी-दबी ही सही कुछ आवाजें, कविताओं में यदा-कदा सुनाई पड़ जाती हैं। युवा कवि शंकरानंद के नए कविता संग्रह 'नाखून में फंसी मिट्टी' की कविताओं को भी इस नजरिए से देखा जा सकता है। इन कविताओं में जीवन की त्रासदियों को वे बहुत सशक्तता से व्यक्त करते हैं। मिसाल के तौर पर गांव से शहर में विस्थापन की बाध्यता के दर्द को *'मेरे साथ गांव/सिर्फ परिचय में कागज पर है/ बस उतनी ही हैं मेरे पास जड़ें/जितनी पैरों के नाखून में फंसी मिट्टी।'* (नाखून में फंसी मिट्टी) जैसी पंक्तियों में महसूस किया जा सकता है। किसानों की मनोव्यथा को इस पंक्ति में देखा जा सकता है, *'वह किसी मुलायम मिट्टी जितना भुरभुरा है/इस तरह कि छूने से टूट जाए'* (इन दिनों किसान)। इसी तरह 'स्त्री का दुख' कविता की ये पंक्तियां हमें स्त्री जीवन की उस मर्मांतक पीड़ा की अनुभूति कराती हैं, जिसे प्रायः पुरुषों के द्वारा उपेक्षित ही किया जाता रहा है, *'कुछ दुख होते ही हैं ऐसे/जिसे कहा नहीं जाता/जुबान लाचार हो जाती है।'*

संग्रह की अधिकांश कविताएं हमारे समय की कुरूप छवियों को पूरी संवेदना के साथ सामने रखती हैं। *



**किताबः** नाखून में फंसी मिट्टी (कविता संग्रह), **रचनाकारः** शंकरानंद,
**मूल्यः** 325 रुपए, **प्रकाशकः** सेतु प्रकाशन, नोएडा

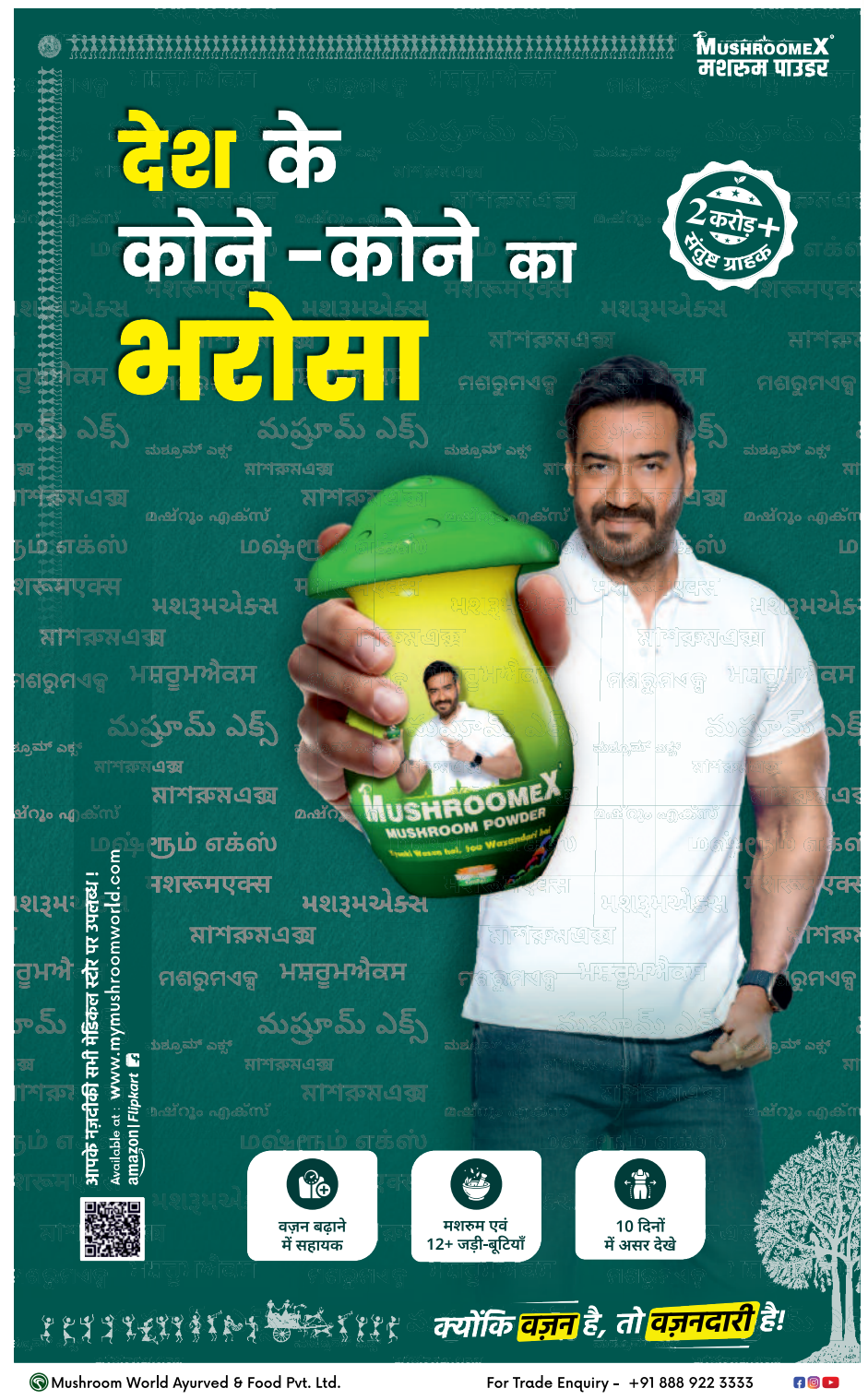

## तरकश

संजय के. दीक्षित

### सीएम का रातोरात दिल्ली विजिट

छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय गुरूवार की रात शार्ट विजिट पर दिल्ली गए। वे रात करीब नौ बजे दिल्ली पहुंचे और एयरपोर्ट से सीधे बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के घर रवाना हो गए। रात 10 बजे उनकी राष्ट्रीय अध्यक्ष से मीटिंग तय हुई थी। उसके बाद सीएम चंद घंटे छत्तीसगढ़ सदन में रेस्ट किए, फिर रायपुर वापसी के लिए सुबह पौने चार बजे एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए। सीएम के कुछ घंटे की इस दिल्ली विजिट के बाद सूबे में सियासी अटकलों का पारा गरम हो गया है। कुछ लोग इसे नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति से जोड़ रहे हैं। बता दें, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव अस्वस्थ्य चल रहे हैं। सो उनकी जगह नया अध्यक्ष या कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करने की अटकलें तेज हैं। तो दूसरी तरफ सीएम के दिल्ली विजिट को मंत्रिमंडल की सर्जरी से जोड़कर भी देखा जा रहा। जाहिर है, बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के बाद छत्तीसगढ़ के मंत्रिपरिषद में फेरबदल की संभावनाएं जताई जा रही थी। अब चूकि नितिन नवीन की टीम का ऐलान हो गया है, सो राजनीतिक पंडितों का मानना है, पार्टी छत्तीसगढ़ के मंत्रिमंडल में कुछ नए चेहरों को शामिल कर सकती है। खैर, ये चर्चाएं हैं। बंद कमरे में नितिन नवीन और सीएम के बीच क्या बातें हुईं, ये उन दोनों को ही पता होगा।

### कलेक्टर-एसपी, अलग राहें

कलेक्टर कांफ्रेंस में हर बार कलेक्टर, एसपी में समन्वय की बातें दुहराई जाती है...एक-डेढ़ साल पहले एक सिकेट्री टू सीएम ने कलेक्टर-एसपी को व्हाट्सएप कर ताकीद भी की थी...समन्वय बनाकर रहे, दोनों साथ में जिले का दौरा करें। मगर आलम यह है कि कई जिलों में कलेक्टर-एसपी अलग-अलग अपनी डफली बजा रहे। सरगुजा और बस्तर के कुछ जिलों में ऐसा भी सुनने में आ रहा, कलेक्टर के साथ दौरे में जाने की बात दूर, एसपी उनसे मिलने से भी कतराते हैं। तो कुछ कलेक्टर ऐसे हैं, जो कप्तान को वेटेज नहीं देते। जीएडी और गृह विभाग को इसे देखना चाहिए, वरना ऐसे में प्रशासनिक व्यवस्था कैसे चलेगी।

### बीजेपी और लीकेज

संगठन को लेकर कभी बेहद कमिटेड रहने वाले बीजेपी के भीतर की बातें आजकल बाहर लीक होने लगी है। बल्कि, अपना औरा कायम करने कुछ बातों को जानबूझकर लीक कराई जा रही। ठीक कांग्रेस की तरह। हाल के दिनों में कई ऐसी घटनाएं हुईं, जिसकी सूचना विरोधी पार्टी तक पहुंच गई और उसने मीम्स बनाकर मौज ले लिया। बहरहाल, सूचनाएं लीक होने से बीजेपी के नेता नाखुश हैं। पिछले हफ्ते मीटिंग में एक पदाधिकारी ने यहां तक कह दिया कि पार्टी हमारी मां है, और उसके साथ गद्दारी नहीं होनी चाहिए।

### ईमानदारी की सजा

ईरीगेशन में गजबे खेला चल रहा है। 2500 करोड़ की सिकासेर सिंचाई परियोजना में एसई ने यह आब्जेक्शन लगाया कि बिना मंत्रिपरिषद के अनुमोदन के 1.3 डी शर्त क्यों जोड़ दी गई। इसके तहत सिर्फ 5000 करोड़ के टर्नओवर वाली कंपनी ही इस टेंडर में क्वालिफाई कर सकती थी। पता चला है, टेंडर में 1.3 ए की अनुमति कैबिनेट से ली गई,



जिसमें टेंडर की सामान्य शर्तें होती हैं। मगर बाद में उसमें 1.3 डी जोड़ दिया गया, ताकि पसंदीदा पार्टी को टेंडर दिया जा सके। मंत्रालय के इरीगेशन डिपार्टमेंट में बैठे एक्सपर्ट एसई ने खेल समझ आपत्ति लगा दी। मगर ईएनसी ऑफिस ने अगले दिन ही उन्हें मंत्रालय से बुलाकर एक्सपर्ट का काम वापिस ले लिया। अब इसमें दो प्वाइंट बेहद महत्वपूर्ण है। एक तो सुनने में आ रहा कि इरीगेशन के अफसरों ने उपर के लोगों को डार्क में रखकर कुछ दस्तखत करा लिए। और दूसरा ईएनसी ऑफिस में बैठे कुछ अधिकारियों के तार कहीं और जुड़े हुए हैं...जहां से सारे अपडेट बाहर पहुंचाए जा रहे हैं। इसे विपक्ष के चुनावी तैयारी से जोड़कर देखा जा रहा है। अब पता नहीं, इंटेलिजेंस या सिस्टम के रणनीतिकारों को इसकी भनक है या नहीं। मगर ये तय है कि वहां कुछ बड़ा पक रहा है, जो आगे जाकर सिस्टम के लिए मुसीबत बनेगा। क्योंकि, मामला 2500 करोड़ का जो है।

### ...और भी डेपुटेशन

छत्तीसगढ़ के लिए यह अच्छी बात है कि इस समय भारतीय वन सेवा में 80 परसेंट से अधिक अफसर आईआईटी, एनआईटी और बीआईटी वाले हैं। मगर उनके साथ हार्ड लक यह है कि इन दिनों जिस तरह अच्छे आईएएस अधिकारियों को कलेक्टर बनाने में प्रायरिटी दिया जा रहा, उस तरह फॉरेस्ट में नहीं हो रहा। इससे आप समझ सकते हैं...सूबे में इस समय सबसे कम जंगल वाला कोई डिविजन है तो वो है रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, जांजगीर और मुंगेली। इन सभी में आरआर याने डायरेक्ट आईएफएस अफसरों को डीएफओ बनाया जा रहा और मनेंद्रगढ़, कटघोरा, अंबिकापुर, धर्मजयगढ़, धमतरी, महासमुंद, बलौदा बाजार जैसे बड़े बजट वाले डिविजनों में प्रमोटी आईएफएस अफसरों को पोस्ट किया जा रहा। ऐसे में, आने वाले समय में कुछ और आईआईटीयन आईएफएस डेपुटेशन पर चले जाएं तो हैरानी नहीं होगी।

### पद दरोगा का, काम सिपाही का




पुलिस में बरसों बाद सिर्फ पुलिस मुख्यालय से संबद्धित इतनी बड़ी लिस्ट निकली...एक झटके में 31 आईपीएस अधिकारियों के विभाग बदल गए। आधा दर्जन से अधिक अधिकारी ढाई साल से हांसिये पर थे, या बिना विभाग के...सबको कुछ-न-कुछ दिया गया। अलबत्ता, लिस्ट देखकर लगता है, देने वाले ने मुठ्ठी खोलकर फिर बांध ली। कई अफसरों को उनके वेतन और योग्यता के अनुसार जिम्मेदारी नहीं दी गई। एक तो 50 लाख से अधिक वेतन देकर उन्हें ठलहा बिठाकर रखा गया और अब ढाई साल बाद दायित्व देने का फैसला किया तो ऐसा हुआ...जैसे दरोगा से सिपाही का काम लेना।

### पोस्टिंग का रिकार्ड

आखिरकार डीजी पवनदेव का विभाग बदला। उन्हें डीजी होमगार्ड और फायर ब्रिगेड बनाया गया है। पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन में वे छह साल 10 महीने चेयरमैन कम मैनेजिंग डायरेक्टर रहे। पुलिस हाउसिंग का ये रिकार्ड तो है ही, आईएएस, आईपीएस, आईएफएस में कोई भी इतने लंबे समय तक एक पद पर नहीं रहा। डीजीपी अमरनाथ उपाध्याय और चीफ सिकेट्री अमिताभ जैन को अपवाद रूवरूप छोड़ दें तो बहुत हुआ तो तीन, साढ़े तीन साल में पोस्टिंग बदल जाती है। अमरनाथ और अमिताभ भी चार और पांच साल रहे। बट पवनदेव ने ऐसा रिकार्ड बना दिया, जिसे भविष्य में टूटने की संभावना बहुत कम नजर आती है।

### चेयरमैन कौन?

रिकार्ड पारी खेलकर पवनदेव पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन से विदा हो गए। उनकी जगह शिवराम प्रसाद कल्लूरी को बिठाया गया है। मगर गृह विभाग ने आदेश निकालने में कल्लूरी के साथ डंडी मार दी। उन्हें सिर्फ एमडी याने प्रबंध निदेशक बनाया गया है। जबकि, यह कंपनी लॉ एक्ट में बना कारपोरेशन है, इसमें चेयरमैन की पोस्टिंग जरूरी है। कल्लूरी को सिर्फ एमडी बनाने के पीछे क्या मंशा है, ये अभी पता नहीं चला है। मगर इससे पहले एकाध बार ऐसा हुआ है कि इस कारपोरेशन में एमडी की पोस्टिंग हुई और डीजीपी को चेयरमैन का अतिरिक्त प्रभार दिया गया। अब देखना है, गृह विभाग इस बार क्या करना चाहता है।

### बैकफुट पर मिनिस्टर!

छत्तीसगढ़ के शिक्षक संगठन टेट याने टीचर एजिबिलिट टेस्ट से इतने घबरा गए कि जेन जी की तरह स्कूल बंद करने की सीधी चेतावनी दे डाली। अलबत्ता, इस टेस्ट में आखिर 150 में 90 अंक ही तो लाना था। मात्र 60 परसेंट। फिर सुप्रीम कोर्ट का आदेश है, 2019 से पहले जिनने टेट क्लियर नहीं किया, उन्हें पात्रता हासिल करनी होगी, वरना प्रमोशन नहीं होगा। चूकि जेन जी का दौर है...देश के अलग-अलग राज्यों से स्कूलों को लेकर आंदोलन-मार्च की खबरें आ रही। लगता है, इसको देखते स्कूल शिक्षा मंत्री ने शिक्षकों को दुखी करना उचित नहीं समझा। ताजा अपडेट है, उन्होंने शिक्षकों के लिए विभागीय टेट आयोजित करने का भरोसा दिया है। यद्यपि, मंत्रीजी भी सिस्टम में रिफार्म करना चाहते हैं, इसलिए व्यापम से परीक्षा कराने पर अड़े हुए थे। मगर जब देखे कि कोई सपोर्ट नहीं मिलने वाला... ठीकरा उनके माथे ही फूटेगा, इसलिए उन्होंने सरेंडर कर दिया। अब जैसे स्कूलों में होम एग्जाम होते हैं...शिक्षकों की इच्छा के अनुरूप उसी तरह अब टेट हो जाएगा। यानी सब पास। मास्टर साब लोग भी खुश और स्कूल शिक्षा विभाग भी खुश। जाहिर है, व्यापम अगर एग्जाम लेता तो मामला जरा कठिन हो जाता। बता दें, सुप्रीम कोर्ट ने टेट परीक्षा उन शिक्षकों के लिए अनिवार्य किया है, जो शिक्षाकर्मी के तौर पर बिना किसी परीक्षा प्रक्रिया के भर्ती हुए हैं। और बाद में उनका शिक्षक कैडर में संविलियन हो गया।

### अंत में दो सवाल आपसे?

1. वो कौन से अफसर हैं, जो ट्रांसफर के बाद कार्यमुक्त होने से पहले कई करोड़ के चेक काट दिए?
2. सीएसआईडीसी ने मंडी बोर्ड से कागजों में बिना जमीन हस्तांतरित हुए जेम एंड ज्वेलरी पार्क का टेंडर कैसे किया, और सिंगल पार्टी को प्रदान भी कर दिया?

# फिल्म 'गांधारी' पर नकल का आरोप

*अभिनेत्री तापसी पन्नू की आगामी फिल्म 'गांधारी' रिलीज होने से पहले विवादों में घिर गई है। हाल ही में, मुंबई के लेखक राघव देसाई ने दावा किया कि उन्होंने 2024 में फिल्म निर्माताओं को एक पटकथा सुनाई थी। उन्होंने कथित तौर पर आरोप लगाया कि फिल्म की निर्माता टीम ने उनके विचार का इस्तेमाल किया है।*

एजेंसी ⏭ मुंबई

उधर, राघव के आरोपों को नकारते हुए 'गांधारी' की लेखक-निर्माता कनिका ढिल्लों ने अपनी चुप्पी तोड़ी और स्पष्ट किया कि फिल्म एक मौलिक परियोजना है। कनिका के प्रोडक्शन हाउस 'कथा पिक्चर्स' ने अपने बयान में कहा, 'सोशल मीडिया और कुछ प्रकाशनों में प्रसारित हो रहे आरोपों की ओर हमारा ध्यान गया कि हमारी आगामी फिल्म 'गांधारी' किसी अन्य व्यक्ति की अवधारणा की नकल करती है और उस व्यक्ति के शीर्षक का उपयोग करती है। ये आरोप झूठे हैं और हम इन्हें स्पष्ट रूप से



नकारते हैं।' बयान में कहा गया कि 'गांधारी' एक मौलिक रचना है, जिसे कनिका ढिल्लों ने लिखा और निर्मित किया है। कथा पिक्चर्स ने बयान में आगे कहा, हम मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और जनता से अनुरोध करते हैं कि वे इन आरोपों को उनके वास्तविक स्वरूप में ही मानें, यानी अपुष्ट और झूठे, और इन्हें पुख्ता तथ्य मानकर प्रकाशित, प्रसारित या दोहराने से बचें। बता दें कि देवाशीष मखीजा द्वारा निर्देशित, फिल्म 'गांधारी' में तापसी मुख्य किरदार में हैं। बदले की भावना से प्रेरित एक मां की कहानी पर आधारित यह फिल्म सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो रही है।



# ऋतिक के बेटे का संगीत में डेब्यू

**मुंबई।** ऋतिक रोशन और उनकी पूर्व पत्नी सुजैन खान के बेटे, रेहान रोशन ने संगीत जगत में अपना पर्दापण किया है। उन्होंने अपने पहले सिंगल म्यूजिक वीडियो 'दिस हेवनली प्लेस' के साथ एक स्वतंत्र कलाकार के रूप में शुरुआत की, जिसकी झलक अभिनेता ने फैंस को दिखाई है। इस गाने में रेहान ने गायक-गीतकार और गिटारवादक की भूमिका निभाई है। इसका निर्माण सूडान ने किया है, जबकि अंकुर तिवारी ने आर्टिस्ट्स एंड रेपरटॉयर के रूप में काम किया है। अभिनेता ने गाने का वीडियो जारी करते हुए लिखा, 'रे, तुम जन्म से ही एक खास समझ लेकर आए होः मुझे इस पर पूरा भरोसा है। यही मुझे निडर बनाता है। रेहान को काले और सफेद बैकग्राउंड में एकॉस्टिक सेटअप पर गाते और गिटार बजाते देखा जा सकता है। बता दें, रोशन परिवार का संगीत से पुराना जुड़ाव रहा है।

### कार्तिक घुटने की सर्जरी के बाद एक्शन में लौटेंगे

**मुंबई।** कार्तिक आर्यन जल्द ही अपनी अगली बहुचर्चित फिल्म 'कैप्टन इंडिया' के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। फिल्म की शूटिंग 1 सितंबर से लंदन में शुरू होने जा रही है। घुटने की सर्जरी से पूरी तरह उबरने के बाद कार्तिक 'कैप्टन इंडिया' की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। इस फिल्म का निर्देशन 'चक दे! इंडिया' जैसी शानदार फिल्म बना चुके मशहूर निर्देशक शिमित अमीन कर रहे हैं। 'कैप्टन इंडिया' की कहानी एक युद्धग्रस्त देश में भारत द्वारा चलाए गए असल जिंदगी के साहसिक रेस्क्यू मिशन से प्रेरित है।फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम इस वक्त काफी तेजी से चल रहा है। योजना के मुताबिक, शूटिंग का यह शेड्यूल अक्टूबर के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा, वहीं, ये बहुप्रतीक्षित एक्शन-ड्रामा फिल्म 13 अगस्त, 2027 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

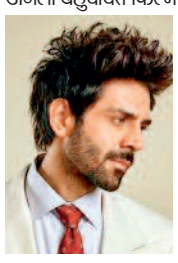

# सलमान खान ही नहीं, हॉलीवुड में छाए बॉलीवुड के ये सितारे

*मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने 'मैरीगोल्ड' समेत कई अंतरराष्ट्रीय फिल्मों में काम किया है। अब वह बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म '7 डॉग्स' में नजर आ रहे हैं, जो 21 अगस्त को रिलीज हो चुकी है। हालांकि, सलमान अकेले ऐसे बॉलीवुड अभिनेता नहीं हैं, जिन्होंने विदेशी फिल्मों में अभिनय किया है। हिंदी सिनेमा के कई सितारे अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रह चुके हैं। ऐसे में आइए जानते हैं, इस खास सूची में कौन-कौन शामिल हैं।*

### प्रियंका और इरफान



प्रियंका चोपड़ा का नाम इस सूची में पहले स्थान पर है। वो फिल्म 'बेवॉच' और 'क्वांटिको' जैसी सीरीज के जरिए वैश्विक स्तर पर पहचान बना चुकी हैं। वहीं शादी के बाद प्रियंका विदेश में रहती हैं और हॉलीवुड फिल्मों में ज्यादा काम करती हैं। इरफान खान ने 'स्लमडॉग मिलियनेयर', 'लाइफ ऑफ पाई' और 'जुरासिक वर्ल्ड' जैसी कई बड़ी हॉलीवुड फिल्मों में काम किया है। हॉलीवुड में उनकी पहचान एक बेहतरीन वैश्विक अभिनेता के रूप में थी।

### दीपिका और ऐश्वर्या राय

इस सूची में दीपिका पादुकोण का नाम भी शामिल है। वो साल 2017 में आइ फिल्म ट्रिपल एक्स- रिटर्न ऑफ जेंडर केज में विलेन का किरदार निभाया था। उनके अभिनय को लोगों ने खूब पसंद किया था। बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन ने कई हॉलीवुड फिल्मों में काम किया है। उनकी प्रमुख हॉलीवुड फिल्मों में 'ब्राइड एंड प्रेजुडिस' (2004), 'प्रोवोक्ड' (2006), 'द लास्ट लीजन' (2007) और 'द पिंक पैंथर 2' (2009) जैसी फिल्में शामिल हैं।

### नसीरुद्दीन शाह

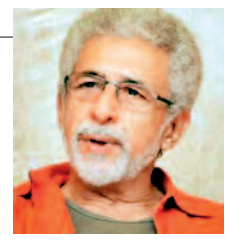

प्रसिद्ध भारतीय अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने बॉलीवुड के साथ-साथ हॉलीवुड में भी काम किया है। उनकी सबसे चर्चित फिल्मों की बात करें, तो वो फिल्म 'द मॉनसून वेडिंग', 'द लीग ऑफ एक्स्ट्राऑर्डेनरी जेंटलमैन', 'दा ग्रेट न्यू वंडरफुल' में नजर आ चुके हैं।

# नेपाल के इन कलाकारों ने बॉलीवुड में भी जमाया सिक्का

*मुंबई। नेपाल इन दिनों भीषण बाढ़ से जूझ रहा है। इस प्राकृतिक आपदा में सैकड़ों लोगों की मौत की खबर है, जबकि 1,000 से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं। बॉलीवुड में भी हर कोई नेपाल में जल्द हालात सामान्य होने की प्रार्थना कर रहा है। ऐसे में आपको बता दें कि नेपाल के भी कई कलाकार अपनी प्रतिभा से बॉलीवुड में खास पहचान बना चुके हैं। आइए जानते हैं उन नेपाली कलाकारों के बारे में।*

***उदति नारायण और आदित्य नारायण :*** उदति नारायण का जन्म नेपाल में ही हुआ था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1970 में रेडियो नेपाल में मैथली लोक गायक के तौर पर की थी। फिर वहां 8 साल तक काम करने के बाद उन्होंने बॉलीवुड में किस्मत आजमाई और सुपरहिट गायक साबित हुए। उदित के बेटे आदित्य नारायण का नाम भी इस सूची में शामिल है। वैसे तो उनका जन्म भारत में हुआ है, लेकिन उनका परिवार मूल रूप से नेपाल का रहने वाला है।

***माला सिन्हा और मनीषा कोईराला :*** माला सिन्हा का जन्म नेपाली-क्रश्चियन परिवार में हुआ था। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत बंगाली फिल्मों से की थी। इसके बाद उन्होंने नेपाली फिल्मों में काम किया और फिर बॉलीवुड में भी अपना नाम बनाया। मनीषा कोइराला नेपाल के प्रतिष्ठति घराने से ताल्लुक रखती हैं। उनका जन्म नेपाल में ही हुआ



था। हालांकि, अपना करियर बनाने के लिए वो भारत आ गईं और यहां पर उन्होंने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया।

***सुनील थापा :*** सुनील थापा नेपाली सिनेमा के मशहूर अभिनेता थे। उन्होंने बॉलीवुड के साथ-साथ नेपाली सिनेमा में अपने बेहतरीन अभिनय से लोगों के दिलों में एक खास पहचान बनाई थी। हालांकि, उनका निधन साल 2026 के शुरुआत में हो गया था।

### अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं

**मुंबई।** कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म



'टॉक्सिकः अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में उनके साथ यश, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत भी अहम भूमिकाओं में हैं। हालांकि, कियारा इससे पहले भी कई शानदार फिल्मों और वेब सीरीज में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कियारा के बेहतरीन प्रदर्शन वाली फिल्मों के बारे में। साल 2018 में रिलीज हुई नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'लस्ट स्टोरीज' में कियारा ने जबरदस्त अभिनय किया था। उन्होंने एक ऐसे संवेदनशील विषय को बहुत सहजता, हास्य और भावनात्मक ईमानदारी के साथ पेश किया था, जिसके लिए उन्हें खूब तारीफ मिली।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email : response.haribhoomi@gmail.com
CLASSIFIED
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

**Appointment आवश्यकता**

**सिक्योरिटीगार्ड**

Wanted- URGENT REQUIREMENT OF SECURITY GUARDS FOR REPUTED HOSPITAL OF RAIPUR आवश्यकता है: रायपुर हॉस्पिटल हेतु सिक्योरिटी गार्ड 10वीं पास वेतन 12000+PF & ESIC संपर्क Contact: 9907330741, 9826022167, 9993700020, 9907330740, 9826114377. (आरे-1344)

**ऑफिस कार्य**

आवश्यकता है- JOB JOB JOB OFFICE कार्य हेतु लड़की एंव लड़को की आवश्यकता है वेतन 10,000 से 15,000 मो. - 9752397182. (आरे-838)

**हाऊस कीपिंग**

आवश्यकता है- हाउस कीपिंग – पुरुष उम्मीदवार (इन-हाउस रहने हेतु), ऑफिस बॉय – केवल रायपुर लोकल उम्मीदवार एवं कंसल्टेंसी वाले संपर्क करें :- मो.6232022676. (आरे-309)

**सेल्सगर्ल**

आवश्यकता है- एक सेल्स गर्ल्स की आवश्यकता है वेतन 10000 से स्टार्ट ओम ज्वैलर्स शॉप नंबर 64 बी प्रिया सिंगार सदन के सामने इंदिरा मार्केट दुर्ग (आरे -4169)

हरिभूमि

**मार्केटिंग**

आवश्यकता है- रियल स्टेट हेतु मार्केटिंग कार्य के लिए लड़को( उम्र 18 से 35 ) की आवश्यकता वेतन योग्यतानुसार + कमीशन, पता - शंकरनगर, चौपाटी रायपुर ( मिले - सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक) 9098334681. (आरे-209)

**घरेलु/ड्रायवर कार्य**

आवश्यकता है- रायपुर में एक फैमिली की आवश्यकता हैं। पत्नी जो घर मे रहकर घर के कार्य कर सके एवं पति जिसे ड्राइविंग आती हो जो बुलेरो पिकअप चला सके उसे प्राथमिकता। रहने/बिजली, पानी की सुविधा, वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क:- 9893413130, 9425509393. (आरे-418)

आवश्यकता है- ड्राइवर की जो ऑटोमैटिक कार चला सके, कम से कम 8-10 वर्ष का अनुभव होना चाहिए। स्थान मेट्रो हाईट्स, तेलीबांधा, रायपुर सम्पर्क करे:- 9755777774, मिलने का समय शाम 7 से 9 तक. (आरे-063)

**सेल्समैन/ऑपरेटर**

आवश्यकता है- सेल्समैन, कम्प्यूटर आपरेटर, ड्राईवर, पैकिंग हेतु महिलाओ की, माल छोड़ने लड़कों की, घरेलू कार्य हेतु लड़की /महिला की आवश्यकता है, रहने की सुविधा संपर्क करें:- बोरियाखुर्द रायपुर 9893115061. (आरे-A)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

**Property प्रापर्टी**

**प्लाट**

बेचना है - हाईवे पर सरोरा खार में 10,000 वर्गफीट प्रीमियम कॉर्नर कमर्शियल प्लॉट 240 फीट शानदार फ्रंट जिसमें 40 फीट हाईवे एवं 200 फीट डामरोड फ्रंट पूर्व-दक्षिण मुखी, DPC व कमर्शियल डायवर्सन, NH रिंगरोड No.4, जिओ पंप के सामने, शोरूम, वेयरहाउस या स्मार्ट निवेश के लिए शानदार लोकेशन संपर्क:- रोशन अग्रवाल 8878008500. (आरे-062)

डायवर्टेड प्लाट बेचना है- भाटागांव भर्रीखार दो प्लांट 635- 600 वर्ग फुट का रेट 1500 प्रति वर्ग फुट नया रायपुर (जाम गांव) 1000 वर्ग फुट रेट 700 प्रति वर्ग फुट राजिम व आमापारा शिक्षक कॉलोनी 450 वर्ग फुट रेट 1000 प्रति वर्ग फुट संपर्क मोबाइल नंबर 8823780696 पी. एल यदु 9754685471, वी.के यदु 8827275508 पता परशु राम नगर महामाईपारा रायपुर (आरे-828)

प्लॉट बेचना है - आदिवासी प्लॉटः न्यू धमतरी रोड हाईवे पर ग्राम- बिरेझर 265x230 फीट प्लाट डबल रोड प्लाट अतिशीघ्र बेचना है। संपर्क करें:- 88789-20002. (आरे-837)

बेचना है - सरस्वती कुंज, धनोरा रोड रिसाली, भिलाई में (शांति वाटिका के पीछे) 40 फीट× 70 फीट= 2800 वर्गफीट का डाईवर्टेड और सीमांकन किया हुआ प्लॉट बेचना है। सम्पर्क करें- 7999363065, 9827471831. (आरे-41714)







**आवश्यक सूचना**

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

# मंदाकिनी ने तोड़ा 23 साल का रिकॉर्ड, हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देशभर में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। कहीं तेज तो कहीं मध्यम बारिश हो रही है। यूपी सहित नेपाल से लगे सीमावर्ती व पहाड़ी राज्यों में बाढ़ बारिश ने कहर बरपाया हुआ है। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले में लगातार हो रही बारिश के बाद मंदाकिनी नदी ने एक बार फिर अपना रौद्र रूप दिखाया है। नदी का जलस्तर खतरे के निशान से काफी ऊपर पहुंच गया है। डीएम पुलकित गर्ग के मुताबिक, मंदाकिनी ने पिछले 23 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

साल 2003 में नदी का जलस्तर करीब 134 सेंटीमीटर दर्ज किया गया था, जबकि इस बार यह 134.02 सेंटीमीटर तक पहुंच गया। मंदाकिनी के बढ़ते जलस्तर से यूपी-एमपी सीमा पर स्थित रामघाट पूरी तरह बाढ़ की चपेट में आ गया है। घाट की सैकड़ों दुकानें पानी में डूब गई हैं। कई मठ और मंदिरों के अंदर भी पानी घुस चुका है। हालात इतने खराब हैं कि लोग अपनी जान बचाने के लिए घरों की छतों पर बैठे हुए हैं। प्रशासन ने लोगों को प्रभावित इलाकों से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना शुरू कर दिया है।

## उत्तर प्रदेश सहित कई पहाड़ी राज्यों में बारिश का कहर

### हेलीकाप्टर से रेस्क्यू

उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में तरौंहा, गोबरिया और बहादुर समेत कई गांव प्रभावित हुए हैं। कई लोग बाढ़ के बीच फंस गए, जिन्हें प्रशासन और एसडीआरएफ की टीमों ने रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। मध्य प्रदेश प्रशासन की ओर से हेलीकॉप्टर की मदद से भी रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। बाढ़ में फंसे कई लोगों को हेलीकॉप्टर के जरिए सुरक्षित निकाला गया। वहीं, जिन स्थानों तक टीमें नाव से पहुंच सकती हैं, वहां नावों की मदद से लोगों को बाहर लाया जा रहा है। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के जवान लगातार प्रभावित क्षेत्रों में अभियान चला रहे हैं।



### बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का बना है नया क्षेत्र

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को कहा कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का एक नया क्षेत्र बना है, जिसके प्रभाव से बंगाल, ओडिशा, सहित कई राज्यों में चार सितंबर तक भारी बारिश हो सकती है। एक अधिकारी ने बताया कि राज्य प्रशासन ने उत्तरी और तटीय इलाकों में संभावित जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं। अधिकारी ने बताया कि ओडिशा के कुछ हिस्से पहले से ही बाढ़ की चपेट में हैं, जिससे राज्य के तीन जिलों में 67,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।

# सज्जन के घर जाने पर भाजपा ने अपने 3 सांसदों को लगाई फटकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

**1984 के सिख विरोधी दंगों के दोषी सज्जन कुमार के घर शोक जताने पहुंचे थे ये**

कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार के घर शोक जताने पहुंचे भाजपा के तीन सांसदों को लेकर सिख संगठनों ने आपत्ति जतायी है। बताया जा रहा है कि भाजपा अध्यक्ष अध्यक्ष नितिन नवीन ने दिल्ली के इन तीनों सांसदों को फटकार लगाई है। पंजाब में विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुटी भाजपा के लिए यह कदम बड़ा झटका माना जा रहा है। विरोधियों को पंजाब में भाजपा के खिलाफ राजनीतिक मुद्दा बनाने का मौका मिल सकता था। विशेषतौर पर आम आदमी पार्टी पंजाब चुनाव में इसे लेकर भाजपा को कठघरे में खड़ा कर सकती है।

गौरतलब है कि पिछले दिनों सज्जन कुमार का निधन हो गया था। इसके बाद सांसद दीपेंद्र हुड्डा के शोक संदेश को लेकर भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। हुड्डा पर निशाना साधते हुए भाजपा ने इसे 1984 के सिख पीड़ितों के घावों पर नमक छिड़कना बताया था। ये मामला ठंडा भी नहीं हुआ था कि सज्जन कुमार की मृत्यु पर शोक जताने के लिए भाजपा के तीन सांसद कमलजीत सहरावत, रामवीर सिंह बिधूड़ी और योगेंद्र चंदोलिया ने सज्जन कुमार के आवास पर गये थे। इसके बाद सिख संगठनों ने इस मुद्दे पर कठोर शब्दों में आपत्ति जतानी शुरू कर दी थी। सिख संगठनों ने भाजपा हाईकमान से इसकी शिकायत भी की।

### 20 को हुआ था निधन

सज्जन कुमार का 20 अगस्त को निधन हो गया था। वे 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए सिख विरोधी दंगों के दौरान सिखों की हत्याओं के लिए दो आजीवन कारावास की सजा काट रहे थे। भाजपा नेता एचएस फुल्का ने तीनों नेताओं के सज्जन कुमार के आवास पर जाने के बाद सबसे पहली प्रतिक्रिया में कहा था कि भाजपा नेताओं का यह दौरा विशेष रूप से आपत्तिजनक था। उन्होंने कहा था कि क्योंकि भाजपा ने लगातार सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों के न्याय के संघर्ष का समर्थन किया था और पीड़ितों के परिवारों द्वारा कुमार को जेल में ही रखने के प्रयासों का समर्थन किया था। हमें पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति सहानुभूति दिखानी चाहिए, जिनमें से कई लोग आज भी उन दिनों की भयावहता को जी रहे हैं। मैं इन तीनों सांसदों का बहिष्कार करता हूं। बताया जा रहा है कि भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने सज्जन कुमार के घर जाने पर इन तीनों सांसदों को फटकार लगाई है।

## जैकेट के शेष

### चित्रकोट में प्रति सेकंड ....

500 मीटर के दायरे में पानी का वेग और विशालता इस नजारे को बेहद भयानक और भव्य बना रही है।

**कैमरों में कैद करने उमड़ रहे पर्यटक** : 'भारत के नियाग्रा' के नाम से मशहूर चित्रकोट जलप्रपात का यह विकराल रूप देखने के लिए सैलानियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। लोग दूर-दूर से पहुंचकर इंद्रावती की इस प्रचंड धारा को कैमरों में कैद कर रहे हैं। हालांकि, उफनती इंद्रावती तटीय इलाकों के लिए सतर्कता की घंटी बजा रही है, वहीं दूसरी ओर इसका यही रौद्र रूप बस्तर के सबसे बड़े पर्यटन स्थल की सुंदरता और रोमांच को चरम पर पहुंचा रहा है।

### खपरगंज में बवाल : 100 ....

रहा था। इसी दौरान पुरानी रंजिश में खपरगंज निवासी सोहेल खान उसे देखकर कमेंट करने लगा, जिसे लेकर उनके बीच में विवाद हो गया। सोहेल खान ने अक्षय सिंह के दोस्त पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। अक्षय सिंह ने हिंदू संगठन के राम सिंह को फोन कर घटना की सूचना दी। उसके बाद राम सिंह बड़ी संख्या में युवकों को लेकर वहां पहुंच गया। सोहेल खान की तरफ से भी बड़ी संख्या में युवक आ गए और विवाद ने उग्र रूप ले लिया। दोनों पक्ष के युवक एक दूसरे पर ईंट पत्थर फेंककर मारपीट करने लगे। पुलिस ने अक्षय सिंह की रिपोर्ट पर हमलावर सोहेल खान, सोनू उर्फ सोल्ड, मौला, राजा, जरहा, साहिल, अज्जू, सरबाज, जुनैद सहित 50 से 60 के खिलाफ बीएनएस की धारा 109, 2, 115, 2, 190, 191, 3, 192, 296, 351, 3 व खपरगंज निवासी शेख सुल्तान ने भी दूसरे पक्ष पर जान लेवा हमलाकर व मारपीट तोड़फोड़ की रिपोर्ट लिखाई है। उसकी रिपोर्ट पर हमलावर राम सिंह, अक्षय सिंह, छत्रपाल सिंह, आरू उर्फ अन्न, करण सिंह, विनय पोर्ते, संतोष पटेल, संदीप शर्मा, राजू यादव, दीपक वर्मा, बिट्टू पाटनवार, वासु नामदेव सहित 50 से 60 लोगों के खिलाफ 109, 2, 115, 2, 190, 191, 3, 192, 324, 4, 296, 351, 3 के खिलाफ जुर्म दर्ज कर लिया है। पुलिस ने एक पक्ष से वासु नामदेव, छत्रपाल साहू को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं अन्य आरोपियों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

### 8 वाहनों में ....

कांच व एक दुकान में तोड़फोड़ कर हाथ ठेला पलटा दिया गया है। वहीं घायल अक्षय सिंह की बाइक मौके पर लावारिश हालत में पड़ी रही। इसी तरह दो दुकानों के शटर में पत्थराव किया गया है।

### एनालॉग पर पाबंदी ....

कारोबारी ने बताया कि उनके पास दूध से बना पनीर 400 रुपए किलो में उपलब्ध है। जुलाई तक इसकी कीमत 360 रुपए थी, मगर सप्लायरों ने इसके दाम बढ़ा दिए। एनालॉग पर लगे प्रतिबंध का असर यह भी हुआ कि राजधानी की हर छोटी-बड़ी मिठाई दुकानों में पनीर की उपलब्धता कम हो गई। अब इसकी बिक्री बड़ी दुकानों अथवा डेयरी में हो रही है।

### मुर्गी दाना महंगा, अंडों ....

क्योंकि गरीबों को तो मुफ्त में चावल मिल जाता है। कनकी के दाम करीब पहले थोक में 20 रुपए और चिल्हर में 22 रुपए किलो थे, लेकिन अब इसके दाम थोक में 27 रुपए हो गए हैं। एथेनाल बनाने के काम में मक्का भी आता है। पहले मक्के के दाम थोक में 18 रुपए और चिल्हर में 20 रुपए थे, लेकिन अब इसके दाम थोक में 26 से 28 हो गए हैं।

**अंडा अब 6 रुपए से कम में मिलना संभव नहीं** : पोल्ट्री कारोबारियों के मुताबिक, अंडों की उत्पादन लागत में 25 फीसदी का इजाफा हो गया है। पहले एक अंडे की उत्पादन लागत करीब चार रुपए पड़ती थी, लेकिन अब इसकी लागत पांच रुपए हो गई है। ऐसे में पोल्ट्री में अंडा 5.25 से 5.50 रुपए में ही मिल पाएगा। थोक में यह 5.75 और चिल्हर में छह रुपए से कम में नहीं मिल पाएगा। इस समय पोल्ट्री में अंडों की कीमत 5.35 रुपए है। पोल्ट्री कारोबारियों की चिकन दुकानों में इसके दाम थोक में छह रुपए और अन्य दुकानों के साथ किराना दुकानों में इसके सात रुपए हैं।

**अब पांच रुपए हो गई लागत** : मुर्गी दाने के दाम बढ़ने के कारण अंडों की उत्पादन लागत में एक रुपए का इजाफा हो गया है। पहले इसकी लागत चार रुपए पड़ती थी, अब पांच रुपए पड़ रही है। - धनराज बैनर्जी, पोल्ट्री कारोबारी

### अफसर खुद को ....

को बार-बार फटकार लगाते-लगाते अब वह थक चुका है। कोर्ट ने एफडीए के रवैये को व्यावहारिक के बजाय नियमों को लेकर जरूरत से ज्यादा कठोर बताया।

दरअसल, एफडीए ने कथित स्वच्छता संबंधी खामियों और थर्ड पार्टी ऑपरेशन से जुड़े मुद्दों को लेकर एमसीए परिसर के पांच रेस्टोरेंट के लाइसेंस निलंबित कर दिए थे। इसके खिलाफ एमसीए ने बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया था।

### क्या है मामला....

कार्रवाई करनी चाहिए, न कि मनमाने या अचानक तरीके से। अदालत ने उस समय लाइसेंस निलंबन पर रोक लगाने से इंकार करते हुए रेस्टोरेंट्स के नए सिरे से निरीक्षण का आदेश दिया था। हालांकि, चल रहे टूर्नामेंट्स को देखते हुए अस्थायी व्यवस्था के तौर पर एमसीए को वेंडिंग मशीनों के जरिए चाय और कॉफी परोसने की अनुमति दी गई थी।

### सिप्ला के आदेश ....

इसके बाद मामले में कारणों सहित नया आदेश पारित किया जाएगा। नियामक ने पुणे के वाडकी स्थित सिप्ला फार्मा एंड लाइफ साइंसेज लिमिटेड की दवाओं के भंडारण एवं वितरण सुविधा का दवा बिक्री लाइसेंस 27 अगस्त से रद्द कर दिया था।

## पेज एक के शेष

### 18 किमी साइकिल, रस्सी ..

ने त्याग और समर्पण को अपना हथियार बनाया और चुनौतियों को मात देते हुए सफलता हासिल की। शनिवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व खेल मंत्री अरुण साव समेत अन्य अतिथियों की मौजूदगी में डीडीयू ऑडिटोरियम में 82 खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों को मुख्यमंत्री ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। इसके अलावा पांच टीमों के 43 खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को भी मुख्यमंत्री ट्रॉफी प्रदान की गई।

### गाइड रनर की कमी बनी..

दृष्टिबाधित होते हैं। ऐसे खिलाड़ियों के लिए दौड़ना अपने आप में बड़ी चुनौती है, क्योंकि उन्हें दिशा बताने के लिए एक गाइड रनर की जरूरत होती है। सुखदेव बताते हैं कि शुरुआत में उनकी सबसे बड़ी परेशानी गाइड रनर का मिलना था। कई बार गाइड रनर नहीं मिलने के कारण उनकी ट्रेनिंग प्रभावित होती थी। बाद में उन्होंने एक आर्मी जवान से मदद मांगी और एक गाइड रनर के साथ अपनी दौड़ की शुरुआत की।

**दिखाई नहीं देने से दिशा का पता लगाना मुश्किल** : टी-11 कैटेगरी में एथलीट और गाइड रनर के बीच तालमेल बेहद जरूरी होता है। दोनों एक रस्सी के जरिए एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं। दौड़ के दौरान गाइड रनर ही उन्हें दिशा बताता है कब बाएं जाना है, कब दाएं और किस दिशा में आगे बढ़ना है। उनका कहना है कि जब उन्हें दिखाई नहीं देता, तो दिशा का पता लगाना बेहद मुश्किल होता है। लेकिन उन्होंने इस चुनौती को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। लगातार मेहनत की और आगे बढ़ते रहे। सुखदेव के माता-पिता खेती-किसानी करते हैं। हाल ही में सुखदेव ने एशियन गेम्स के ट्रायल में हिस्सा लिया है और अब उन्हें चयन सूची का इंतजार है। चयन होने पर वह जापान में होने वाले एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।

### पैसे की कमी आई आड़े ...

एक बैट की कीमत करीब 25 से 30 हजार रुपये तक होती है, जबकि ग्लव्स भी करीब 1500 रुपये में आते हैं। उस समय आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वे आसानी से ये सामान खरीद सकें। इसलिए दोस्तों और साथी खिलाड़ियों के साथ मिलकर पैसे जुटाना ही रास्ता था।

### नक्सलवाद खत्म, नेताओं की घट ..

खतरा पाया जाएगा, उनकी सुरक्षा बरकरार रखी जा सकती है। बदलाव मुख्य रूप से उस अतिरिक्त सुरक्षा में होने की संभावना है, जो नक्सली खतरे के चरम दौर में उपलब्ध कराई गई थी। बड़ी संख्या में जवान वीआईपी सुरक्षा में तैनात : बस्तर में नक्सल अभियान के दौरान नेताओं और जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती रही है। नक्सलियों के प्रभाव वाले इलाकों में राजनीतिक गतिविधियों से जुड़े लोगों को लगातार खतरे की आशंका के चलते सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जाती रही है। अब नक्सली गतिविधियों में भारी कमी आने और सुरक्षा बलों की लगातार सफलता के बाद प्राथमिकता बदलने की तैयारी है। पूरी तरह सुरक्षा हटाने के बजाय चरणबद्ध बदलावः बताया गया है कि सुरक्षा समीक्षा का मतलब यह नहीं है कि बस्तर के सभी नेताओं से सुरक्षा पूरी तरह वापस ले ली जाएगी। संवेदनशील इलाकों में अब भी खतरे के आकलन के आधार पर सुरक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। जिन नेताओं के खिलाफ वास्तविक खतरा पाया जाएगा, उनकी सुरक्षा जारी रह सकती है। बस्तर के नेताओं ने कहा-हमें अभी भी खतरा : भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष बीजापुर निवासी जी वेंकट ने बताया कि नक्सलवाद समाप्त होने के बाद नेताओं को दी गई सुरक्षा कम किए जाने की जानकारी मिली है। मुझे वाय श्रेणी और हमारे क्षेत्र के पूर्व मंत्री महेश गागड़ा को जेड श्रेणी की सुरक्षा मिली है। हमें अंदरूनी इलाकों में जाना पड़ता है ऐसे में फिलहाल सुरक्षा में कटौती नहीं होनी चाहिए। वनमंत्री केदार कश्यप, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक अध्यक्ष दिनेश कश्यप, जगदलपुर विधायक किरण देव, पूर्व विधायक संतोष बाफना, अजजा आयोग के अध्यक्ष रूपसिंह मण्डावी ने कहा कि नेताओं की सुरक्षा कम करने की मुझे कोई जानकारी नहीं है। दो दिन पहले मुझे शासन से केबिनेट मंत्री का दर्जा मिला है। फिलहाल मेरे पास दो पीएसओ पहले से है। वहीं कुछ नेताओं ने नाम न देने की शर्त पर बताया कि सुरक्षा हटाने के संबंध में जानकारी नही है।

### इन नेताओं को मिली ...

अध्यक्ष बारसूर, भाजपा दंतेवाड़ा, संतोष गुप्ता, जिला अध्यक्ष भाजपा दंतेवाड़ा, कामो कुंजाम, मण्डल सचिव भाजपा दंतेवाड़ा, सत्यजीत सिंह चौहान जिला उपाध्यक्ष, भाजपा दंतेवाड़ा, कुलदीप ठाकुर, जिला सदस्य भाजपा दंतेवाड़ा, सोमडू कोर्राम, मण्डल अध्यक्ष कुआकोण्डा, भाजपा दंतेवाड़ा, धीरेन्द्र प्रताप सिंह जिला सचिव, भाजपा व उपाध्यक्ष नगर पालिका दंतेवाड़ा, जसकेतू उसेंडी कोण्डागांव, देवलाल दुग्गा पूर्व विधायक भानुप्रतापपुर भाजपा कांकेर, मनीराम कश्यप जिला पंचायत उपाध्यक्ष भाजपा जगदलपुर, जी वेंकट प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा बीजापुर, सुश्री मोनिका शाह, भाजपा कांकेर, श्यामल मंडल कांकेर, बलदेव उरसा बीजापुर, हरीश निषाद बीजापुर, सुमित भदौरिया दंतेवाड़ा, सुमित सरकार दंतेवाड़ा, पी विजय कुमार जिला कार्यसमिति भाजपा सुकमा, पवन कर्मा दंतेवाड़ा, कुणाल ठाकुर युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष दंतेवाड़ा, अभिलाष तिवारी, पूर्व अध्यक्ष नगर पंचायत गीदम दंतेवाड़ा, विजय तिवारी दंतेवाड़ा, राजेश कश्यप भाजपा मण्डल अध्यक्ष दंतेवाड़ा, जैकी कश्यप नेता प्रतिपक्ष नगरपालिका नारायणपुर। वहीं कांग्रेस नेताओं में कर्मा परिवार के छबिन्द्र कर्मा, पूर्व विधायक देवती कर्मा, बीजापुर विधायक विक्रम शाह मण्डावी, कोण्टा विधायक कवासी लखमा, पूर्व रेखचंद जैन, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मंत्री मोहन मरकाम, जिला कांग्रेस अध्यक्ष कवासी हरीश समेत अन्य नेताओं को भी सुरक्षा मिली हुई है।

### तीन युवकों को ट्रक ..

के अगले दिन 29 अगस्त की सुबह पंकज गोंड़ अपने दो साथी जनक पिता ईश्वर (45) और गोपाल मरकाम पिता उदल सिंह (50) के साथ बुआ को भारतपुर छोड़ने गया था। बुआ को छोड़ने के बाद तीनों दोपहिया वाहनों से वापस लौट रहे थे।

### एवरेस्ट और लालजी के ...

हींग पाउडर की सभी किस्मों की बिक्री तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दी है। नियामक ने कहा, प्राथमिक खाद्य प्रयोगशाला के खाद्य विश्लेषक द्वारा हींग पाउडर (मिश्रित हींग) के नमूनों को मानकों के अनुरूप नहीं पाया और गलत ब्रांडिंग पाई गई।

### चाय पीने के लिए रुके ...

बह रही थीं। पानी के तेज बहाव में शव और कई अन्य चीजें भी बहकर जा रही थीं। हम डर गए थे। हर समय यह आशंका बनी हुई थी कि बाढ़ की स्थिति और खराब हो सकती है। समूह ने मलेखू में एक ऊंची जगह पर शरण ली और रात अपनी कार में बिताई। ठाकुर ने कहा, वहां इंटरनेट सेवा अच्छी तरह काम कर रही थी, इसलिए हम अपने परिवारों के संपर्क में रहे और घबराए नहीं। दोस्तों का यह समूह आखिरकार 28 अगस्त को नेपाल से रवाना हुआ। त्रासदी के बीच इन पांच दोस्तों के लिए एक भावुक पल भी आया, जब स्थानीय महिला सुरक्षा कर्मियों ने उनकी कलाई पर राखी बांधी। ठाकुर ने कहा, हम रक्षाबंधन के बाद यात्रा से लौटने वाले थे इसलिए हमारी बहनों ने हमें पहले ही राखी दे दी थी। वहां तैनात महिला सुरक्षा कर्मियों ने हमारी कलाई पर ये राखियां बांधीं। वह हमारे लिए सबसे सुकून भरा पल था। सिलाई की दुकान चलाने वाले दिनेश ओझा ने कहा कि बाढ़ के बाद उन्होंने जो दृश्य देखे, उन्हें वे जीवनभर नहीं भूल पाएंगे। उन्होंने कहा, हम जो कुछ देख चुके हैं, उसे कभी नहीं भुला पाएंगे। कई लोग अपने लापता परिजनों की तलाश में बुरी तरह परेशान होकर इधर-उधर भटक रहे थे। ओझा ने कहा, हमने अपनी कार में रात बिताई, लेकिन वास्तव में सो नहीं पाए। हर समय यह डर बना हुआ था कि कहीं फिर से बाढ़ न आ जाए। उन्होंने कहा, हमें खुशी है कि आखिरकार हम सुरक्षित अपने घर लौट आए हैं।

### युवाओं को संवैधानिक तरीकों से सवाल उठाने का है अधिकारः राजनाथ

**हरिभूमि न्यूज.नई दिल्ली।** राष्ट्रीय राजधानी के जंतर-मंतर पर बीते दिनों सीजेपी के नेतृत्व में हुए जेन-जेड के बेहद आक्रामक विरोध-प्रदर्शन के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने युवाओं को लेकर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। जिसमें उन्होंने उनसे आह्वान करते हुए कहा कि वो ज्ञान अर्जित करें, फिर संवैधानिक तरीकों से अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और लोकतांत्रिक तरीकों से बदलाव लाने की कोशिश करें। केंद्र की सरकार युवाओं के लिए लगातार बेहतर समाज के लिए समाधान तलाशने और नवाचारों के साथ प्रयोग कर उन्हें विकसित करने वाला वातावरण प्रदान करती रहेगी। यह जानकारी रक्षा मंत्री ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के लखनऊ स्थित बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए दी है। रक्षा मंत्रालय ने आधिकारिक रूप से इस जानकारी को मीडिया के साथ साझा किया है।

### एलओसी पर रातभर मंडराता रहा पाकिस्तान का संदिग्ध ड्रोन

**श्रीनगर।** जम्मू-कश्मीर के पुंछ में शुक्रवार रात सुरक्षा बलों की नजर एक संदिग्ध ड्रोन पर पड़ी तो इलाके में हलचल बढ़ गई। एलओसी के पास बालाकोट इलाके के बेहरूती गांव में देर शाम एक ड्रोन मंडराता दिखाई दिया। सुरक्षाबलों को शक है कि यह ड्रोन पाकिस्तान की तरफ से आया था। ड्रोन कुछ देर इलाके में नजर आया और फिर सीमा के पास मंगलनार-दाबरोटे की ओर बढ़ गया। इसके बाद वह वापस पाकिस्तान की तरफ चला गया। मामला यहीं खत्म नहीं हुआ. सेना ने सुबह होते ही इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। मकसद साफ था कि कहीं ड्रोन ने कोई संदिग्ध सामान तो नहीं गिराया या अपने साथ कुछ लेकर तो नहीं आया। ड्रोन की खबर सामने आते ही एलओसी पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई। सेना के जवानों ने इलाके में निगरानी बढ़ा दी और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

## राशिफल

**मेष** मन में नकारात्मक विचारों से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। माता का सानिध्य मिलेगा।

**वृष** व्यर्थ के क्रोध से बचें। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। संगीत में रुचि हो सकती है।

**मिथुन** भागदौड़ अधिक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अनियोजित खर्चों में वृद्धि हो सकती है। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

**कर्क** क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

**सिंह** नौकरी में तरक्की के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। यात्रा पर जाना हो सकता है। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

**कन्या** धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार का विस्तार हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

**तुला** व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। धन की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

**वृश्चिक** क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। माता से धन की प्राप्ति हो सकती है।

**धनु** पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**मकर** आलस्य की अधिकता रहेगी। कारोबार का विस्तार होगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बहन-भाइयों का सहयोग मिलेगा।

**कुंभ** कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बातचीत में संयत रहें।

**मीन** शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा, परन्तु शैक्षिक कार्यों में कठिनाई भी आ सकती है। जीवनसाथी से मतभेद बढ़ सकते हैं। सुखद समाचार मिलेगा।

■ पीआईबी फैक्ट चेक ने वायरल संदेश को बताया फर्जी

# व्हाट्सऐप मॉनिटरिंग के लिए केंद्र ने जारी नहीं की कोई नई गाइडलाइन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली।

सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सऐप पर केंद्र सरकार की ओर से निगरानी के लिए नई गाइडलाइन जारी किए जाने का दावा करने वाला एक संदेश इन दिनों प्रसारित हो रहा है। सरकार ने इस दावे को फर्जी करार दिया है। प्रेस सूचना ब्यूरो की फैक्ट चेक यूनिट ने स्पष्ट किया है कि भारत सरकार ने व्हाट्सऐप की निगरानी को लेकर ऐसी कोई नई गाइडलाइन जारी नहीं की है। फैक्ट चेक यूनिट ने सोशल मीडिया पर प्रसारित इस संदेश को लेकर लोगों को सतर्क किया है। यूनिट के मुताबिक, वायरल संदेश में केंद्र सरकार की ओर से व्हाट्सऐप पर निगरानी के नए नियम लागू किए जाने का दावा किया जा रहा है, लेकिन यह दावा पूरी तरह गलत है। सरकार ने व्हाट्सऐप मॉनिटरिंग के संबंध में ऐसी कोई गाइडलाइन जारी नहीं की है।

### फर्जी संदेशों के प्रसार से पैदा हो सकता है भ्रम

व्हाट्सऐप जैसे व्यापक रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले प्लेटफॉर्म पर सरकार के नाम से इस तरह के संदेश तेजी से फैलने से आम लोगों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है। खासकर निगरानी, गिरफ्तारी, सरकारी कार्रवाई या अदालत के समन जैसे दावों से लोगों में अनावश्यक डर पैदा हो सकता है। ऐसे में किसी संदेश को सही मानने या आगे भेजने से पहले उसके स्रोत और आधिकारिक पुष्टि की जांच करना जरूरी है।

सरकार ने साफ किया है कि व्हाट्सऐप की निगरानी के लिए नई गाइडलाइन जारी किए जाने का दावा फर्जी है। इसलिए ऐसे संदेशों को आगे प्रसारित करने से बचना चाहिए।


झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, चतरा

ई–पुनर्निविदा आमंत्रण सूचना

ई–पुनर्निविदा संख्या– 09/RI/2026-27/RWD/CHATRA दिनांक– 27.08.2026

कार्यपालक अभियन्ता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, चतरा द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

| क्र॰ सं॰ | आईडेन्टिफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या | कार्य का नाम | प्राक्कलित राशि | | कार्य समाप्ति की अवधि | टेण्डर कॉल सं॰ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | अंक में (लाख) | अक्षर में | | |
| 1 | RWD/CHATRA/39/2024-25 | ग्राम–सुईयाटांड़ में राहम–बड़गांव पथ गोन्दा स्कूल से सुईयाटांड़ तक पथ निर्माण कार्य (लं॰–2.500 कि॰मी॰)। | 294.043 | दो कराड़ चौरानबे लाख चार हजार तीन सौ मात्र | 15 माह | द्वितीय |

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– 01.09.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 21.09.2026 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 24.09.2026 पूर्वाह्न 11.00 बजे।
5. ई–निविदा आमंत्रित करनेवाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियन्ता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, चतरा, द्वितीय तल, विकास भवन, चतरा।
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष संख्या :– 06541-296208

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

PR 388585 (Rural Work Department)26-27*D

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण कार्य विभाग,कार्य प्रमण्डल, चतरा।


## शब्द पहेली - 6332

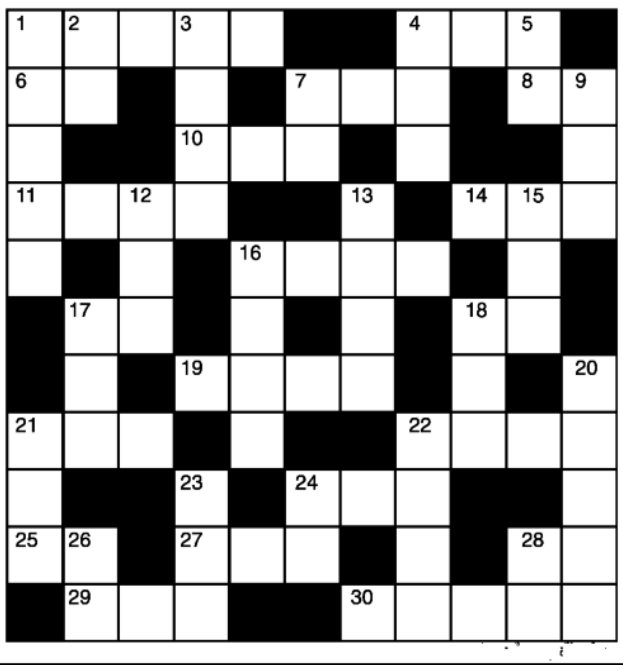

**बाएँ से दाए-**
1. हाईकमान-5
4. बुशर्ट,शर्ट-3
6. लाख,गोंद-2
7. प्रतिज्ञा-3
8. मां का भाई-2
10. धनवान,रईस-3
11. मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14. जिज्ञासा,उत्साह-3
16. अनगिनत-4
17. वर्ष,बरस-2
18. लय,स्वर-2
19. गदर,बलवा-4
21. ईर्ष्या-3
22. गरुर,घमंड-4
24. राजा,सम्राट-3
25. पानी से सराबोर-2
27. व्यर्थ,फिजूल-3
28. चतुर्थ,चौथा-2
29. बहने का भाव-3
30. मन मोहने वाला-5

**ऊपर से नीचे**
1. आरामदायी-5
2. एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3. सेवा शुल्क-4
4. अभिव्यक्ति-3
5. बचत,जोड़-2
7. वहम-2
9. स्वामी-3
12. प्रवेश-3
13. धरोहर,थाती-4
15. तरंग,हिलोर-3
16. निरंकुश,मुंहजोर -4
17. किनारा,तट
18. कामधेनू, सुगंध-3
20. नुकसानदेह-5
21. दुनिया,जग-3
22. कहासुनी-4
23. चयन-3
24. चट्टान,शिला (अंग्रेजी-2)
26. ईश्वर,भगवान-2
28. प्रेम,लगन-2

**शब्द पहेली -6331 का हल**

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | बं | दा | न | बा | ज | | आ | स | मा | न |
| न | दी | | र | | ल | बा | दा | | र | जा |
| ब | | ज | म | ज | म | | ब | री | | क |
| जी | म | ना | | | ह | ठ | | ता | क | त |
| ब | | चा | | जे | ल | | पे | | ता | |
| न | ग | र | से | ठ | | फ | ट | का | र | ना |
| | री | | ना | | स | ना | | रो | | म |
| सु | ब | ह | | दा | म | | | बा | री | क |
| र | | क | श | | भ्र | न | का | र | | र |
| ता | प | | प | र | दा | | म | | क | ण |
| ल | थ | प | थ | | र | ब | ना | का | र | |

## सूडोकु नवताल - 6342

मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 5 | | | 8 | | | 3 |
| | 7 | | | 3 | 5 | | | |
| 3 | | | | | | 6 | | |
| | | | | | | | 8 | 5 |
| | 6 | | | 7 | | | 1 | |
| 4 | 2 | | | | | | | |
| | | 1 | | | | | | 8 |
| | | | 7 | 4 | | | 3 | |
| 6 | | | 2 | | | 7 | | |

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति

## डायरेक्ट या रेगुलर : बाजार में पैसा लगाने से पहले अपना लक्ष्य तय करें

# निवेश से पहले समझें कौन सा प्लान सबसे बेहतर

**दोनों प्लान में निवेश एक ही फंड और लगभग समान पोर्टफोलियो में होता है ■ खर्च, एनएवी और लंबी अवधि के रिटर्न में आ सकता है अंतर ■ निवेशक अपनी रिस्क क्षमता और जरूरत के आधार पर लें फैसला**

म्यूचुअल फंड निवेश में एक्सपेंस रेटियो का महत्व इसलिए बढ़ जाता है, क्योंकि निवेश लंबे समय के लिए किया जाता है। यदि दो समान योजनाओं में से एक में खर्च लगातार थोड़ा अधिक है, तो कई वर्षों में इसका असर निवेश के कुल मूल्य पर पड़ सकता है। इसीलिए निवेशक को केवल पिछले रिटर्न को देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। उसे एक्सपेंस रेटियो, फंड का प्रदर्शन, जोखिम, निवेश का उद्देश्य और अपने निवेश की अवधि जैसे पहलुओं को भी देखना चाहिए।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश का फैसला करते समय केवल यह देखना पर्याप्त नहीं है कि कौन सा फंड अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। निवेशक को यह भी समझना चाहिए कि वह डायरेक्ट प्लान में निवेश कर रहा है या रेगुलर प्लान में। दोनों विकल्पों में आमतौर पर एक ही म्यूचुअल फंड स्कीम और एक ही फंड मैनेजर के जरिए निवेश किया जाता है, लेकिन दोनों की लागत संरचना अलग होती है। यही अंतर लंबी अवधि में निवेश के रिटर्न पर असर डाल सकता है। निवेशक के लिए सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर डायरेक्ट प्लान और रेगुलर प्लान में अंतर क्या है और इनमें से कौन सा विकल्प उसके लिए बेहतर है। इसका जवाब हर निवेशक के लिए एक जैसा नहीं हो सकता। यदि निवेशक खुद फंड की रिसर्च कर सकता है और अपने पोर्टफोलियो को संभालने में सक्षम है तो डायरेक्ट प्लान कम लागत वाला विकल्प हो सकता है। वहीं नए या ऐसे निवेशक जिन्हें फंड चुनने और निवेश प्रबंधन में मदद चाहिए, उनके लिए रेगुलर प्लान उपयोगी हो सकता है।




### रेगुलर प्लान में मिलती है डिस्ट्रीब्यूटर की मदद

रेगुलर प्लान में निवेशक म्यूचुअल फंड कंपनी यानी एएमसी तक सीधे नहीं पहुंचता। वह बैंक, म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर, ब्रोकर या वित्तीय सलाहकार के माध्यम से निवेश करता है। निवेश प्रक्रिया पूरी करने के साथ-साथ डिस्ट्रीब्यूटर निवेशक को फंड चुनने, कागजी प्रक्रिया और निवेश से जुड़ी दूसरी सेवाओं में मदद कर सकता है। इस सेवा की लागत भी होती है। म्यूचुअल फंड कंपनी डिस्ट्रीब्यूटर को कमीशन देती है और यह खर्च फंड के एक्सपेंस रेटियो में शामिल होता है। इसलिए आमतौर पर रेगुलर प्लान का एक्सपेंस रेटियो उसी स्कीम के डायरेक्ट प्लान की तुलना में अधिक होता है।

### डायरेक्ट प्लान में नहीं होता डिस्ट्रीब्यूटर कमीशन

डायरेक्ट प्लान में निवेशक किसी डिस्ट्रीब्यूटर के माध्यम से निवेश करने के बजाय सीधे एएमसी से निवेश करता है। इसमें डिस्ट्रीब्यूटर को कमीशन नहीं देना पड़ता। इसी कारण डायरेक्ट प्लान का एक्सपेंस रेटियो आमतौर पर रेगुलर प्लान से कम होता है। कम खर्च का फायदा लंबी अवधि में दिखाई दे सकता है। चूंकि निवेश की लागत कम रहती है, इसलिए बाकी परिस्थितियां समान रहने पर डायरेक्ट प्लान का नेट रिटर्न रेगुलर प्लान से थोड़ा अधिक हो सकता है। हालांकि यह समझना जरूरी है कि डायरेक्ट प्लान का मतलब कम जोखिम नहीं है। बाजार में उतार-चढ़ाव और फंड से जुड़े जोखिम दोनों प्लान में बने रहते हैं।

### एनएवी भी होता है अलग

कई निवेशक यह मान लेते हैं कि जब स्कीम और फंड मैनेजर एक ही हैं तो डायरेक्ट प्लान और रेगुलर प्लान का एनएवी भी समान होना चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं है। दोनों प्लान के खर्च अलग होने के कारण इनके एनएवी में भी अंतर हो सकता है। रेगुलर प्लानमें डिस्ट्रीब्यूटर से जुड़ी लागत शामिल होती है, जबकि डायरेक्ट प्लान में यह लागत नहीं होती। इसी वजह से समय के साथ दोनों प्लान के एनएवी और निवेशक के अंतिम रिटर्न में अंतर पैदा हो सकता है। यह अंतर किसी अलग निवेश रणनीति के कारण नहीं, बल्कि मुख्य रूप से दोनों प्लान की लागत संरचना के कारण होता है।

### किसके लिए बेहतर

डायरेक्ट प्लानउन निवेशकों के लिए अधिक उपयुक्त हो सकता है जिन्हें म्यूचुअल फंड की पर्याप्त जानकारी है। ऐसे निवेशक खुद अलग-अलग फंड की तुलना कर सकते हैं, जोखिम समझ सकते हैं और अपने पोर्टफोलियो की समय-समय पर समीक्षा कर सकते हैं। यदि निवेशक को पता है कि उसे किस श्रेणी के फंड में निवेश करना है और वह अपने निवेश संबंधी फैसले खुद लेने में सहज है, तो कम एक्सपेंस रेटियो वाला डायरेक्ट प्लान उसके लिए लागत के लिहाज से आकर्षक हो सकता है। लेकिन केवल कम खर्च देखकर डायरेक्ट प्लान चुनना सही रणनीति नहीं है।

### किसके लिए रेगुलर प्लान उपयोगी?

- रेगुलर प्लान ऐसे निवेशकों के लिए उपयोगी हो सकता है जिन्हें निवेश की जानकारी सीमित है या जो फंड चुनने और पोर्टफोलियो संभालने में विशेषज्ञ की मदद चाहते हैं।
- नए निवेशक के लिए कई बार सही फंड चुनना, जोखिम का आकलन करना, निवेश की अवधि तय करना और पोर्टफोलियो में बदलाव करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ऐसे में डिस्ट्रीब्यूटर की सहायता सुविधा प्रदान कर सकती है। हालांकि निवेशक को यह भी समझना चाहिए कि इस सुविधा की लागत फंड के खर्च में शामिल होती है।

### फैसला करने से पहले इन बातों पर दें ध्यान

डायरेक्ट प्लानया रेगुलर प्लान चुनने से पहले निवेशक को अपनी वित्तीय स्थिति और जानकारी का आकलन करना चाहिए। केवल यह सोचकर डायरेक्ट प्लान चुनना उचित नहीं है कि उसका एक्सपेंस रेटियो कम है। इसी तरह केवल सुविधा के लिए रेगुलर प्लान लेना भी जरूरी नहीं है। निवेशक को यह देखना चाहिए कि वह कितने समय के लिए निवेश कर रहा है, कितना जोखिम उठा सकता है, फंड की लागत कितनी है और क्या वह अपने निवेश की निगरानी खुद कर सकता है।

### निवेश का फैसला जल्दबाजी में न करें

डायरेक्ट प्लान और रेगुलर प्लान के बीच चुनाव व्यक्तिगत जरूरत पर निर्भर करता है। डायरेक्ट प्लान में कम लागत का फायदा मिल सकता है, जबकि रेगुलर प्लान में डिस्ट्रीब्यूटर की सहायता और सुविधा मिलती है। दोनों में निवेश का बाजार जोखिम बना रहता है। इसलिए निवेश करने से पहले केवल प्लान का नाम देखकर फैसला न करें। फंड के उद्देश्य, जोखिम, एक्सपेंस रेटियो, पिछला प्रदर्शन, निवेश अवधि और अपनी वित्तीय जरूरतों को समझना जरूरी है। जरूरत पड़ने पर योग्य वित्तीय सलाहकार से सलाह लेकर ही निवेश का निर्णय लेना बेहतर है।

## 5,000 की एसआईपी : लार्ज, मिड या स्मॉल कैप कहां बनेगा बड़ा फंड

बिजनेस डेस्क

हर महीने 5,000 रुपये की एसआईपी शुरू करने वाले निवेशक के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि पैसा लार्ज, मिड या स्मॉल कैप फंड में लगाया जाए। तीनों कैटेगरी में जोखिम और रिटर्न की संभावना अलग होती है। इसलिए केवल पिछले एक साल के रिटर्न को देखकर फैसला करना सही रणनीति नहीं है। इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश का फायदा तभी बेहतर तरीके से मिल सकता है, जब निवेशक लंबी अवधि तक बाजार में बना रहे और उतार-चढ़ाव के दौरान घबराकर एसआईपी बंद न करे।

### पहले समझिए तीनों कैटेगरी में अंतर

सेबी के वर्गीकरण के अनुसार लार्ज कैप फंड मुख्य रूप से बाजार पूंजीकरण के आधार पर देश की शीर्ष 100 कंपनियों में निवेश करते हैं। 101वीं से 250वीं रैंक वाली कंपनियां मिडकैप और इसके बाद की कंपनियां स्मॉल कैप श्रेणी में आती हैं। लार्ज कैप कंपनियां आकार में बड़ी और स्थापित होती हैं।

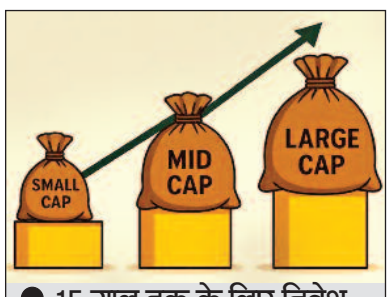


● 15 साल तक के लिए निवेश करने का बनाएं प्लान

इसलिए इनके कारोबार में अपेक्षाकृत स्थिरता देखने को मिल सकती है। हालांकि इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि लार्ज कैप फंड सुरक्षित या जोखिम-मुक्त हैं। शेयर बाजार में बड़ी गिरावट आने पर इनमें भी नुकसान हो सकता है। मिड कैप कंपनियां आकार में लार्ज कैप से छोटी होती हैं, लेकिन इनमें कारोबार तेजी से बढ़ाने की संभावना हो सकती है। इसी वजह से इनके शेयरों में उतार-चढ़ाव भी अधिक हो सकता है।

### पहली बार निवेश कर रहे हैं तो लार्ज कैप पर विचार

अगर कोई निवेशक पहली बार इक्विटी म्यूचुअल फंड में एसआईपी शुरू कर रहा है और बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं चाहता, तो लार्ज कैप फंड अपेक्षाकृत आसान शुरुआत हो सकते हैं। बड़ी कंपनियों के पास आम तौर पर लंबा कारोबारी ट्रैक रिकॉर्ड और मजबूत कारोबार होता है। फिर भी निवेशक को यह समझना चाहिए कि लार्ज कैप का मतलब गारंटीड रिटर्न नहीं है। बाजार में 15-20% की गिरावट आती है तो लार्ज फंड भी नीचे जा सकते हैं। अंतर केवल इतना है कि मिड कैप और स्मॉल कैप की तुलना में उतार-चढ़ाव कई बार कम हो सकता है।

### 10-15 साल का समय है तो मिड कैप

अगर निवेशक की कमाई नियमित है और अगले 10-15 साल तक निवेश की गई रकम की जरूरत नहीं है, तो पोर्टफोलियो में मिड कैप का हिस्सा रखा जा सकता है। इन कंपनियों में भविष्य में तेजी से बढ़ने की क्षमता हो सकती है। इसके साथ ज्यादा जोखिम भी आता है। बाजार में गिरावट के दौरान मिड कैप फंड में लार्ज कैप की तुलना में ज्यादा उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। यहां निवेश करने वाले व्यक्ति में लंबी अवधि तक निवेश बनाए रखने का धैर्य होना जरूरी है।

### स्मॉल कैप में ज्यादा जोखिम

स्मॉल कैप फंड में छोटी कंपनियों में निवेश किया जाता है। इनमें से कुछ कंपनियां भविष्य में बड़ी कंपनियां बन सकती हैं और शानदार रिटर्न दे सकती हैं। लेकिन हर स्मॉल कैप कंपनी सफल हो, यह जरूरी नहीं है। बाजार में तेजी के दौरान स्मॉल कैप फंड तेज रफ्तार से बढ़ सकते हैं, लेकिन गिरावट में नुकसान भी ज्यादा हो सकता है। इसलिए जिस रकम की अगले कुछ वर्षों में जरूरत पड़ सकती है, उसे स्मॉल कैपमें लगाने से बचना बेहतर है। पांच साल बाद घर खरीदने या किसी बड़े खर्च के लिए पैसा चाहिए तो उस लक्ष्य के पैसे पर अत्यधिक जोखिम लेना उचित नहीं होगा।

### 5,000 की एसआईपी को ऐसे बांटे

| कैटेगरी | मासिक एसआईपी | सालाना निवेश |
|---|---|---|
| लार्ज कैप | 2,500 | 30,000 |
| मिड कैप | 1,500 | 18,000 |
| स्मॉल कैप | 1,000 | 12,000 |
| कुल | 5,000 | 60,000 |

### 3 अलग-अलग फंड लेना जरूरी नहीं

5,000 रुपये को तीन अलग-अलग फंड में बांटना अनिवार्य नहीं है। अगर निवेशक खुद लार्ज कैप और स्मॉल कैप के बीच अनुपात तय नहीं करना चाहता तो फलेक्सी कैप फंड पर भी विचार किया जा सकता है।




## बिजनेस साइट

### अशोका पाम मीडोज के प्रॉपर्टी फेस्ट में आज 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान

**परिवार करेंगे पौधारोपण**

**रायपुर।** डूंडा स्थित आरती ग्रुप के अशोका पाम मीडोज में चल रहे प्रॉपर्टी फेस्ट के तहत आज पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' विशेष वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 10 से शाम 5 बजे तक चलेगा। अभियान के तहत आने वाले परिवार अपने नाम के साथ अपनी मां के नाम पर पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण की पहल से जुड़ सकेंगे। आयोजन का उद्देश्य केवल पौधारोपण करना नहीं, बल्कि लोगों को प्रकृति के साथ भावनात्मक रूप से जोड़ना भी है। आरती ग्रुप के डायरेक्टर ऋभुराज अग्रवाल ने बताया कि मां के नाम लगाया गया प्रत्येक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए हरियाली, स्वच्छ हवा और बेहतर पर्यावरण का संदेश देगा। उन्होंने बताया कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का यह तीसरा वर्ष है। अब तक ग्रुप अपने विभिन्न प्रोजेक्ट्स में करीब 15 हजार पौधे लगवा चुका है।

ASHOKA PALM MEADOWS
APARTMENTS • PLOTS

### 'ग्रीन साइड ऑफ रायपुर' की सोच को दे रहे जमीन पर आकार

आरती ग्रुप के 36 वर्षों के विश्वास के साथ विकसित हो रहे अशोका पाम मीडोज में 'वेलकम टू द ग्रीन साइड ऑफ रायपुर' की अवधारणा को इस पहल के माध्यम से जमीनी स्तर पर साकार करने का प्रयास किया जा रहा है। आयोजन में शामिल होने वाले परिवार पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी सहभागिता दर्ज करा सकेंगे।

### प्रॉपर्टी फेस्ट में ऑफर्स के साथ सामाजिक सरोकार भी

ऋभुराज अग्रवाल ने बताया कि अशोका पाम मीडोज के प्रॉपर्टी फेस्ट को लेकर ग्राहकों में उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रोजेक्ट में 3-बीएचके रेडी-टू-मूव अपार्टमेंट्स के साथ आकर्षक भुगतान सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रॉपर्टी फेस्ट के तहत 20 प्रतिशत भुगतान पर तत्काल चाबी देने की सुविधा है, जबकि शेष भुगतान के लिए 18 महीने तक नो पेमेंट का विकल्प दिया जा रहा है। इसके अलावा, पहली 100 बुकिंग पर लकी ड्रॉ भी आयोजित किया जा रहा है। इसमें विजेताओं को आकर्षक ईवी कार और ईवी स्कूटर पुरस्कार के रूप में दिए जाएंगे। इस तरह प्रॉपर्टी फेस्ट में ग्राहकों के लिए प्रॉपर्टी से जुड़े आकर्षक अवसरों के साथ-साथ 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के जरिए सामाजिक और पर्यावरणीय सरोकार को भी जोड़ा जा रहा है।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • सभी प्रकार के ऑपरेशन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चो के ऑपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटिक क्लीनिक
डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोनः 0771-4044551 समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोनः +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी
स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

यूएस ओपन

# सबालेंका के फॉर्म पर सवाल खिताबी हैट्रिक पर नजर !



एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरीना सबालेंका हाल की खराब फॉर्म के बावजूद रविवार से शुरू होने वाले यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खिताबी हैट्रिक पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सबालेंका पिछले कुछ टूर्नामेंटों में चौथे दौर से आगे भी नहीं बढ़ पाई हैं, जिसे देखते हुए वह सेरेना विलियम्स (2012-14) के बाद लगातार तीन यूएस ओपन खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनने के लिए शायद ही तैयार दिखती हैं। लेकिन सबालेंका चिंतित नहीं लग रही हैं। वह तो विद्रोही लग रही हैं। जो लोग यह जानना चाहते थे कि उनके खेल में क्या खराबी है, उनके जवाब में उन्होंने कहा, 'शायद लोगों में ही कुछ खराबी है।'

### सबालेंका लगातार तीसरा खिताब

सबालेंका लगातार तीसरा खिताब जीतने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यहां 2024 में फाइनल में जेसिका पेगुला को हराकर पहली बार खिताब जीता था। पिछले साल उन्होंने अमांडा अनिसिमोवा को हराकर अपने खिताब का बचाव किया था।

### सबालेंका ने की थी साल की अच्छी शुरुआत

सबालेंका ने साल की अच्छी शुरुआत की। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में एलेना रायबाकिना से हारने के बाद उन्होंने इंडियन वेल्स और मियामी में लगातार दो हार्ड कोर्ट खिताब जीते। विंबलडन में चौथे दौर में नाओमी ओसाका से हारने के बावजूद माना जा रहा था कि वह जल्द ही अपनी पुरानी फॉर्म में लौट आएंगी, क्योंकि हार्ड कोर्ट उनकी पसंदीदा सतह रही है। लेकिन सबालेंका टोरंटो में चौथे दौर में एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा से हार गई और सिनसिनाटी में सारा बेजलेक ने उन्हें दोनों सेटों में बढ़त का फायदा नहीं उठाने दिया।

### मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया : एरिना

सबालेंका ने कहा, 'वह दौर मेरे लिए अच्छा नहीं था। मैं अपना बचाव नहीं करना चाहती, लेकिन जाहिर है कि मैं उस दौर के बारे में बात नहीं करना चाहती। मैं कई चीजों से जूझ रही थी।' उन्होंने कहा, 'मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया। ये कड़े सबक मुझे और भी ज़्यादा मजबूत बनाएंगे और मैं और कड़ी मेहनत करूंगी। वापसी करना बस समय की बात है।'

# अल्कारात्ज की 4 महीने बाद वापसी, पुराने फॉर्म में लौटने की उम्मीद

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अपनी दाहिनी कलाई में लगी चोट के कारण चार महीने से अधिक समय तक खेल से बाहर रहने वाले कार्लोस अल्काराज़ को उम्मीद है कि वह अपनी पुरानी फॉर्म में लौट कर रविवार से शुरू होने वाले यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने में सफल रहेंगे। मौजूदा चैंपियन अल्काराज़ चोटिल होने के कारण फ्रेंच ओपन और विंबलडन में नहीं खेल पाए थे लेकिन उन्हें लगता है कि वह वर्ष का अंतिम ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट खेलने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'आप कार्लिटोस को उसी तरह खेलते हुए देखेंगे जैसे वह हमेशा खेलता आया है।'

### मुझे प्रतिस्पर्धा की जरूरत : अल्काराज

अल्काराज ने कहा, 'मुझे प्रतिस्पर्धा की जरूरत है। मेरा और मेरी टीम का मानना है कि मैं पूरी तरह से तैयार हूं। वापसी का फैसला करना आसान नहीं था। मैंने इसके लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास किया है।'



### अल्काराज़ मौजूदा चैंपियन

अल्काराज़ मौजूदा चैंपियन हैं और लगातार दूसरी बार खिताब जीतने के प्रबल दावेदार हैं। एक साल पहले उन्होंने यानिक सिनर को हराकर नंबर एक रैंकिंग हासिल की थी। इस बार सिनर नहीं खेल रहे हैं। दाहिने घुटने में चोट के कारण उन्होंने नाम वापस ले लिया है। सिनर की अनुपस्थिति में अलेक्जेंडर ज़्वेरेव शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं। लेकिन सबकी निगाहें अल्काराज़ पर टिकी हैं, जिन्होंने इसी साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराकर अपना सातवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। अल्काराज़ का पहला मुकाबला रोमन सफिउलिन से होगा।

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल : आज मौजूदा चैंपियन मध्य क्षेत्र का सामना पूर्वी क्षेत्र से

# फाइनल की जंग शुरू, भिड़ेंगी चार टीमें, दो का टूटेगा सपना

*बेंगलुरु। मौजूदा चैंपियन मध्य क्षेत्र रविवार से शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में आत्मविश्वास से भरी पूर्वी क्षेत्र का सामना करेगा जबकि उत्तर क्षेत्र और पिछले साल की उपविजेता दक्षिण क्षेत्र के बीच भी रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है। उत्तर और पूर्व क्षेत्र की टीम क्वार्टर फाइनल में जीत हासिल करके आगे बढ़ी हैं जबकि मध्य और दक्षिणी क्षेत्र को सेमीफाइनल में सीधे प्रवेश मिला था। पूर्वी क्षेत्र ने क्वार्टर फाइनल में उत्तर पूर्वी क्षेत्र को करारी शिकस्त दी थी जबकि उत्तर क्षेत्र में पश्चिम क्षेत्र के खिलाफ बाएं हाथ के स्पिनर आबिद मुश्ताक की शानदार गेंदबाजी की बदौलत रोमांचक जीत हासिल की थी।*



### पाटीदार और तिलक को करनी होगी शानदार शुरुआत

लगातार दूसरे साल रजत पाटीदार की कप्तानी में खेल रहे मध्य क्षेत्र और तिलक वर्मा की अगुवाई वाली दक्षिण क्षेत्र को टूर्नामेंट में एक भी मैच न खेलने के बावजूद शानदार शुरुआत करनी होगी। मध्य क्षेत्र में पिछले साल ट्रॉफी जीतने वाली टीम के प्रमुख खिलाड़ियों को टीम में बनाए रखा है। पाटीदार आईपीएल और एमपी टी20 लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद टूर्नामेंट में उतर रहे हैं, जबकि उप-कप्तान रिंकू सिंह के रूप में उसके पास मध्य क्रम में एक और मजबूत खिलाड़ी है।

### ईशान, सूर्यवंशी और ईश्वरन से बड़ी पारी की उम्मीद

क्वार्टरफाइनल में पूर्व क्षेत्र ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर पूर्वी क्षेत्र को पारी और 210 रन से करारी शिकस्त दी थी। इस मैच में बंगाल के सुदीप घरामी और शाहबाज अहमद ने शतक जड़े थे। कप्तान ईशान किशन, युवा सनसनी सूर्यवंशी और अनुभवी अभिमन्यु ईश्वरन भी इस मैच में बड़ी पारियां खेलने की कोशिश करेंगे। शाहबाज ने चार विकेट लेकर गेंदबाजी में भी अहम योगदान दिया था। उनके अलावा अनुकूल रॉय ने दूसरी पारी में पांच विकेट लिए और अभिजीत सरकार ने मैच में छह विकेट हासिल किए।

### नार्थ और साउथ जोन का पलड़ा बराबर

उत्तर क्षेत्र और दक्षिण क्षेत्र के बीच होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले में दोनों टीम का पलड़ा लगभग समान नजर आता है। दक्षिण क्षेत्र के पास कप्तान तिलक वर्मा, रिकी भुई, नारायण जगदीसन और करुण नायर जैसे अनुभवी बल्लेबाज हैं। दक्षिण क्षेत्र की गेंदबाजी की बात करें तो श्रेयस गोपाल और बाएं हाथ के स्पिनर तनाय त्यागराजन गेंदबाजी आक्रमण में विविधता लाते हैं। तेज गेंदबाजी विभाग में उसका दारोमदार विद्युत कावेरप्पा पर रहेगा।

### वेस्ट जोन में टीम चयन को लेकर सवाल

उत्तर क्षेत्र की टीम पश्चिम क्षेत्र को 52 रन से हराकर इस मुकाबले में उतरेंगी। उसकी टीम के चयन को लेकर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि रणजी ट्रॉफी में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी सनत सांगवान पर यश दुल को प्राथमिकता दी गई है। दुल पश्चिम क्षेत्र के खिलाफ संघर्ष करते हुए नजर आए तथा केवल नौ रन और शून्य पर आउट हो गए, जबकि सांगवान बेंच पर बैठे मैच देखते रहे। सांगवान को इस मैच में अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है।

### गेंदबाजी आक्रमण में फेरबदल कर सकता नार्थ जोन

उत्तर क्षेत्र अपने तेज गेंदबाजी आक्रमण में भी फेरबदल कर सकता है, जिसमें सुनील कुमार की जगह भारतीय तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को मौका दिया जा सकता है। गुरनूर ने श्रीलंका ए के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे में भी उनका प्रदर्शन उत्साहजनक रहा था। बल्लेबाजी ने उत्तर क्षेत्र की तरफ से उप कप्तान आयुष बडोनी की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने पिछले मैच की दोनों पारियों में अर्धशतक बनाए थे।

# मैं विकेट लेने वाला गेंदबाज हूं : सूर्यवंशी



एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वैभव सूर्यवंशी भले ही दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में अपनी टीम की एकमात्र पारी में बल्लेबाजी में कुछ खास योगदान नहीं दे पाए लेकिन उन्होंने गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए दो अहम विकेट चटकाए, जिसकी मदद से पूर्वी क्षेत्र ने पूर्वोत्तर क्षेत्र को पारी और 210 रन से करारी शिकस्त दी। सूर्यवंशी ने कहा, 'अगर आप किसी बल्लेबाज से पूछेंगे तो उसे गेंदबाजी करना भी पसंद होता है और गेंदबाज को बल्लेबाजी करना पसंद होता है। दोनों को एक-दूसरे की भूमिका निभाना काफी पसंद है।' सूर्यवंशी ने कहा, 'विपक्षी टीम के विकेट नहीं गिर रहे थे और मुझे दो-तीन ओवर गेंदबाजी करने के लिए कहा गया। इशान भैया को लगा कि मुझे गेंदबाजी देना थोड़ा जोखिम भरा है, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि मैं विकेट लेने वाला गेंदबाज हूं।' सूर्यवंशी ने किशन लिंगदोह (25) और इम्लीवती लेमटूर (04) को आउट किया।

वैभव ने कहा कि जरूरत के समय विकेट लेने से ज्यादा खुशी एक बल्लेबाज के लिए और कुछ नहीं हो सकती। उन्होंने कहा, 'मेरे दिमाग में सिर्फ यही था कि अगर मैं यहां पांच विकेट भी ले लूं, तो मुझे केवल तीन ओवर ही गेंदबाजी करनी है। इसलिए मैंने अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करने, एक ही जगह पर गेंद डालने और अपना स्पेल पूरा करने की कोशिश की। 'वैभव ने कहा, 'मुझे बहुत अच्छा लगा क्योंकि बल्लेबाजी में मेरे लिए चीजें अच्छी नहीं रहीं। ऐसे में गेंदबाजी से योगदान देना वास्तव में अच्छा लगा। जब कोई बल्लेबाज विकेट लेता है तो उससे ज्यादा खुशी की बात और कुछ नहीं होती।'

## खबर संक्षेप



### बुडापेस्ट ओपन स्क्वाश के चैंपियन बने सेंथिलकुमार

**बुडापेस्ट।** भारत के वेलावन सेंथिलकुमार ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए फाइनल में बालाज फरकास को हराकर हंगरी की राजधानी में खेले गए बुडापेस्ट ओपन स्क्वाश के रूप में अपना पहला पीएसए कॉपर-लेवल का खिताब जीता। विश्व रैंकिंग में 54वें स्थान पर काबिज और आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने 43,500 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले टूर्नामेंट के फाइनल में स्थानीय खिलाड़ी फरकास को 11-4, 11-2, 11-3 से हराकर अपना 11वां पीएसए टूर खिताब जीता। यह दोनों खिलाड़ी तीसरी बार आमने-सामने थे।

### कट में जगह बनाने वाली इकलौती भारतीय प्रणवी



**किल्डारे।** युवा गोल्फर प्रणवी उर्स प्रतिष्ठित केपीएमजी विमेंस आयरिश ओपन के दूसरे दौर में दो अंडर 70 का कार्ड खेल संयुक्त आठवें पायदान पर पहुंच गई। प्राणवी कट में प्रवेश करने वाली इकलौती भारतीय है। वह तालिका में शीर्ष पर काबिज दक्षिण अफ्रीका की कैसांद्रा एलेक्जेंडर से 10 शॉट पीछे हैं। प्रणवी ने तीन बर्डी के मुकाबले तीन बोगी किए लेकिन 10वें होल में ईगल लगाने के कारण वह दो अंडर का कार्ड खेलने में सफल रही।

# एशियन गेम्स : भारत की पदक की उम्मीद को झटका, नीरज बाहर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने शनिवार को घोषणा की कि अभ्यास के दौरान उनके टखने के लिगामेंट में चोट लग गई है, जिसके कारण वह आगामी एशियाई खेलों में नहीं खेल पाएंगे। चोपड़ा ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि लुसाने डायमंड लीग में सत्र का सर्वश्रेष्ठ थ्रो करने के कुछ ही समय बाद उन्हें चोट लगी।

चोपड़ा ने कहा, 'कड़ी मेहनत के बाद मुझे लग रहा था कि मैं आखिरकार अच्छी लय हासिल कर रहा हूं, जिसकी मुझे तलाश थी और



लुसाने में मैंने सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।' उन्होंने कहा, 'दुर्भाग्य से कुछ समय बाद ही अभ्यास के दौरान मेरे टखने के लिगामेंट में चोट लग गई। अपने डॉक्टर और टीम से सलाह मशविरा करने के बाद हमने फैसला किया है कि मैं इस सत्र में आगे नहीं खेल पाऊंगा। यह निराशाजनक है, खासकर इसलिए क्योंकि मुझे लग रहा था कि मैं अपनी लय पाने के करीब था। लेकिन जैसा कि कहते हैं, उतार-चढ़ाव तो जीवन का हिस्सा होते हैं।'

### इंग्लैंड ने पाकिस्तान पर बनाई बड़ी बढ़त

**लंदन।** इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में बारिश से प्रभावित दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन शनिवार को चाय के विश्राम तक अपनी दूसरी पारी में छह विकेट पर 162 रन बनाकर पाकिस्तान पर अपनी बढ़त 342 रन तक पहुंचा दी। बारिश के कारण खेल में कई बार रुकावट आई। सुबह के सत्र में एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। दोपहर में खेल शुरू हुआ तो इंग्लैंड ने तीन विकेट पर 81 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई। उस समय उसकी कुल बढ़त 261 रन थी। इसके बाद करीब 23 ओवर के खेल में टीम ने 81 रन और जोड़े, लेकिन तीन विकेट भी गंवा दिए। मोहम्मद अब्बास पाकिस्तान के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने एमिलियो गे को 31 रन पर पगबाधा आउट किया। इसके बाद हैरी ब्रूक 34 रन बनाकर विकेट के पीछे कैच दे बैठे। ब्रूक और डैन लॉरेंस ने पांचवें विकेट के लिए 45 रन जोड़े। अब्बास ने जेमी स्मिथ को सात रन पर आउट कर अपना तीसरा विकेट लिया।

# प्रीमियर लीग : बायर्न म्यूनिख और मैनचेस्टर सिटी की धमाकेदार जीत

एजेंसी ▶▶| म्यूनिख

बायर्न म्यूनिख और मैनचेस्टर सिटी ने अपनी राष्ट्रीय फुटबाल लीग में बड़ी जीत हासिल करके अपने अभियान की धमाकेदार शुरुआत की। जर्मनी की बुंडेसलीगा में मौजूदा चैंपियन बायर्न म्यूनिख ने लीग में हमेशा की तरह दबदबा बनाए रखते हुए घरेलू मैदान पर स्टटगार्ट के खिलाफ 5-1 से जीत हासिल की। बायर्न म्यूनिख बुंडेसलीगा में पिछले 15 वर्षों से सत्र का अपना पहला मैच नहीं हारा है। इंग्लैंड में प्रीमियर लीग में मैनचेस्टर सिटी ने क्रिस्टल पैलेस को 4-1 से हराया।



### हालैंड और चेर्की ने दागे दो-दो गोल

मैच में एर्लिंग हालैंड और रायन चेर्की ने दो-दो गोल किए। फ्रांस की लीग1 के मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को लिली के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेलने के लिए स्टॉपेज टाइम में दो गोल की जरूरत पड़ी। फ्रांसीसी और यूरोपीय चैंपियन पीएसजी ने इससे पहले पिछले सप्ताह रेनेस के खिलाफ भी पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 2-2 से ड्रॉ खेला था। इटली की लीग सीरी ए में एसी मिलान ने वेनेजिया को 2-0 से पराजित किया। उधर स्पेन में ला लीगा में अलावेस और रेसिंग सैंटेंडर ने क्रमशः विलारियल और एल्ची पर एक-एक गोल से जीत हासिल की।

आज से महिला टी20 एशिया कप, तीन बार जीता खिताब

# भारत का रण शुरू, थाईलैंड के खिलाफ दबदबे की वापसी

एजेंसी ▶▶| दुबई

ऐसे समय में जबकि टीम की फॉर्म और निरंतरता पर सवाल उठ रहे हैं तब हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम रविवार को महिला टी20 एशिया कप ग्रुप ए के अपने पहले मैच में थाईलैंड के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करके अपने अभियान की शानदार शुरुआत करना चाहेगी।

पिछले एक दशक में महिला टी20 एशिया कप में भारत सबसे दबदबा बनाने वाली टीम रही है। उसने 2016-17 से इस टूर्नामेंट के टी20 प्रारुप के पांच संस्करणों में तीन बार खिताब जीता है लेकिन हाल में उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है।



### चोट के कारण जेमिमा बाहर

एशिया कप और एशियाई खेलों के लिए भरोसेमंद बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स के बाहर होने के बाद भारत ने अपनी टीम में प्रतिका रावल को शामिल किया है, लेकिन टीम को मध्य क्रम में जेमिमा की कमी खलेगी। भारत के पास स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के रूप में मजबूत सलामी जोड़ी है लेकिन तीसरे नंबर और उसके बाद के बल्लेबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती लय को बनाए रखना और स्कोरबोर्ड को गति प्रदान करना होगा।

### खराब फील्डिंग चिंता का विषय

पिछली बार जब भारत इस प्रारुप में खेला था तब खराब फील्डिंग बड़ी चिंता का विषय था। भारतीय खिलाड़ियों ने कई कैच छोड़े, जो उसकी हार का प्रमुख कारण भी रहा। भारत को अगर एशिया कप और एशियाई खेलों में अपना दबदबा बरकरार रखना है तो उसे अपनी फील्डिंग में जल्द से जल्द सुधार करना होगा।

# महिला जूनियर एशिया कप हॉकी भारत का पहला मुकाबला कोरिया से



एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मिडफील्डर खैदेम शिलेमा चानू की अगुवाई वाली भारतीय महिला हॉकी टीम 4 से 13 सितंबर तक चीन के मोकी में होने वाले एएचएफ महिला जूनियर एशिया कप में दक्षिण कोरिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। नवनियुक्त कोच टिम व्हाइट के नेतृत्व में 18 सदस्यीय टीम ने इसके लिए अच्छी तैयारी की है।

इसके तहत भारतीय टीम ने इस साल ब्रिटेन का दौरा भी किया था। भारत को इस प्रतियोगिता के लिए मेजबान चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और मलेशिया के साथ एलीट पूल में रखा गया है।

# वजन सिर्फ 100 ग्राम और 16 फीट की छलांग, नुकीले दांतों से निकालकर पीता है पेड़ों का जूस

प्रकृति बेहद अनोखी है और इसमें पाए जाने वाले सभी जीव-जंतु भी अपने आप में खास हैं। आज हम आपको दुनिया के सबसे छोटे बंदर से मिलवाएंगे, जिसका आकार इतना छोटा है कि वह आपकी हथेली में भी समा सकता है। इस बंदर का नाम पिग्मी मार्मोसेट है, जो दक्षिण अमेरिका के घने वर्षावनों में पाया जाता है।

इस बंदर का वजन महज 100 से 125 ग्राम के बीच होता है और इनकी लंबाई सिर्फ 2 से 15 सेंटीमीटर होती है। यह प्राइमेट पेरू, इक्वाडोर, कोलंबिया, बोलीविया और ब्राजील के नदी किनारे फैले अमेजन रेनफॉरेस्ट में पाया जाता है। नर और मादा का आकार लगभग एक समान होता है लेकिन मादा नर से थोड़ी भारी हो सकती हैं। पिग्मी मार्मोसेट का शरीर भूरे-सुनहरे रंग के बालों से भरा होता है और इसकी पीठ पर काली धारियां मौजूद होती हैं। इनके पूंछ लंबे होते हैं तो छलांग लगाते समय संतुलन बनाने में मददगार साबित होते हैं। यह पेड़ों की शाखाओं से 16 फीट लंबी छलांग लगा सकता है। भले ही यह जीव देखने में नाजुक लगे लेकिन इसके नुकीले पंजे इसे पेड़ की छाल को मजबूती से पकड़ने में सक्षम बनाते हैं।



## दांतों से पेड़ों में छेदकर पीते हैं उसका रस

पिग्मी मार्मोसेट के नवजात बच्चे हल्के चमकीले पीले रंग के होते हैं। पैदा होने के एक महीने के अंदर ही इनका रंग व्यस्कों जैसा हो जाता है. ये बंदर एक्सुडेटिवोर होते हैं और इनके आहार का 80 प्रतिशत हिस्सा पेड़ों का रस, गोंद और रेजिन होता है। इनके नीचे के दांत लंबे और धारीदार होते हैं और ये पेड़ की छाल में छेद करके उसका रस निकालते हैं। इसके अलावा ये भृंग, टिड्डे, मकड़ियां, फल और फूल भी खाते हैं।

## ग्रुप में रहकर परिवार करता है बच्चों की देखभाल

ये प्राइमेट्स 2 से 9 सदस्यों के ग्रुप में रहते हैं। इसमें एक कपल और उनके बच्चे होते हैं। प्राइमेट्स की दुनिया में यह बेहद दुर्लभ बात है कि इनमें आमतौर पर जुड़वां बच्चे पैदा होते हैं और पूरा परिवार मिलकर उनके पालन-पोषण में मदद करता है। रात के समय ये बाज, सांप और जंगली बिल्लियों जैसे शिकारियों से बचने के लिए पेड़ों के खोखले तनों या घनी लताओं में छिप जाते हैं। खतरा होने पर ये पूरी तरह स्थिर हो जाते हैं या समूह बनाकर तेज आवाज निकालते हैं।

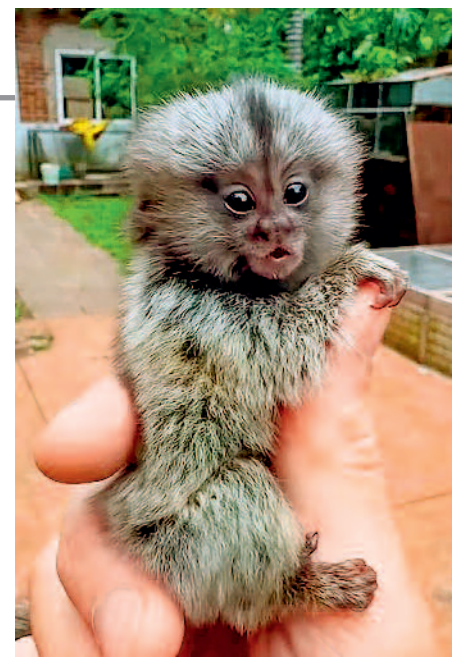

**कहीं जलमग्न हो गया पूरा का पूरा शहर**

# ये हैं दुनिया की सबसे खौफनाक बाढ़! बह गए शहर, लाखों की मौत

26 अगस्त 2026 को नेपाल में आई भीषण फ्लैश फ्लड ने एक बार फिर पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया है। नेपाल के रासुवा जिले में भोटेकोशी नदी के उफान ने टिमुरे और स्याफ्रुबेसी इलाकों में भारी तबाही मचाई है, जिससे सैकड़ों लोगों की जान चली गई, हजारों लोग घायल व लापता हैं। हालांकि, अगर इतिहास के पन्नों को पलटा जाए, तो दुनिया ऐसे कई जलप्रलय देख चुकी हैं, जिनके सामने आधुनिक आपदाएं भी छोटी नजर आती हैं।



### 1938 में चीन की येलो रिवर की कृत्रिम तबाही

चीन-जापान युद्ध के दौरान चीनी सेना ने जापानी सैनिकों के आगे बढ़ने के रास्ते को रोकने के लिए खुद ही येलो रिवर के तटबंधों को तोड़ दिया था। इसका नतीजा यह हुआ कि पानी अनियंत्रित होकर लाखों लोगों के बीच फैल गया। अकाल, भुखमरी और जलभराव के चलते इस घटना में लगभग 5 लाख से 7 लाख लोगों की जान चली गई थी।

### चीन की यांग्त्जी और पीली नदी की बाढ़

यह आधुनिक इतिहास की सबसे बड़ी प्राकृतिक आपदाओं में गिनी जाती है। साल 1931 में चीन की प्रमुख नदियां- यांग्त्जी, हुआई और पीली नदी- एक साथ उफान पर आ गई थीं। इस आपदा में अकाल और गंभीर बीमारियों के कारण करीब 4.22 लाख से लेकर 40 लाख तक लोगों के मारे जाने का अनुमान लगाया जाता है।

**1887 में आई चीन की येलो रिवर बाढ़ :** चीन की पीली नदी के तटबंध अचानक टूट जाने के कारण पानी ने एक विशाल मैदानी इलाके को पलभर में अपनी आगोश में ले लिया था। ऐतिहासिक दस्तावेजों के मुताबिक, इस भयंकर बाढ़ में लगभग 9.3 लाख लोग मारे गए थे, जबकि कुछ रिपोर्ट्स में यह आंकड़ा 20 लाख तक भी पहुंचता है।

**1975 में आई चीन की बनकियाओ डैम आपदा :** 'टाइफून नीना' के कारण हुई रिकॉर्ड तोड़ बारिश से हेनान प्रांत का बनकियाओ बांध और आसपास के कई अन्य बांध भरभराकर टूट गए थे। पानी के तेज सैलाब ने निचले इलाकों को पूरी तरह तबाह कर दिया। इस आपदा में और उसके बाद फैली महामारी में कुल मिलाकर करीब 2.3 लाख लोगों की मौत हो गई थी।

### यूरोप की समुद्री बाढ़

मध्यकालीन यूरोप के लिए 1099 साल एक भयानक सपने जैसा था। उत्तरी सागर में उठे भीषण समुद्री तूफानों ने नीदरलैंड्स और इंग्लैंड के तटीय क्षेत्रों को बुरी तरह तहस-नहस कर दिया। तूफानी लहरें तटबंधों को तोड़कर अंदर तक आ गईं, जिससे लगभग 1 लाख लोगों की आबादी काल के गाल में समा गई।

### चीन की यांग्त्जी नदी बाढ़

साल 1935 में चीन एक बार फिर यांग्त्जी नदी के पानी ने रिहायशी इलाकों में प्रवेश कर भारी तबाही मचाई। बाढ़ के ठीक बाद खाने-पीने की चीजों की भारी किल्लत हो गई और महामारियों ने पैर पसार लिए। इस आपदा में लगभग 1.45 लाख लोगों ने अपनी जान गंवाई थी।

### 1287 में उत्तरी यूरोप की सेंट लूसिया बाढ़

सेंट लूसिया के नाम से जानी जाने वाली इस समुद्री बाढ़ ने नीदरलैंड्स और जर्मनी के तटीय हिस्सों में भारी तबाही मचाई। तूफानी हवाओं और ऊंची उठती लहरों के कारण आए इस प्रलय में 50 हजार से 80 हजार के बीच लोग मारे गए थे।

### बांग्लादेश की मानसूनी बाढ़

साल 1974 में बांग्लादेश में लगातार और भारी मानसूनी बारिश के कारण देश की नदियां उफान पर आ गईं, जिससे एक बहुत बड़ा भूभाग पानी में डूब गया। इस आपदा में 27,000 से लेकर डेढ़ लाख तक लोगों के प्रभावित होने और मारे जाने का अनुमान है। इस आपदा ने कृषि और जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया था।

# महिला ने बालों से उठाया 75 किलो वजन, बनाया विश्व रिकॉर्ड

**मेक्सिको।** बाल महिलाओं के श्रृंगार का सबसे अहम हिस्सा होते हैं, जो उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं। हालांकि, कुछ महिलाएं इन्हीं बालों को अपनी सबसे बड़ी ताकत बना लेती हैं। ऐसा ही कमाल मेक्सिको की रहने वाली एक पॉवरलिफ्टर महिला ने कर दिखाया है। आपको जानकर हैरानी होगी कि उन्होंने महज अपने बालों के जरिए 75 किलोग्राम का वजन उठाया है। ऐसा करके उन्होंने अपना नाम गिनीज बुक में शामिल कर लिया है।

मैक्सिको के पोटोसी स्थित सैन लुइस की रहने वाली डायना एलिजाबेथ बैट्रेस हर्मोसिलो ने यह हैरतअंगेज कारनामा कर दिखाया। वह पेशे से एक प्रतिभाशाली सर्कस कलाकार भी हैं। उन्होंने 28 फरवरी, 2026 को ले पाज थिएटर में यह रिकॉर्ड कायम किया।

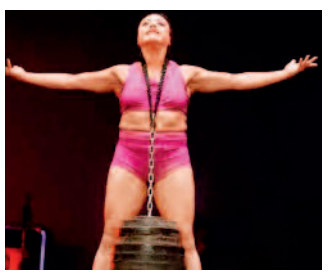

### कैसे कर पाईं यह काबिले तारीफ कारनामा?

तैयारी के दौरान एलिजाबेथ ने जिम में रखीं भारी डिस्क को एक स्टील की चेन में जोड़ा था। ऐसा करके उन्होंने एक ऐसा उपकरण बना लिया, जिसे वह अपनी चोटियों से जोड़ सकती थीं। धीरे-धीरे करके उन्होंने वजन बढ़ाना शुरू किया और रोजाना अभ्यास भी करती रहीं। रिकॉर्ड प्रयास से पहले उन्होंने बालों को 2 बराबर भागों में बांटकर 2 चोटियां बनाईं और उन्हें एक रबर बैंड से एक साथ जोड़ा।

### एलिजाबेथ का दूसरा करतब देख भी हैरान थे लोग

एलिजाबेथ ने न केवल बालों से 75.35 किलोग्राम वजन उठाया, बल्कि उसे 14 सेकंड तक उठाए रखने में कामयाब भी रहीं। एलिजाबेथ यहीं नहीं रुकीं, बल्कि उन्होंने उसी रात एक और हैरतअंगेज करतब कर दिखाया। अपने इस शानदार प्रदर्शन के बाद वह एक बार फिर मंच पर लौटीं और अपने पूरे शरीर का वजन हवा में केवल अपने बालों की ताकत से लटकाए रखा। इस कारनामे ने भी लोगों को दांतों तले उंगलियां दबा लेने पर मजबूर कर दिया था।

# एफिल टॉवर की सीढ़ियों का एक हिस्सा 5 करोड़ में हुआ नीलाम

फ्रांस की राजधानी पेरिस में स्थित एफिल टावर इस देश की पहचान है। लोहे से बने इस खूबसूरत टावर को देखने के लिए हर साल लाखों लोग पेरिस का रुख करते हैं। ऐसे में जाहिर है कि इससे संबंधित हर एक वस्तु बेशकीमती ही होगी। यह बात हाल ही में सच साबित हुई, जब एफिल टावर की सीढ़ियों के एक छोटे हिस्से की नीलामी हुई। यह हिस्सा 5 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की कीमत पर नीलम हुआ है।

**दशकों पहले इसी सीढ़ी से चढ़ते थे लोग :** एफिल टावर का निर्माण 1889 के विश्व मेले के लिए किया गया था और ये सीढ़ियां भी उसी समय की हैं। इसकी नीलामी का आयोजन 'आर्टक्यूरियल पेरिस' नाम के नीलामीघर ने करवाया था। करीब 4 दशक पहले एफिल टावर पर लगी 526 फीट लंबी सीढ़ियों को कई छोटे-छोटे हिस्सों में काट दिया गया था और उनकी जगह लिफ्ट लगाई गई थीं। यह हिस्सा भी उन्हीं काटे गए हिस्सों में से एक है।

नीलाम होने वाले हिस्से में कुल 14 सीढ़ियां हैं, जिसकी लंबाई 9 फीट है। यह एक घुमावदार हिस्सा है, जो 1270.06 किलो का है।नीलामीघर ने उम्मीद लगाई थी कि यह हिस्सा करीब एक से 1.67 करोड़ रुपये के बीच बिक सकता है।



### पेरिस ओलंपिक ने और बढ़ाई एफिल टावर की लोकप्रियता

नीलामीघर का कहना है कि 2024 में हुए पेरिस ओलंपिक के बाद शहर के स्मारकों की लोकप्रियता और बढ़ी है। नीलामीघर की आर्ट डेको डिजाइन निदेशक सबरीना डोला ने कहा, जब आप एफिल टावर का टुकड़ा खरीदते हैं तो आप पेरिस का एक टुकड़ा खरीद रहे होते हैं। साथ ही वह सारी कल्पना और प्रतीकवाद भी, जो यह दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा, "हम निश्चित रूप से एफिल टावर के प्रतीक और सौंदर्य अपील में नई रुचि देख रहे हैं।


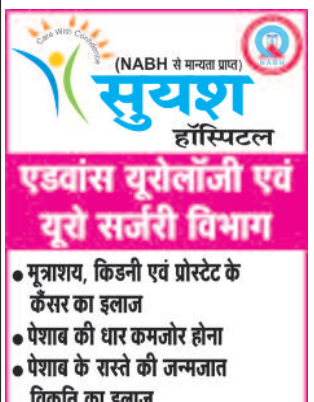











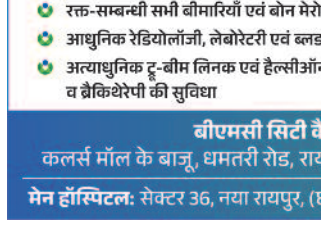















हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com